खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 | रविवार, 06 सितंबर, 2026 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 10 | मूल्य-8 रु.| वर्ष-8 | अंक-246

13 साल बाद श्रीराम कॉलेज पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी, बोले

नाराज़ फूफाओं से सावधान

नई दिल्ली, 05 सितंबर (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार शाम मेट्रो से सफर कर श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स पहुंचे। कॉलेज के 100वें स्थापना दिवस के अवसर पर उन्होंने जेन-जी विद्यार्थियों के बीच करीब 48 मिनट तक संबोधन दिया। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कॉलेज के गौरवशाली इतिहास, वर्ष 2013 में यहां दिए अपने भाषण, देश की वर्तमान स्थिति, युवाओं की आकांक्षाओं और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प सहित विभिन्न विषयों पर विचार रखे।

प्रधानमंत्री मोदी ने विद्यार्थियों से जेन-जी की भाषा में संवाद करते हुए कहा कि इस कॉलेज के पूर्व विद्यार्थी ओजी यानी ओरिजनल गैंगस्टर हैं। उन्होंने कहा कि वे भले ही धुरंधर न हों, लेकिन उन्होंने दुनियाभर में अपनी धूम जरूर मचाई है।

2013 के भाषण को किया याद

प्रधानमंत्री मोदी ने वर्ष 2013 में श्रीराम कॉलेज की अपनी यात्रा को याद किया। उस समय वे गुजरात के मुख्यमंत्री थे। उन्होंने कहा कि तब उन्होंने आलोचकों के नजरिये का उदाहरण देते हुए कहा था कि किसी को गिलास आधा खाली दिखाई देता है, किसी को आधा भरा और किसी को आधा पानी तथा आधा हवा से भरा हुआ दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि सही नजरिया हर परिस्थिति में उम्मीद देखना है। प्रधानमंत्री ने कहा कि 13-14 साल बाद भी श्रीराम कॉलेज में दिया गया उनका भाषण चर्चा में है और नई पीढ़ी भी उसे दोबारा देख रही है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे वर्ष 2013 के कालखंड के बारे में इंटरनेट पर जाकर देखें कि उस समय देश की स्थिति क्या थी और मीडिया में कैसी सुर्खियां आती थीं।उन्होंने कहा कि वर्ष 2013 में वे मुख्यमंत्री के साथ-साथ विपक्षी पार्टी के नेता भी थे, लेकिन उन्होंने सरकार की आलोचना के लिए उस मंच का इस्तेमाल नहीं किया। उन्होंने उस समय कुछ संकल्पों का उल्लेख किया था, एक दृष्टिकोण रखा और सकारात्मक बातें कहीं। उन्होंने कहा, वह मेरा संकल्प था। मैं उन बातों को जीता रहा और उस रास्ते पर चलता रहा। देश के लिए जीने का जज्बा और मेरे भीतर का भाव था, वह 2013 का भाव शब्दों की माला में जुड़ता चला गया। प्रधानमंत्री ने कहा कि जब देश निराशा के दलदल में फंसा था, तब भी वह गिलास को आधा नहीं, बल्कि पूरा भरा हुआ देखते थे। उन्होंने कहा कि उस समय देश में कई मोर्चों पर संघर्ष की स्थिति थी। उन्होंने वर्ष 2013 की तत्कालीन सुर्खियों का उल्लेख करते हुए कहा कि उस समय खबरें आती थीं नियंत्रण रेखा पर भारतीय सैनिकों की हत्या, विश्व बैंक ने सकल घरेलू उत्पाद की दर का अनुमान घटायाफ, महंगाई दर करीब दस प्रतिशत पर, अर्थव्यवस्था मंदी की चपेट में, हेलिकॉप्टर खरीद में रिश्वतखोरी और हैदराबाद में बम धमाके। उन्होंने कहा कि उस समय देश की स्थिति ऐसी थी कि विकास फर्श पर और महंगाई अर्श पर थी।

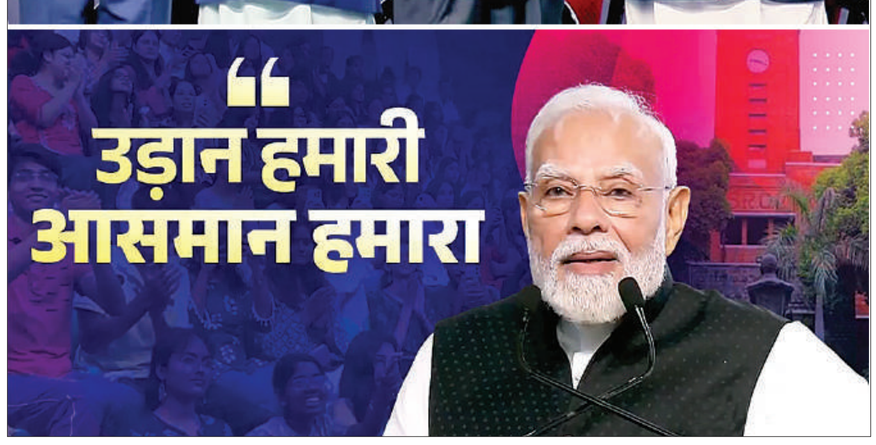

उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचारी बेखौफ घूमते थे और हर तरफ नीतिगत पंगुता की चर्चा होती थी। भारत को फ्रेजाइल फाइव अर्थव्यवस्थाओं में गिना जाता था। आतंकवादी हमले होते थे और देश में निराशा एवं हताशा का माहौल था। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज देश उस स्थिति से काफी आगे निकल चुका है।

उन्होंने अपनी सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि आज आतंकवाद फैलाने वाले त्रस्त पड़े हैं और पाकिस्तान में छिपे आतंकवादियों को भारत की सेना घर में घुसकर मारती है। जम्मू-कश्मीर से लेकर पूर्वोत्तर तक शांति बढ़ी है और माओवादी आतंक की कमर तोड़ दी गई है।

उन्होंने कहा कि दुनिया आज भारत की नीति गतिशीलता की चर्चा कर रही है और तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था को देख रही है। कई सकारात्मक खबरें सामने आई हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया के कई हिस्सों में युद्ध चल रहा है और व्यापार की अड़चनें हैं, इसके बावजूद भारत का सामर्थ्य उसके विकास की कहानी बता रहा है।

हर बात पर तंज कसने वालों को बताया नाराज फूफा

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हर बात पर इसकी क्या जरूरत है कहने वाले लोग नाराज फूफा हैं। उन्होंने कहा कि इन लोगों का एक ही संवाद होता है इसकी क्या जरूरत है। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों ने बुलेट ट्रेन, एकीकृत भुगतान प्रणाली और नई संसद जैसे कार्यों पर भी सवाल उठाए।

दिमागी नक्सल और होम्योपैथी की गोली का किया जिक्र

प्रधानमंत्री ने 15 अगस्त को लाल किले से दिए अपने संबोधन का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने उस दिन दिमागी नक्सल कहकर ऐसी होम्योपैथी की गोली दी, जिससे सारे विरोधी बौखलाने लगे।

उन्होंने कहा कि होम्योपैथी का इलाज बीमारी को कुछ समय के लिए और उभार देता है।

▶8पर

संबोधन के अंत में युवाओं में भरा जोश

संबोधन के अंत में प्रधानमंत्री मोदी ने युवाओं से कहा

नाव हमारी हो, नाविक भी हमारा हो।
लहरों पर विजय लिखे, वो हौसला हमारा हो।
उड़ान हमारी हो, हवाओं से टकराए वो जज्बा हमारा हो।
सपना हमारा हो, संकल्प हमारा हो।
आत्मनिर्भर भारत का संकल्प हमारा हो।
विकसित भारत की राह में उठता हर कदम हमारा हो।

प्रधानमंत्री ने कहा कि युवाओं की ऊर्जा, संकल्प और सामर्थ्य ही विकसित भारत की सबसे बड़ी ताकत है।

पाकिस्तान-सऊदी-तुर्किये का सुरक्षा समझौता

दे सकता है दुष्परिणाम

नई दिल्ली, 05 सितंबर (एजेंसियां)।

पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्किये के बीच सुरक्षा समझौते के करीब एक महीने बाद पूर्व सीडीएस अनिल चौहान ने पाकिस्तान के मंसूबों को लेकर भारत को सतर्क रहने की सलाह दी है।

उन्होंने कहा कि इस तरह के समझौते से पाकिस्तान में अति आत्मविश्वास पैदा हो सकता है और इसका परिणाम निकट भविष्य में उसकी गतिविधियों में दिखाई दे सकता है। उन्होंने कहा कि भारत को पाकिस्तान और उसके द्वारा संरक्षित आतंकी संगठनों से सतर्क रहने की जरूरत है।

भारत की सुरक्षा के लिए खतरे और चुनौतियों विषय पर आयोजित एक व्याख्यान में तीनों सेनाओं के पूर्व प्रमुख अनिल चौहान ने कहा कि पाकिस्तान आने वाले समय में भारत के लिए बड़ा खतरा बनने वाला है।

पूर्व सीडीएस चौहान ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर, सिंधु जल समझौते के निलंबन और कुछ अन्य व्यावहारिक कदम उठाए जाने के बाद उम्मीद बनी थी कि पाकिस्तान के आचरण में बदलाव आएगा।

हालांकि, हाल के सुरक्षा समझौते से पाकिस्तान में अति आत्मविश्वास पैदा हुआ है। इसके दुष्परिणाम निकट भविष्य में सामने आ सकते हैं। इसलिए भारत को पूरी तरह सतर्क रहने की जरूरत है।

पाकिस्तान का सऊदी अरब और तुर्किये के साथ सुरक्षा समझौता

उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्किये के बीच सुरक्षा समझौता गत सात अगस्त को हुआ था। समझौते के अनुसार, तीनों देशों में से किसी एक पर किया गया हमला सभी तीन देशों पर हमला माना जाएगा और तीनों देश मिलकर उसका जवाब देंगे।

चीन भी भारत के लिए बड़ी चुनौती

पूर्व सीडीएस अनिल चौहान ने कहा कि चीन लंबे समय से भारत के लिए चुनौती बना हुआ है और दोनों देशों के बीच सीमा विवाद काफी पुराना है।

हालांकि, वास्तविक नियंत्रण रेखा को लेकर दोनों देशों के बीच समझौता लागू है। ऐसे में केवल सीमा विवाद के आधार पर चीन के साथ संबंध खराब नहीं किए जा सकते हैं।

उन्होंने कहा कि भारत को अपनी सुरक्षा चुनौतियों का आकलन करते हुए पाकिस्तान और चीन दोनों के संदर्भ में सतर्क एवं व्यावहारिक रणनीति अपनाने की आवश्यकता है।

सत्यवादी रक्षक 416 करोड़ी पार्टी?

अब दफ्तर पर ताला, कौन चला रहा था?

आणंद, 05 सितंबर (एजेंसियां)।

गुजरात से राजनीतिक चंदे को लेकर एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। चुनाव आयोग के आंकड़ों के मुताबिक, एक गुमनाम-सी पार्टी सत्यवादी रक्षक पार्टी को वर्ष 2023-24 में 330 करोड़ रुपये से अधिक का चंदा मिला। हैरानी की बात यह है कि इस पार्टी ने 2024 के लोकसभा चुनाव में सिर्फ एक उम्मीदवार उतारा था।

मामले की पड़ताल के लिए जब टीम पार्टी के आधिकारिक पते पर पहुंची तो वहां ताला लगा मिला। इसके बाद टीम पार्टी की अध्यक्ष स्वातीबेन के घर पहुंची। कैमरे पर स्वातीबेन ने कई चौंकाने वाले खुलासे किए। उनका कहना है कि पार्टी बंद हो चुकी है और यदि चंदा आया था तो संभव है कि उसका दान कर दिया गया हो।

देश की पुरानी और चर्चित राष्ट्रीय पार्टियां एक-एक सीट पर चुनाव प्रचार के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगाती हैं, लेकिन गुजरात की इस सत्यवादी रक्षक पार्टी ने बिना किसी आंदोलन, प्रचार, भाषण या रैली के 330 करोड़ रुपये से अधिक का चंदा जुटा लिया। खास बात यह है कि इतनी बड़ी रकम का चंदा पाने वाली इस पार्टी ने 2024 के लोकसभा चुनाव में केवल एक उम्मीदवार मैदान में उतारा था। ▶8पर

बलूचिस्तान में बीएलए का बड़ा हमला

25 पाकिस्तानी सैनिकों को मारा!

नई दिल्ली, 05 सितंबर (एजेंसियां)।

बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने दावा किया है कि उसने दो अलग-अलग हमलों में पाकिस्तानी सेना के 25 जवानों को मार गिराया है। पाकिस्तान की ओर से इन दावों पर तत्काल कोई आधिकारिक जानकारी जारी नहीं की गई है। अशांत बलूचिस्तान प्रांत में पिछले कुछ महीनों से हिंसा में तेजी देखी जा रही है और बीएलए ने पाकिस्तानी सेना के खिलाफ अपना अभियान तेज कर दिया है। बीएलए ने धमाके, गोलीबारी और पाकिस्तानी सेना के एक ट्रक को जलते हुए दिखाने वाला फिल्मी अंदाज का वीडियो भी जारी किया है। बीएलए के आधिकारिक मीडिया माध्यम हक्कल की ओर से जारी वीडियो में संगठन के लड़ाके आग की लपटों में घिरी पाकिस्तानी सेना की गाड़ियों के पास दिखाई दे रहे हैं। एक अन्य दृश्य में सशस्त्र लड़ाके क्षतिग्रस्त सैन्य ट्रकों से हथियार निकालते नजर आ रहे हैं।

काफिले पर घात लगाकर हमला

बीएलए ने शुक्रवार को दावा किया कि जियारत क्रॉस पर उसके फतेह स्क्वाड के लड़ाकों ने पाकिस्तानी सेना के एक काफिले पर घात लगाकर हमला किया और दो वाहनों को नष्ट कर दिया। संगठन ने इस हमले में पाकिस्तानी सेना के 18 जवानों के मारे जाने का दावा किया है। बीएलए के अनुसार, पांच अन्य जवान घायल हुए और भागने में सफल रहे।इस हमले के बाद बीएलए का फतेह स्क्वाड एक बार फिर चर्चा में आ गया है। यह विशेष लड़ाकू इकाई मुख्य रूप से बलूचिस्तान के पहाड़ी इलाकों में सक्रिय बताई जाती है और गुरिल्ला युद्ध तथा घात लगाकर हमले करने के लिए जानी जाती है। मार्च 2025 में जाफर एक्सप्रेस के अपहरण के पीछे भी इसी संगठन का हाथ होने का दावा किया गया था। सुरब के हाजिका में हुए एक अन्य हमले को लेकर बीएलए ने दावा किया कि उसकी विशेष सामरिक अभियान इकाई ने रिमोट नियंत्रित वाहन के जरिए विस्फोट किया। संगठन के अनुसार, इस हमले में पाकिस्तानी सेना के सात जवान मारे गए। ▶8पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 31°
न्यूनतम : 24°

गिरवर सिंह की संघर्ष और जज्बे की अनोखी कहानी

नौकरी गई बने संत, 26 साल बाद लौटी वर्दी

मुरैना, 05 सितंबर (एजेंसियां)।

मध्य प्रदेश के मुरैना जिले के छिछावली गांव निवासी गिरवर सिंह तोमर की जिंदगी संघर्ष, साधना और दृढ़ इच्छाशक्ति की अनोखी कहानी है। वर्ष 1991 में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल में हवलदार के रूप में नौकरी शुरू करने वाले गिरवर सिंह ने करीब आठ साल तक देश की सेवा की। लेकिन एक वरिष्ठ अधिकारी से विवाद के बाद विभागीय जांच हुई और वर्ष 1999 में उन्हें सेवा से बर्खास्त कर दिया गया। अचानक नौकरी और वर्दी दोनों छिन गईं और वह अपने गांव लौट आए।

नौकरी छूटी तो मंदिर में शुरू की साधना

नौकरी जाने के बाद गिरवर सिंह का जीवन धीरे-धीरे आध्यात्मिक मार्ग की ओर बढ़ गया। उन्होंने मंदिर में रहकर पूजा-पाठ और साधना शुरू कर दी। बाद में वह गुफा मंदिर पहुंचे, जहां उनकी पहचान गिरवर दास महाराज के रूप में होने लगी और उन्होंने संत का जीवन अपना लिया। करीब दो दशक तक वह मंदिर सेवा से जुड़े रहे। हालांकि, मन में अपनी नौकरी और वर्दी वापस पाने की इच्छा बनी रही। गिरवर सिंह ने हार नहीं मानी और वर्ष 1999 में ही हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। एक ओर वह मंदिर में साधना करते रहे, वहीं दूसरी ओर नौकरी और सम्मान वापस पाने के लिए कानूनी लड़ाई भी जारी रखी। करीब आठ साल की कानूनी लड़ाई के बाद वर्ष 2007 में हाईकोर्ट ने गिरवर सिंह के पक्ष में फैसला सुनाया। उन्हें उम्मीद थी कि अब नौकरी बहाल हो जाएगी, लेकिन केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की ओर से हाईकोर्ट के फैसले पर रोक ले ली गई। इसके बाद मामला फिर लंबी कानूनी प्रक्रिया में चला गया।गिरवर सिंह ने हाईकोर्ट की दो सदस्यीय पीठ में अपील की। कई वर्षों तक सुनवाई चलती रही और वह लगातार अपनी नौकरी वापस पाने के प्रयास करते रहे।

आखिरकार अगस्त 2025 में उनकी लंबी कानूनी लड़ाई को बड़ी कामयाबी मिली। हाईकोर्ट ने उनके पक्ष में फैसला सुनाते हुए नौकरी बहाल करने का आदेश दिया।

▶8पर

कांग्रेस में बड़ा संगठनात्मक फेरबदल

भूपेश बघेल पंजाब से हटे

नई दिल्ली, 05 सितंबर (एजेंसियां)।

कांग्रेस आलाकमान ने संगठन में बड़ा फेरबदल करते हुए भूपेश बघेल को पंजाब के राज्य प्रभारी पद से हटाकर असम की जिम्मेदारी सौंप दी है। पंजाब कांग्रेस में लगातार जारी अंदरूनी कलह और गुटबाजी के बीच संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से यह बदलाव किया गया है।

इस संगठनात्मक फेरबदल के तहत वरिष्ठ नेता सचिन पायलट को पंजाब कांग्रेस का नया प्रभारी नियुक्त किया गया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पंजाब और गुजरात जैसे चुनावी राज्यों में महासचिवों के प्रभार में बदलाव करने के साथ ही छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र में भी पार्टी के प्रभारी बदले हैं। वहीं, रणदीप सिंह सुरजेवाला को गुजरात का महासचिव प्रभारी बनाए जाने के साथ कर्नाटक की अतिरिक्त जिम्मेदारी भी सौंपी गई है। सूत्रों के अनुसार, विधानसभा चुनावों से पहले पंजाब कांग्रेस संगठन में कुछ और बदलाव किए जा सकते हैं। फिलहाल पंजाब इकाई में गुटबाजी के कारण पार्टी के भीतर खींचतान बनी हुई है।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने एक बयान में कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष ने तत्काल प्रभाव से पार्टी पदाधिकारियों को विभिन्न राज्यों के लिए महासचिव एवं प्रभारी के तौर पर नई जिम्मेदारियां सौंपी हैं अथवा नियुक्त किया है।

पार्टी की ओर से जारी संगठनात्मक सूची के अनुसार, सुखदेव भगत को छत्तीसगढ़ का नया प्रभारी नियुक्त किया गया है। डॉ. सिरिवेल्ला प्रसाद को महाराष्ट्र और पी.वी. मोहन को आंध्र प्रदेश का प्रभारी बनाया गया है। ये सभी नियुक्तियां पार्टी अध्यक्ष के अनुमोदन के बाद तत्काल प्रभाव से लागू हो गई हैं। ▶8पर

उरुग्वे में एवियन इन्फ्लूएंजा की दस्तक, एच5 वायरस मिलने पर हेल्थ इमरजेंसी घोषित

मोंटेवीडियो

उरुग्वे में घरेलू पोल्ट्री में अत्यधिक रोगजनक 5 एवियन इन्फ्लूएंजा वायरस मिलने के बाद सरकार ने देशभर में स्वास्थ्य आपातकाल घोषित कर दिया है। अधिकारियों ने संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए पोल्ट्री की आवाजाही पर सख्त प्रतिबंध लगाने के साथ पक्षियों से जुड़े मेलों, नीलामी और सार्वजनिक प्रदर्शनियों पर भी रोक लगा दी है।

तुर्किए की सरकारी समाचार एजेंसी अनाडोलू के मुताबिक पशुधन, कृषि और मत्स्य पालन मंत्रालय के तहत पशुधन सेवा महानिदेशालय ने दक्षिण-पश्चिमी कोलोनिया क्षेत्र में एवियन इन्फ्लूएंजा के संक्रमण की पुष्टि की। अधिकारियों के मुताबिक, इलाके में पक्षियों की मौत के बाद जांच शुरू की गई थी। शुरुआती रैपिड टेस्ट में संक्रमण की पुष्टि नहीं हुई, लेकिन बाद में सरकारी प्रयोगशाला की जांच में ॥5 वायरस की मौजूदगी सामने आई।

आपातकालीन आदेश के तहत प्रभावित क्षेत्र में प्रतिबंध लागू कर दिए गए हैं। बिना व्यावसायिक उद्देश्य के पाले जाने वाले पक्षियों की घरेलू आवाजाही पर रोक लगाई गई है। हालांकि, सरकारी पोल्ट्री निगरानी प्रणाली में पंजीकृत पक्षियों को कुछ परिस्थितियों में इस प्रतिबंध से छूट दी गई है।

वहीं, अधिकारियों ने घरों में खुले तौर पर घूमने वाले पक्षियों को बंद और ढकी हुई जगहों में रखने का निर्देश दिया है, ताकि उनका संपर्क जंगली पक्षियों से न हो। स्वास्थ्य अधिकारियों ने प्रभावित स्थान पर संक्रमित या संपर्क में आए पक्षियों को मारने और सुरक्षित तरीके से नष्ट करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके साथ ही संभावित रूप से दूषित स्थानों और सामग्री की व्यापक सफाई तथा कीटाणुशोधन किया जा रहा है। पोल्ट्री उत्पादकों को कड़े जैव-सुरक्षा उपाय अपनाने की सलाह दी गई है। इनमें बिना अनुमति लोगों और वाहनों की आवाजाही पर रोक, जंगली पक्षियों से पानी और चारे को सुरक्षित रखना तथा नियमित कीटाणुशोधन जैसे कदम शामिल हैं। उरुग्वे के अधिकारियों ने कहा है कि पोल्ट्री का मांस और अंडे खाने से आम तौर पर इंसानों के लिए स्वास्थ्य जोखिम नहीं है, बशर्ते उन्हें उचित तरीके से संभाला और पकाया जाए। हालांकि, कृषि और स्वास्थ्य टीमें उन लोगों की निगरानी कर रही हैं, जो संक्रमित पक्षियों के संपर्क में आए हैं। एवियन इन्फ्लूएंजा (एच5एन1) का एक अत्यधिक रोगजनक उपप्रकार है, जो मुख्य रूप से पक्षियों को संक्रमित करता है। संक्रमित पक्षियों के निकट संपर्क में आने पर यह मनुष्यों को भी संक्रमित कर सकता है। हालांकि, मनुष्य से मनुष्य में इसके लगातार प्रसार का प्रमाण नहीं मिला है। अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि वे बीमार या मृत पक्षियों को सीधे न छुएं और ऐसे मामलों की सूचना संबंधित स्वास्थ्य या पशु चिकित्सा अधिकारियों को दें।

न्यूज ब्रीफ

व्यापार घाटा घटाने के लिए भारत के साथ निर्यात बढ़ाएगी ढाका सरकार : वाणिज्य मंत्री मुक्तादिर

ढाका। बांग्लादेश सरकार भारत और चीन के साथ बढ़ते व्यापार घाटे को कम करने के लिए किसी एक देश पर केंद्रित रणनीति अपनाने के बजाय देश की कुल निर्यात क्षमता बढ़ाने पर जोर देगी। वाणिज्य मंत्री खांडकर अब्दुल मुक्तादिर ने संसद में यह जानकारी दी। बांग्लादेश की सरकारी समाचार एजेंसी बांग्लादेश संगबाद संस्था (बीएसएस) के मुताबिक, मंत्री ने जातीय संसद में प्रश्नोत्तर सत्र के दौरान विपक्षी जमात-ए-इस्लामी के सांसद एम. अब्दुल बातेन के पूरक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि भारत और चीन के साथ बांग्लादेश का व्यापार घाटा काफी बड़ा है, लेकिन इसे केवल किसी एक देश से जुड़ी समस्या के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, हमें किसी एक देश पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय अपनी कुल निर्यात क्षमता बढ़ाने की जरूरत है। मुक्तादिर ने बताया कि सरकार ने निर्यात बढ़ाने की संभावनाओं वाले कई क्षेत्रों की पहचान की है। इनमें चमड़ा, जूट, जहाज निर्माण, हल्का इंजीनियरिंग और सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्र शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इन क्षेत्रों में अनुकूल नीतियां बनाने और नए निवेश को आकर्षित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। साथ ही, ऐसे उद्योगों को भी विकसित करने की कोशिश हो रही है, जो अभी अपनी पूरी निर्यात क्षमता का इस्तेमाल नहीं कर पाए हैं। वाणिज्य मंत्री के अनुसार, बांग्लादेश और भारत के बीच द्विपक्षीय व्यापार का कुल मूल्य करीब 12.7 अरब अमेरिकी डालर है। इसमें बांग्लादेश भारत को लगभग 1.89 अरब डालर का सामान निर्यात करता है, जबकि भारत से होने वाला आयात इससे काफी अधिक है। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 में भारत के साथ बांग्लादेश का व्यापार घाटा पिछले वित्त वर्ष की तुलना में और बढ़ा है। मंत्री ने यह भी कहा कि भारत में बांग्लादेशी उत्पादों के निर्यात की अभी काफी संभावनाएं मौजूद हैं, लेकिन द्विपक्षीय व्यापार में भारतीय पक्ष की ओर से कुछ प्रतिबंध भी हैं।

पाकिस्तान में 100 साल पुराना मंदिर कर दिया ध्वस्त, बवाल हुआ तो सरकार ने कहा- बारिश की वजह से गिरा

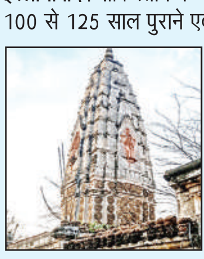

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में स्थित करीब 100 से 125 साल पुराने एक ऐतिहासिक हिंदू मंदिर के ध्वस्त होने को लेकर भारत और पाकिस्तान के बीच कूटनीतिक विवाद गहरा गया है। मंदिर के गिराए जाने की खबर सामने आने के बाद भारत ने इस घटना पर कड़ी चिंता व्यक्त की है और इसे अल्पसंख्यक समुदाय के धार्मिक स्थल के खिलाफ एक निंदनीय कार्रवाई बताया है। हालांकि, पाकिस्तान ने इन आरोपों को खारिज करते हुए इसे झूठा और राजनीतिक रूप से प्रेरित करार दिया है। स्थानीय लोगों और अल्पसंख्यक अधिकार संगठनों का दावा है कि नरोवाल के सिराज गांव में स्थित इस मंदिर को धार्मिक कट्टरपंथियों के एक समूह ने जानबूझकर गिराया। आरोप है कि मंदिर की जमीन पर कब्जा कर पास स्थित एक मदरसे का विस्तार करने की कोशिश की गई थी। दूसरी ओर, पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता सज्जाद हैदर खान ने इन आरोपों का खंडन करते हुए कहा कि मंदिर को किसी समूह ने जानबूझकर नष्ट नहीं किया, बल्कि 21 जुलाई को हुई मूसलाधार बारिश के कारण इमारत क्षतिग्रस्त हो गई थी। पाकिस्तान का कहना है कि स्थानीय अधिकारियों ने बारिश से हुए नुकसान का सर्वेक्षण किया है और मंदिर की बहाली के लिए आवश्यक कदम शुरू कर दिए गए हैं। भारत ने इस घटना पर अपनी गहरी चिंता व्यक्त करते हुए पाकिस्तान के नरोवाल स्थित ऐतिहासिक हिंदू मंदिर के नष्ट होने की खबरों पर तत्काल प्रतिक्रिया दी।

ट्रंप को झटका कांग्रेस का कार्यकाल दो हफ्ते घटाया

वाशिंगटन। अमेरिका की राजनीतिक गलियारों में इन दिनों उथल-पुथल जारी है, जहां मध्यावधि चुनावों की बढ़ती चिंताओं के कारण रिपब्लिकन पार्टी नेतृत्व ने प्रतिनिधि सभा (अमेरिकी कांग्रेस) के आखिरी दो हफ्तों के कार्यकाल को रद्द कर दिया है। इस फैसले के परिणामस्वरूप, सितंबर के लिए तय विधायी कैलेंडर काफी छोटा हो गया है, जिससे सांसदों को अपने-अपने गृह क्षेत्रों में लौटकर आगामी मध्यावधि चुनावों के लिए मतदाताओं से जुड़ने का अधिक समय मिल सके। यह निर्णय रिपब्लिकन सांसदों के उस दबाव के बाद आया है, जिसमें वे अपने चुनावी अभियानों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए वाशिंगटन छोड़ने की मांग कर रहे थे। इस घोषणा के बाद, सभी सांसद 17 सितंबर से अपने-अपने गृह जिलों में लौट जाएंगे और सीधे नवंबर में मध्यावधि चुनावों के बाद ही सदन में वापस आएंगे। हालांकि, यह भी कहा गया है कि यदि आवश्यकता पड़ी तो सदन को वापस बुलाया जा सकता है, लेकिन इसकी संभावना कम है। इस कदम को सीधे तौर पर ट्रंप प्रशासन के लिए झटका नहीं माना जा सकता, क्योंकि कांग्रेस के सत्र में न होने पर भी राष्ट्रपति फैसले ले सकते हैं।

नेपाल बाढ़ : दस दिन बाद भी रसुवागढ़ी हाइड्रोपावर में नहीं पहुंच पाई रेस्क्यू टीम, 93 कर्मचारी हैं संपर्कविहीन

काठमांडू

नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ को 10 दिन बीत चुके हैं, लेकिन सबसे ज्यादा प्रभावित रसुवा जिले में स्थित रसुवागढ़ी जलविद्युत परियोजना के पावरहाउस की सुरंग में फंसे कर्मचारियों तक अब तक रेस्क्यू टीम नहीं पहुंच सकी है। सुरंग के भीतर करीब 12 कर्मचारियों के फंसे होने की आशंका है, जबकि परियोजना में काम करने वाले 93 लोग अब भी संपर्कविहीन बताए जा रहे हैं।

परियोजना प्रबंधन के मुताबिक, बचाव अभियान के लिए जरूरी सभी उपकरण परियोजना स्थल तक नहीं पहुंचाए जा सके। रसुवागढ़ी हाइड्रोपावर कंपनी से संपर्कविहीन 93 कर्मचारियों की तलाश और बचाव अभियान लगातार जारी है।

कंपनी के अनुसार, संपर्क से बाहर लोगों में 51 नियमित कर्मचारी, एक संचालक, दो दैनिक मजदूर और तीन ठेकेदार कंपनियों के 39 कर्मचारी शामिल हैं। पावरहाउस की सुरंग में फंसे कर्मचारियों तक पहुंचने के लिए सबसे पहले सुरंग में जमा कीचड़ और मलबे को हटाना जरूरी है।

इसके लिए मिनी एक्स्कावेटर, 30 केवीए डीजल जनरेटर, सबमर्सिबल पंप और होज पाइप समेत आवश्यक उपकरण 2 अगस्त को ही नुवाकोट के मैथली आर्मी कैंप, बट्टार में पैक कर दिए गए थे। इन उपकरणों को धुन्चे के रास्ते परियोजना स्थल तक पहुंचाने की योजना थी।

नेपाली सेना की बचाव टीम ने जब पावरहाउस तक पहुंचने के लिए इलाके की रेकी की तो सामने आया कि पावरहाउस के पास नदी ने और अधिक कटाव कर दिया है। सेना के मुताबिक, भारी उपकरणों के साथ बड़े एमआई-17 हेलीकाप्टर को वहां उतारना संभव नहीं है।

इसके बाद कम क्षमता और कम वजन वाले जनरेटर की व्यवस्था की गई। मिनी एक्स्कावेटर और बड़े डीजल जनरेटर को छोड़कर बिजली से संबंधित अन्य उपकरण और जरूरी सामग्री धुन्चे तक पहुंचाई जा चुकी है, लेकिन ये सामान अभी भी धुन्चे में ही रखा हुआ है।

पावरहाउस के बाहर लापता लोगों की तलाश और बचाव के लिए कंपनी ने नेपाल नेशनल माउंटेन गाइड एसोसिएशन से जुड़े अनुभवी राक क्लाइंबरों की टीम

को भी अभियान में उतारा है।

कंपनी ने 3 अगस्त को हिमालय समिट क्लब प्राइवेट लिमिटेड के साथ समझौता किया था। इसके तहत राक क्लाइंबरों को घट्टेखोला कैंप और आसपास के ऊंचे इलाकों में चार दिनों के लिए ग्राउंड सर्च के लिए तैनात किया गया है।

कंपनी के अनुसार, टीम फिलहाल टिमुरे में है और उसे एक अन्य हेलीकाप्टर से घट्टेखोला ले जाकर तलाशी अभियान चलाने की योजना है।

कंपनी ने कर्मचारियों और संपर्कविहीन कर्मचारियों के परिवार एवं रिश्तेदारों को बचाव अभियान की स्थिति की नियमित जानकारी देने के लिए व्हाट्सऐप ग्रुप बनाया है। इस ग्रुप के जरिए तलाशी और बचाव अभियान के दौरान सामने आने वाली जानकारी तथा अब तक किए गए प्रयासों की जानकारी साझा की जा रही है।

कंपनी के संचालक भी नियमित रूप से कार्यालय में मौजूद रहकर परिजनों को स्थिति की जानकारी देने की व्यवस्था कर रहे हैं।

खोज और बचाव अभियान के लिए आवश्यक समन्वय के उद्देश्य से नुवाकोट के बट्टार में एक वरिष्ठ इंजीनियर समेत दो लोगों को तैनात किया गया है। वहीं, रसुवा के धुन्चे में दो इंजीनियरों को तैयार रखा गया है। पावरहाउस में बचाव दल को बिजली कनेक्शन से जुड़े कार्यों में मदद देने के लिए एक इलेक्ट्रिकल ओवरसियर भी तैनात है। कंपनी के मुताबिक, धुन्चे में नेपाली सेना की विशेष बचाव टीम भी मौसम अनुकूल होने का इंतजार कर रही है। मौसम साफ होते ही टीम जरूरी उपकरणों के साथ पावरहाउस पहुंचकर बचाव अभियान में शामिल होगी। बाढ़ के 10 दिन बाद भी सुरंग तक पहुंचने में आ रही बाधाओं ने रेस्क्यू आपरेशन को चुनौतीपूर्ण बना दिया है। अब सभी की नजर मौसम में सुधार और जरूरी भारी उपकरणों को परियोजना स्थल तक पहुंचाने पर है।

बोलीविया के सैन्य बेस में भीषण धमाका, करीब 10 लोगों की मौत और 62 घायल

ला पाज़

बोलीविया की राजधानी ला पाज़ से करीब 30 किलोमीटर दूर विआचा शहर में एक मिलिट्री बैरक में भीषण धमाका हो गया। हादसे में कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई, जबकि 62 लोग घायल बताए जा रहे हैं। स्थानीय अधिकारियों के मुताबिक, धमाका उस इलाके में हुआ जहां आतिशबाजी का सामान रखा गया था।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, धमाका रक्षा मंत्रालय के आतिशबाजी के स्टाक में आग लगने के बाद हुआ। हालांकि, आग लगने और धमाके की वास्तविक वजह का अभी पता नहीं चल सका है। विआचा की स्वास्थ्य निदेशक रीटा नेब्रास्का ने स्थानीय मीडिया को बताया कि घटना में मृतकों की संख्या 10 से 15 तक पहुंच सकती है। उन्होंने बताया कि हादसे में 62 लोग घायल हुए हैं। घायलों में से 14 लोगों को ला पाज़ के अस्पतालों में भेजा गया है।

इनमें एक लड़की भी शामिल है, जो थर्ड-डिग्री बर्न यानी गंभीर रूप से झुलस गई है। पुलिस के मुताबिक, हादसे में 50 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं और आसपास के दर्जनों घरों को भी नुकसान पहुंचा है। धमाके की तीव्रता इतनी ज्यादा थी कि कई घरों की खिड़कियां टूट गईं और कुछ इमारतों को ढांचागत नुकसान भी हुआ।

घटना के बाद मिलिट्री काम्प्लेक्स में एंबुलेंस, मेडिकल टीमें और पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया। राहतकर्मी घायलों को स्वास्थ्य केंद्रों तक पहुंचाने और इलाके में हुए नुकसान का जायजा लेने में जुटे रहे। स्वास्थ्य निदेशक रीटा नेब्रास्का के अनुसार, दमकलकर्मियों ने घटनास्थल पर अभी भी गर्मी का स्रोत मौजूद होने की चेतावनी दी है। इससे दोबारा धमाका होने का खतरा बना हुआ है। प्रशासन ने एहतियात के तौर पर स्थानीय लोगों से घटनास्थल से कम से कम 150 मीटर दूर रहने की अपील की है। सुरक्षा एजेंसियां स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं और धमाके के कारणों की जांच की जा रही है।

बोलीविया दक्षिण अमेरिका का एक स्थलरुद्ध देश है, जिसकी सीमाएं ब्राजील, पेरू, चिली, अर्जेंटीना और पैराग्वे से लगती हैं।

ईरानी तेल टैंकर पर अमेरिकी मिसाइल से हमला

तेहरान। फारस की खाड़ी में खार्ग द्वीप के पास एक छोटे ईरानी तेल टैंकर को अमेरिकी सेना की मिसाइल ने निशाना बनाया। फिलहाल, इस हमले में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। तुर्किए की सरकारी समाचार एजेंसी अनाडोलू और ईरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी तसनीम न्यूज़ के अनुसार, घटना खार्ग द्वीप से करीब छह नाटिकल मील दूर हुई। तसनीम ने स्थानीय सूत्रों के हवाले से बताया कि लंगर डाले हुए टैंकर पर अमेरिकी सेना की ओर से दागे गए करीब चार प्रोजेक्टाइल लगे। रिपोर्ट के मुताबिक, हमले के बाद टैंकर के क्रू मेंबर्स को जहाज से बाहर निकालने की प्रक्रिया शुरू की गई। स्थानीय सूत्रों ने दावा किया कि घटना में कोई जानमाल का नुकसान नहीं हुआ है। अधिकारियों की ओर से फिलहाल टैंकर को हुए नुकसान की सटीक जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है। संबंधित एजेंसियां घटना की परिस्थितियों और नुकसान की सीमा की जांच कर रही हैं। फिलहाल, अमेरिकी अधिकारियों की ओर से इस कथित मिसाइल हमले पर कोई आधिकारिक पुष्टि सामने नहीं आई है। इसलिए टैंकर पर हमले से जुड़ी जानकारी को फिलहाल ईरानी मीडिया और स्थानीय सूत्रों के दावे के रूप में देखा जा रहा है।

ट्रंप ने 9/11 की बरसी से पहले अल-कायदा से जुड़े लोगों पर से हटाया प्रतिबंध

वाशिंगटन

अमेरिका में 11 सितंबर 2001 के आतंकी हमलों की 25वीं बरसी की तैयारियों के बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के एक कथित फैसले को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका ने अल-कायदा से जुड़े कई लोगों को अपनी नामित आतंकवादियों की सूची से हटा दिया है।

ईरान सरकार की अंतरराष्ट्रीय समाचार नेटवर्क प्रेस टीवी

ने ग्रे ज़ोन' की रिपोर्ट के हवाले से बताया कि सूची से हटाए गए लोगों में सीरिया में अल-कायदा की शाखा से जुड़े कमांडर, रिक्रूटर और फाइनेंसर शामिल हैं। इनमें सऊदी धर्मगुरु अब्दुल्ला मुहयसिनी का नाम भी बताया गया है।

रिपोर्ट के अनुसार, मुहयसिनी ने सीरिया में लड़ाकों की भर्ती और कट्टरपंथी गतिविधियों में भूमिका निभाई थी। उसका नाम कथित तौर पर सीरिया के राष्ट्रपति अहमद अल-शरा (पूर्व में अबू मोहम्मद अल-जुलानी) के अनुरोध पर सूची से हटाया गया।

हालांकि, इस पूरे मामले से जुड़े दावों की स्वतंत्र पुष्टि आवश्यक है। अल-जुलानी का अतीत अल-कायदा की सीरियाई शाखा अल-नुसरा से जुड़ा रहा है। बाद में संगठन ने अपना नाम बदलकर हयात तहरीर अल-शाम (एचटीएस) कर लिया था।

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अबू सुलेमान अल-मुहाजिर, शफी सुल्तान मोहम्मद अल-

अजमी और अब्दुल समरेज़ जशारी समेत अन्य लोगों को भी अमेरिकी प्रतिबंध सूची से हटाया गया है।

अमेरिकी प्रशासन की ओर से इन सभी मामलों पर विस्तृत आधिकारिक स्पष्टीकरण सामने आने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि सूची से हटाने का आधार और उद्देश्य क्या था।

11 सितंबर 2001 को अमेरिका पर हुए आतंकी हमलों के बाद तत्कालीन राष्ट्रपति जार्ज डब्ल्यू. बुश प्रशासन ने अल-कायदा और तालिबान के खिलाफ सैन्य अभियान शुरू किया था। अमेरिका ने 7 अक्टूबर 2001 को अफगानिस्तान में सैन्य कार्रवाई शुरू की। बाद में अमेरिका की सैन्य गतिविधियां इराक और सीरिया तक फैल गईं, जहां इस्लामिक स्टेट यानी दाएश (आईएसआईएस) के खिलाफ भी अभियान चलाया गया। अल-कायदा से जुड़े बताए जा रहे लोगों पर प्रतिबंध हटाने की खबर ऐसे समय सामने आई है, जब अमेरिका 9/11 हमलों की 25वीं बरसी की ओर बढ़ रहा है। ऐसे में इस फैसले को लेकर सुरक्षा विशेषज्ञों और विश्लेषकों के बीच सवाल उठना स्वाभाविक है। हालांकि, प्रतिबंध सूची में किसी व्यक्ति का नाम हटना अपने आप में उसके खिलाफ लगाए गए सभी आरोपों के खत्म होने का प्रमाण नहीं होता। इस मामले में अमेरिकी सरकार की आधिकारिक जानकारी और संबंधित दस्तावेजों से ही अंतिम स्थिति स्पष्ट होगीा।

होर्मुज़ जलडमरूमध्य में सेना भेजने से दक्षिण कोरिया ने किया इनकार, कहा-समीक्षा जारी

सियोल

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति कार्यालय ने स्पष्ट किया कि होर्मुज़ जलडमरूमध्य में सैन्य बल भेजने को लेकर अभी कोई अंतिम फैसला नहीं लिया गया है। सरकार इस प्रस्ताव की व्यापक समीक्षा कर रही है और किसी भी निर्णय से पहले देश की रक्षा तैयारियों तथा कानूनी प्रक्रियाओं को ध्यान में रखा जाएगा।

दक्षिण कोरिया की सरकारी समाचार एजेंसी योनहाप के अनुसार, राष्ट्रपति कार्यालय के एक अधिकारी ने कहा कि यदि दक्षिण कोरिया होर्मुज़ में योगदान देने का फैसला करता है, तो वह जलडमरूमध्य में मुक्त और सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के अंतरराष्ट्रीय प्रयासों में सैन्य सहयोग कर सकता है। हालांकि, यह योगदान ऐसा होना चाहिए जिससे कोरियाई प्रायद्वीप पर दक्षिण कोरिया की रक्षा तैयारियों पर कोई प्रतिकूल प्रभाव न पड़े।

यह बयान उन मीडिया रिपोर्टों के बाद आया है, जिनमें दावा किया गया था कि दक्षिण कोरियाई सरकार होर्मुज़ जलडमरूमध्य में सैन्य बल भेजने की योजना पर संसद की मंजूरी लेने की तैयारी कर रही है। रिपोर्टों में काम्बैट सपोर्ट शिप समेत अन्य सैन्य संसाधनों की तैनाती की संभावना जताई गई थी।

अधिकारी ने स्पष्ट किया कि सरकार की बातचीत अभी संसद की मंजूरी लेने के चरण तक नहीं पहुंची है और तैनाती को लेकर कोई अंतिम निर्णय नहीं हुआ है।

राष्ट्रपति कार्यालय ने कहा कि होर्मुज़ में सैन्य योगदान का मतलब केवल लड़ाकू सैनिकों की तैनाती नहीं है। सरकार गैर-लड़ाकू बल, खोज एवं बचाव दल तथा अन्य संभावित विकल्पों पर भी विचार कर रही है।

अधिकारी ने कहा कि सैन्य तैनाती को सीधे युद्ध या लड़ाई से जोड़ना जरूरी नहीं है। दक्षिण कोरिया अपनी सुरक्षा स्थिति और उपलब्ध संसाधनों को ध्यान में रखते हुए विभिन्न विकल्पों की समीक्षा कर रहा है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से दक्षिण कोरिया पर होर्मुज़ जलडमरूमध्य में योगदान देने का दबाव बढ़ाया गया है। ट्रंप कई बार सियोल पर अमेरिकी अनुरोध को ठुकराने का आरोप लगा चुके हैं।

हालांकि, दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति कार्यालय ने उन अटकलों को खारिज किया कि होर्मुज़ में संभावित सैन्य तैनाती का मुद्दा सियोल और वाशिंगटन के बीच चल रही बातचीत में बड़ी बाधा बन गया है।

दक्षिण कोरिया और अमेरिका के बीच पिछले साल हुए बड़े टैरिफ समझौते के तहत आर्थिक और रक्षा संबंधी समझौतों को आगे बढ़ाने के लिए बातचीत जारी है। राष्ट्रपति कार्यालय के अधिकारी ने माना कि दोनों देशों के बीच बातचीत फिलहाल सुचारू रूप से आगे नहीं बढ़ रही है।

उन्होंने बताया कि बातचीत में सेमीकंडक्टर से जुड़े मुद्दे भी शामिल हैं। इसी बीच अमेरिकी वाणिज्य सचिव हावर्ड लटनिक ने इस सप्ताह की शुरुआत में कहा था कि ट्रंप प्रशासन सेमीकंडक्टर क्षेत्र के लिए एक विशेष और रणनीतिक टैरिफ नीति तैयार करने पर काम कर रहा है।

फिलहाल दक्षिण कोरिया का रुख यही है कि होर्मुज़ जलडमरूमध्य में किसी भी संभावित योगदान पर फैसला देश की सुरक्षा जरूरतों, कानूनी प्रक्रियाओं और रक्षा तैयारियों की समीक्षा के बाद ही लिया जाएगा।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज का दिन अगर बहतर बनाना हैं तो सुबह सूर्य नमस्कार से दिन की शुरुआत करें । मित्रों के साथ रिश्ते पहले से बेहतर बनेंगे. घर में किसी धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन करवा सकते हैं. संतान की खुशी बनी रहेगी. संतान को करियर में कोई बड़ी सफलता मिल सकती है. आपको किसी काम से अच्छा लाभ मिल सकता है. अगर आप नई नौकरी की तलाश में हैं, तो बड़े भाई-बहनों की मदद से आपको नौकरी मिल सकती है. आप दूसरों की खुशी के लिए हमेशा काम करने वाले रहेंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

नया कारोबार चालू करना लाभदायक रहेगा परन्तु महनत करनी पडेगी किन्तु आने वाले समय में आर्थिक लाभ रहेगा. अगर प्रेम-संबंध की बात हो तो परिजनों की सलाह लेने में संकोच न करें। पारिवारिक जीवन संतोषप्रद रहेगा. प्रेम विषयों की स्थिति गंभीर हो सकती है. वैवाहिक सम्बन्ध को आगे बढाने के लिए समय अनुकूल हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज सूर्य अष्टक का पाठ करके ही कार्य आरंभ करें दिल का भय दूर होगा इसलिए इससे परेशान ना हों और खुद को शांत रखें. व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी. भेंट व उपहार की प्राप्ति हो सकती है. सुख के साधन जुटेंगे. प्रसन्नता रहेगी. मित्रों और परिवारजनों का भी भरपूर सहयोग आज आपको मिलने वाला है. आज मित्रों से आपको मदद मिलने वाली है. पैतृक संपत्ति मिलने के आसार हैं. गाय को गेहूँ का भूसा खिलाए पारिवारिक माहौल सुखद रहेगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज सूर्य द्वादश नाम का जप करके सूर्य को प्रणाम करें आपको उचित समय की पहचान होगी. सही समय पर किया कार्य आपको सफलता दिला सकता है. परिवार में भी स्थिति ठीक बनी रहेगी. बच्चों की किसी जरूरत को पूरा करने के लिये आपको अधिक पैसे खर्च करने पड़ सकते हैं. आपका दोस्त आपको कोई काम करने के लिये कह सकता है. प्राइवेट नौकरी करने वालों को अपनी वाणी पर थोड़ा ध्यान रखने की जरूरत है. सीनियर से बात करते समय आपकी जुबान फिसल सकती है. गाय और नंदी की तन-मन-धन से सेवा करें ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज का दिन अच्छा हैं आमदनी बढेगी आय अच्छी रहेगी किन्तु बेकार के खर्चों पर अंकुश लगाना श्रेयकर रहेगा. आपको अपने करियर में चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है. अथक परिश्रम उपरांत आप स्थितियों पर काबू पा पायेंगे. भावनाओं को अपने निर्णयों को निर्धारित न करने दें, निष्पक्षता बनाये रखें. व्यावसायिक एवं आर्थिक सन्दर्भ में यात्रा आपको नवीन अवसर प्रदान कर सकती है. आज आप किसी पुराने परिचित से अचानक ही मिल सकते हैं. शरीर से सम्भव है तो सूर्यास्त के बाद दूध का आहार करें ।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपका पारिवारिक जीवन सुखी रहेगा. दिन आपके लिए बहुत ही लाभदायक है. जल्दबाजी में लेन-देन न करें. किसी छोटी सी भूल से हानि हो सकती है. अपरिचित व्यक्ति की बातों पर भरोसा न करें. कड़ी मेहनत और पर्याप्त कोशिश अच्छा फल देगी. संतान के प्रति भी चिंताएं कम होंगी. जो कार्य आप करने की योजना बना रहे थे आज उनमें गति आएगी. दोपहर के बाद आप बच्चों के साथ सैर सपाटे पर निकल जाए पूरा समय मनोरंजन मे बीतेगा ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आप अपने रोजगार में नई संभावनाओं को तलाश करने की कोशिश करेंगे. किसी काम के लिये कई दिनों से की जा रही मेहनत का फल आपको मिल सकता है. आपको अपने बच्चों से काम में सपोर्ट मिलेगा. आपको कोई भी मौका हाथ से नहीं गंवाना चाहिए. बदलते मौसम में आपको अपने ऊपर थोड़ा ध्यान देने की जरूरत है. बहतर स्वास्थ्य के लिए आप को आपको अपने खान-पान में भी बदलाव करना चाहिए. और सुबह शाम के समय टहलना भी चाहिए।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अपने कार्यक्षेत्र पर काम करने वाले व्यक्तियो कुछ साथ अपने सम्बन्ध अच्छे रखने होंगे । व्यर्थ की यात्राओं से बचने का प्रयास करें. हांलाकि आर्थिक रूप से समय को अनुकूल कहा जाएगा. फिर भी खर्चे पर नियंत्रण रखना श्रेयकर रहेगा. समय-समय पर परिजनों का सहयोग मिलता रहेगा. कार्य क्षेत्र पर आपके समक्ष कुछ समस्याएं आ सकती हैं अपने हाथ से गाय माता को गुड खिलाए ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आप की झूठ बोलने की आदत आप को हरेक समय अपने सहकर्मियों के बीच लज्जित करती हैं झूठ बोलने से बचें, और यह आपके प्रेम-संबंध को भी बिगाड़ सकता है. तनाव का तबियत पर ख़राब असर हो सकता है. धन संबंधी मामलों में बुद्धि व विवेक से फैसले लें. दिन चढ़ने पर वित्तीय तौर पर सुधार आएगा. बच्चे को रोमांचक समाचार ला सकते हैं. आज आप ख़रीदारी के लिए निकल सकते हैं, यह समय पैसे और वित्त संबंधी मामलों में अच्छा रहेगा कुछ पैसा अपने उज्जवल भविष्य के लिए जमीन मे निवेश करदे ।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज सूर्य की सात प्रदक्षिणा करके निकलना चाहिए आप कोई बड़ी बिजनेस डील करने जा रहे हैं, तो आपको बहुत ही सोच-समझकर फैसले करने की जरुरत है. आपको किसी अनुभवी व्यक्ति की मदद जरूर लेनी चाहिए. आज आपको किसी सरकारी काम को पूरा करने में परेशानी आ सकती है. आपका कोई कागज पूरा न होने पर काम अटक भी सकता है. जो छात्र उच्च शिक्षा में दाखिला लेने के लिये परीक्षाएं दे रहे हैं, उन्हें मन-मुताबिक परिणाम के लिये कड़ी मेहनत करनी चाहिए. आप को अपने दोस्तों के साथ बाहर घूमने-फिरने पर अधिक पैसा खर्च करने से बचना चाहिए ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

सुबह ओंकार का उच्चारण करके ध्यान करें । व्यवसायी संदर्भ में आज आप अच्छा महसूस कर सकते हैं कि आपके पास बहुत अधिक काम है. किन्तु उसे पूरा करने के लिए समय बहुत कम है. व्यावसायिक, आर्थिक और सामाजिक प्रतिबद्धता का आपके आदेशों पर एक मजबूत प्रभाव पड़ेगा. भाई-बहनों की सामाजिक स्थिति में अप्रत्याशित और अचानक वृद्धि होगी.दिन की कोई अप्रिय घटना आपके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है.आप प्रेमी के साथ कहीं घूमने पर जाने से बचना चाहिए।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज सूर्य को जल , सूर्य को नमस्कार सूर्य जप करने से शरीर मे जबरदस्त ऊर्जा और उत्साह रहेगा सकारात्मक परिणाम आंएगे और घरेलू तनाव दूर होने में मददगार मिलेगी कोई भी क़दम उठाने से पहले विशेषज्ञ की सलाह ज़रूर ले लें. अगर आप अपनी घरेलू ज़िम्मेदारियों को अनदेखा करेंगे, तो कुछ ऐसे लोग नाराज़ हो सकते हैं जो आपके साथ रहते हैं. पैसों के मामलों में सावधानी रखनी होगी. हल्का भोजन करें सेहत अनुकूल रहेगी ।

आज का पंचांग

दिनांक : 06 सितंबर 2026 , रविवार
विक्रम संवत : 2083
मास : भाद्रपद ,कृष्ण पक्ष
तिथि : दशमी रात्रि 07:31 तक
नक्षत्र : आर्द्रा रात्रि 07:53 तक
योग : सिद्धि प्रातः 09:44 तक
करण : वणिज 08:43 तक
चन्द्रराशि : मिथुन
सूर्योदय : 06:02 ,सूर्यास्त 06:25 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08, सूर्यास्त 06:27 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:01, सूर्यास्त 06:20 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:54, सूर्यास्त 06:16 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : भद्रा प्रातः 08:42 से रात्रि 07:29 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

संत-संगोष्ठी में राष्ट्र की अखंडता और हिंदुओं की सुरक्षा पर मंथन

स्वामी कमलेश दास आंध्र प्रदेश-तेलंगाना के महामंत्री नियुक्त

हैदराबाद, 05 सितम्बर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तिरुपति तिरुमला देवस्थानम के व्यासाश्रम में 27 अगस्त से 3 सितंबर तक सात दिवसीय संत-संगोष्ठी का भव्य आयोजन किया गया। संगोष्ठी में भारत के विभिन्न राज्यों से अनेक पंथ, मत, संप्रदाय एवं अखाड़ों के संत-महंत तथा संन्यासियों के प्रतिनिधि शामिल हुए। संगोष्ठी की अध्यक्षता अखिल भारतीय संत समिति के आंध्र प्रदेश एवं तेलंगाना प्रभारी राष्ट्रीय स्वामी श्री कमलेश दासजी महाराज ने की। संगोष्ठी में अनेक संतों ने मुखर होकर राष्ट्र की अखंडता एवं हिंदुओं की सुरक्षा के लिए संत समाज से आपसी मतभेद और भाषाभेद भुलाकर एकजुट होकर कार्य करने पर सहमति जताई। संतों ने कहा कि दक्षिण भारत के अनेक महान आचार्यों को उत्तर भारत आज भी अपना आदर्श मानता है और उनके पदचिह्नों पर चलकर स्वयं को धन्य मानता है।

संतों ने कहा कि दक्षिण से उत्तर तथा पूर्व से पश्चिम तक सभी संत यदि एकजुट होकर अपने-अपने कार्यक्षेत्रों में एक-दूसरे का सहयोग करेंगे, तो बहुत कम समय में भारत की अखंडता और हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है तथा हमारे मठ और मंदिर भी सुरक्षित रह पाएंगे।

दक्षिण-उत्तर समन्वय के लिए पुरोधा की आवश्यकता

संगोष्ठी में संतों ने कहा कि दक्षिण और पश्चिम का समन्वय करने के लिए ऐसे पुरोधा की आवश्यकता है, जिसमें धैर्य, त्याग, तपस्या एवं सनातन के प्रति गहरी आस्था हो। साथ ही वह दक्षिण और उत्तर की सभी भाषाओं का ज्ञान रखने वाला तथा शास्त्र ज्ञान से संपन्न हो। संतों ने कहा कि ऐसे योग्य व्यक्ति को यह महत्वपूर्ण प्रभार सौंपा जाना चाहिए।

इसी क्रम में अंतरराष्ट्रीय संत समिति के महामंत्री स्वामी जितेन्द्रानंदजी, अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष श्री राजेंद्रदासजी एवं महामंत्री श्री रवींद्रपुरी महाराज ने श्रद्धेय स्वामी श्री कमलेश दासजी महाराज को इस जिम्मेदारी के लिए पूर्ण रूप से योग्य समझते हुए उनका नाम पुरोधा के रूप में प्रस्तावित किया। सभी संतों ने उनके नाम का समर्थन किया। इसके बाद स्वामी श्री कमलेश दासजी महाराज को शॉल एवं माला पहनाकर सम्मानित किया गया तथा अंतरराष्ट्रीय संत समिति की ओर से आंध्र प्रदेश और तेलंगाना, दोनों राज्यों के महामंत्री पद पर नियुक्त किया गया।

संत समाज, जनजागरण और सनातन शंखनाद पर चिंतन

संगोष्ठी में संत समाज, जनजागरण एवं सनातन शंखनाद के विषय पर गहन चिंतन एवं मंथन किया गया। इस दिव्य एवं ऐतिहासिक संगोष्ठी में देश के कोने-कोने से 13 अखाड़ों के शीर्ष संत पधारे। इस ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बने संतों में 13 अखाड़ों के अध्यक्ष राजेंद्र दासजी महाराज, अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के महामंत्री रवींद्रपुरीजी महाराज, अंतरराष्ट्रीय संत समाज के महामंत्री स्वामी जितेन्द्रानंदजी महाराज, निरंजनी अखाड़ा के उपाध्यक्ष स्वामी राजेंद्र गिरीजी महाराज, राम जानकी मठ बिहार के उत्तराधिकारी स्वामी भवेशानंदजी महाराज, राम जानकी गौशाला के अध्यक्ष संदीप आचार्यजी महाराज, हिंदू ग्लोबल फाउंडेशन के अध्यक्ष चंद्र देवजी महाराज, उदासीन अखाड़ा के महामंडलेश्वर स्वामी कमलानंदजी महाराज, दिगंबर अखाड़ा के अध्यक्ष स्वामी राम लखन दासजी महाराज, महामंडलेश्वर कमलनाथजी महाराज, महामंडलेश्वर सुनील शास्त्रीजी महाराज, महामंडलेश्वर गिरधारीजी महाराज, महामंडलेश्वर पार्वती योगी माताजी, महामंडलेश्वर ऋषि कांतजी महाराज, तमिलनाडु गरुणानंद सरस्वती, दिगंबर अखाड़ा अध्यक्ष स्वामी राम लखन दासजी महाराज, मलयालम स्वामी मठ पीठाधीश्वर परिपूर्णानंद गिरीजी महाराज एवं उत्तराधिकारी असंग आनंदजी महाराज, अंतरराष्ट्रीय संत समिति के बंगाल प्रभारी कोलकाता ब्रह्म विद्यानंदजी महाराज, 100 साल की परंपरा वाले दूंगीजी मठ के उत्तराधिकारी स्वामी अरविंद जोशीजी महाराज, बिहार एंडोमेंट के अध्यक्ष रणधीर नंदन एवं उनके परिवार तथा जगतगुरु योगेश आचार्यजी महाराज सहित अनेक महामंडलेश्वर, जगतगुरु और पीठ परंपरा के संत उपस्थित रहे।

बंगाल की वर्तमान स्थिति पर जताई चिंता

संगोष्ठी में उपस्थित संतों ने राष्ट्र की अखंडता एवं हिंदुओं की सुरक्षा के लिए आपसी मतभेद भुलाकर एकजुट होकर कार्य करने पर सहमति जताई। संतों ने बंगाल की वर्तमान दुर्दशा पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि उत्तर, पूर्व और पश्चिम के सभी संत यदि एकजुट होकर अपने-अपने कार्यक्षेत्र में एक-दूसरे का सहयोग करेंगे, तो बहुत ही कम समय में भारत की अखंडता और हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है तथा हमारे मठ-मंदिर सुरक्षित रह पाएंगे।संगोष्ठी के अंत में उपस्थित सभी संतों का शॉल एवं माला पहनाकर सम्मान किया गया।

सेवा से जुड़ना सौभाग्य, जरूरतमंदों की सेवा सबसे बड़ा धर्म : मनीषा गुप्ता

हैदराबाद। हैदराबाद राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास केबीआर पार्क स्थित वाटर टैंक पर नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंदों को भोजन वितरित कर सेवा, सहयोग और मानवता का संदेश दिया गया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए मनीषा गुप्ता ने कहा कि हम सभी का सौभाग्य है कि राधे-राधे ग्रुप ने हमें सेवा कार्यों से जुड़ने का अवसर प्रदान किया। उन्होंने कहा कि जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध कराना केवल अन्नदान नहीं, बल्कि मानवता की सच्ची सेवा है। सेवा कार्यों से समाज में आपसी सहयोग, संवेदना और भाईचारे की भावना मजबूत होती है।मनीषा गुप्ता ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप द्वारा नियमित रूप से किए जा रहे अन्नदान जैसे सेवा कार्य समाज के लिए प्रेरणादायी हैं। जरूरतमंदों की सहायता के लिए प्रत्येक व्यक्ति को अपनी क्षमता के अनुसार योगदान देना चाहिए। किसी भूखे व्यक्ति को भोजन उपलब्ध कराने से जो आत्मिक संतोष मिलता है, वह अनमोल है।उन्होंने कहा कि सेवा का कार्य तभी सार्थक होता है जब उसमें निस्वार्थ भावना और निरंतरता हो। राधे-राधे ग्रुप इसी भावना के साथ नियमित रूप से विभिन्न स्थानों पर अन्नदान कर जरूरतमंदों तक भोजन पहुंचाने का कार्य कर रहा है।

कार्यक्रम में मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, भंवरलाल गुप्ता, संजय गुप्ता, हरीश तोलाराम हिंदुजा, अजय गुप्ता, मनीषा गुप्ता सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्यों ने उपस्थित होकर सेवा कार्य में सहयोग किया और जरूरतमंदों को भोजन वितरित किया।

राजस्थानी जागृति समिति द्वारा श्रीमद् भागवत कथा 1 अक्टूबर से

तैयारियों को लेकर विशेष बैठक आज

हैदराबाद, 05 सितम्बर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थानी जागृति समिति हैदराबाद के तत्वावधान में आगामी पितृपक्ष माह के अवसर पर सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया जाएगा। कथा का आयोजन गुरुवार, 1 अक्टूबर 2026 से बुधवार, 7 अक्टूबर 2026 तक प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से शाम 7 बजे तक साई बाबा मंदिर के प्रांगण, एन.एम. गुडा चौरस्ता, अतापुर, हैदराबाद में होगा। समिति अध्यक्ष श्रीनिवास सोमाणी ने एक विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि पितृपक्ष माह के अवसर पर आयोजित होने वाली श्रीमद् भागवत कथा की तैयारियों के संदर्भ में रविवार, 6 सितंबर को दोपहर 12:30 बजे साई बाबा मंदिर, एन.एम. गुडा चौरस्ता, अतापुर में बैठक आयोजित की जाएगी।

समिति के अनुसार पितृपक्ष के अवसर पर श्रीमद् भागवत कथा के आयोजन एवं श्रवण का विशेष धार्मिक महत्व माना जाता है। इससे पितृ दोष शांति, कुल का उद्धार, पूर्वजों का मोक्ष, घर में सुख-शांति एवं समृद्धि, संतान की उन्नति तथा जीवन के सभी कष्टों से मुक्ति की कामना की जाती है।

समिति ने बताया कि पितृपक्ष माह के पावन अवसर पर अनेक परिवारों के बुजुर्ग वर्षों से यह सोचते आ रहे हैं कि वे भी अपने परिवार के पितरों के मोक्ष के लिए श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन करें, लेकिन किसी न किसी कारण से ऐसा नहीं कर पाते और मन में यह इच्छा रह जाती है। इसी उद्देश्य से इस वर्ष कम खर्च में सभी के साथ अपने पितरों के मोक्ष की भावना से श्रीमद् भागवत कथा में सम्मिलित होने का अवसर दिया जा रहा है। इच्छुक श्रद्धालु बैठक में पहुंचकर अपना नाम लिखवा सकते हैं।

राजस्थानी जागृति समिति ने धार्मिक आस्था रखने वाली सभी संस्थाओं, संगठनों, सामाजिक संस्थाओं, महिला मंडलों, महिला संगठनों तथा सभी समाज के घटकों के बंधुओं को बैठक में आमंत्रित किया है। समिति ने कहा कि बैठक में सभी के सुझाव प्राप्त होने से श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन और अधिक सफल एवं व्यवस्थित रूप से किया जा सकेगा।श्रीमद् भागवत कथा के शुभारंभ अवसर पर कलश यात्रा निकाली जाएगी। समिति ने बताया कि जो महिलाएं एवं बहनें कलश धारण करना चाहती हैं, वे समिति अध्यक्ष श्रीनिवास सोमाणी अथवा कलश यात्रा संयोजक श्रीमती जमुना देवी लाठी के पास 200 रुपये देकर अपना नाम पंजीकृत करा सकती हैं।

22ए प्रतिबंधित जमीन की सूची रद्द करने की मांग

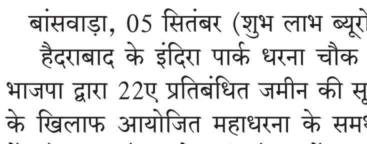

बांसवाड़ा, 05 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद के इंदिरा पार्क धरना चौक पर भाजपा द्वारा 22ए प्रतिबंधित जमीन की सूची के खिलाफ आयोजित महाधरना के समर्थन में बांसवाड़ा मंडल से बड़ी संख्या में भाजपा नेता व कार्यकर्ता रवाना हुए। कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस सरकार की नीतियों की आलोचना करते हुए बिना नोटिस निजी पट्टे की जमीन व मकानों को 22ए सूची में शामिल करने का आरोप लगाया। उन्होंने सरकार से 22ए सूची तत्काल रद्द करने तथा भूमि संबंधी अनियमितताओं पर श्वेतपत्र जारी करने की मांग की। इस दौरान भाजपा जिला महासचिव श्रीनिवास रेड्डी, जिला सचिव पय्याला शंकर गौड़, नसुलाबाद मंडल अध्यक्ष चंदूरी हनमंडलू, मल्लेला योगेश्वर, समाला नागराजू सहित बूथ अध्यक्ष एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

श्रावण मास के अंतिम शनिवार पर निकली हनुमान भक्तों की यात्रा

मदनूर, 5 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। शावण मास के अंतिम शनिवार के अवसर पर बजरंगबली के भक्तों द्वारा शनिवार सुबह धनुर स्थित हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना की गई। इसके बाद भक्त हाथों में भगवा पताका लेकर तथा मुंह से ङ्गजय श्रीरामफ और ङ्गबजरंगबली की जयफ के जयघोष करते हुए यात्रा पर निकले। भक्तों की यह यात्रा धनुर से प्रारंभ होकर कोड़चीरा, आवलगांव एवं मदनूर से होते हुए मीरझापुर स्थित हनुमान मंदिर पहुंची, जहां भक्तों ने हनुमानजी के दर्शन किए और पूजा-अर्चना की। इस दौरान मदनूर के नागरिकों ने भक्तों का शाल ओढ़ाकर स्वागत किया। पूरे मार्ग में जय श्रीराम एवं बजरंगबली के जयघोष से भक्तिमय वातावरण बना रहा।

अवैध पशु परिवहन पर टास्कफोर्स की बड़ी कार्रवाई, 57 पशु बरामद

मंचेरियाल, 05 सितम्बर (शुभ लाभ ब्यूरो)। रामागुंडम पुलिस कमिश्नर अंबर किशोर झा के निर्देश एवं टास्कफोर्स एसीपी श्रीनिवास राव के नेतृत्व में टास्कफोर्स/नारकोटिक टीम ने अवैध पशु परिवहन के खिलाफ विशेष अभियान चलाते हुए दो अलग-अलग कार्रवाइयों में 57 पशु बरामद कर 11 आरोपियों को हिरासत में लिया।

पहली कार्रवाई में मंदमरी टोल प्लाजा पर तीन महिंद्रा कैंपर वाहनों की जांच के दौरान 13 गाय और 17 बछड़े, कुल 30 पशु मिले। पुलिस ने 3 चालक एवं 4 सहायकों समेत 7 लोगों को हिरासत में लेकर 3 वाहन और 4 मोबाइल फोन जब्त किए।दूसरी कार्रवाई में तल्लागुरिजाल गांव में दो महिंद्रा कैंपर वाहनों की जांच के दौरान 20 गाय और 7 बछड़े, कुल 27 पशु बरामद किए गए। इस मामले में 2 चालक एवं 2 सहायकों समेत 4 लोगों को हिरासत में लिया गया तथा 2 वाहन और 2 मोबाइल फोन जब्त किए गए।

दोनों मामलों में पुलिस ने कुल 57 पशु, 5 महिंद्रा कैंपर वाहन और 6 मोबाइल फोन जब्त किए हैं। आरोपियों के खिलाफ संबंधित थानों में मामले दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। जब्त पशुओं, वाहनों एवं मोबाइल फोन को आगे की कार्रवाई के लिए संबंधित थाना एसएचओ को सौंप दिया गया।

श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर में गूंजे भक्ति के स्वर, भव्य भजन संध्या आयोजित

मंचिर्याल, 05 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री कृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर मंचिर्याल स्थित श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर में भव्य भजन संध्या एवं भक्ति कार्यक्रम श्रद्धा और उत्साह के साथ आयोजित किया गया। मंदिर प्रांगण को रंग-बिरंगी रोशनी, फूलों और आकर्षक झांकियों से सजाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्री लक्ष्मी नारायण एवं बाल गोपाल के विशेष पूजन और अभिषेक से हुआ। इसके बाद स्थानीय रामदेव कीर्तन मंडल के भजन गायक द्वारकादास इन्नानी, अनिल पारीक, सागर शर्मा, गोपाल रिणवा, विकास एवं मुकेश ने मधुर भजनों की प्रस्तुतियां दीं। ङ्गगोविंद बोलो, हरि गोपाल बोलोफ, ङ्गअच्युतम केशवमफ और ङ्गनंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल कीफ जैसे भजनों पर श्रद्धालु भाव-विभोर होकर झूम उठे।

मध्यरात्रि में भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव के साथ महाआरती की गई। इसके बाद श्रद्धालुओं को माखन-मिश्री एवं महाप्रसाद वितरित किया गया। मारवाड़ी प्रगति समाज के अध्यक्ष श्याम सुंदर बलदवा, सचिव प्रेमराज अग्रवाल एवं कोषाध्यक्ष ओम तिवारी ने आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी शहरवासियों एवं श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों ने भाग लेकर धर्मलाभ प्राप्त किया।

मंचेरियाल में कांग्रेस का विशाल जश्न, 1000 से अधिक निकली बाइक रैली

मंचेरियाल, 05 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना में मुख्यमंत्री अनुमुला रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार के 1000 दिन पूरे होने के अवसर पर मंचिरियाल विधानसभा क्षेत्र में भव्य बाइक रैली आयोजित की गई। विधायक कोक्किराला प्रेमसागर राव की अगुवाई में निकली रैली में 1000 से अधिक बाइक सवारों ने भाग लिया।

रैली विधायक के निवास से शुरू होकर बेलमपल्ली चौराहा, वेंकटेश्वर टॉकीज एवं आईबी चौराहा होते हुए सीसीसी कॉर्नर पहुंची। विधायक प्रेमसागर राव एवं पूर्व जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष कोक्किराला सुरेखा ने कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ाया। रैली में मेयर धरणी मधुकर, नगर कांग्रेस अध्यक्ष व पार्षद तूमुला नरेश, मार्केट कमेटी अध्यक्ष रामगिरि बानेश सहित अनेक जनप्रतिनिधि, युवा कांग्रेस, एनएसयूआई पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए।

विधायक प्रेमसागर राव ने कहा कि रेवंत रेड्डी सरकार के 1000 दिन जनता के कल्याण, विकास और पारदर्शी शासन के लिए समर्पित रहे हैं तथा सरकार आगे भी जनहित के लिए प्रतिबद्ध रहेगी।

क्या आप जानते हैं जनेऊ पहनने के इन पांच फायदो के बारे में

जनेऊ पहनने वाला व्यक्ति हर वक्त नियमों से बंधा हुआ होता है। वह मल-मूत्र विसर्जन के पश्चात अपनी जनेऊ उतार नहीं सकता। आज के जमाने में लडके इसे पहनना पसंद नहीं करते क्योंकि उन्हें लगता है कि यह उनके फैशन में बाधा डालता है।

आपने देखा होगा कि बहुत से लोग जनेऊ पहने हुए होते हैं। यह तीन धागों वाला एक सूत्र होता है जो लडके के दस से बारह वर्ष की आयु हो जाने के बाद उसे पहनाया जाता है। जनेऊ पहनने वाला व्यक्ति हर वक्त नियमों से बंधा हुआ होता है। वह मल-मूत्र विसर्जन के पश्चात अपनी जनेऊ उतार नहीं सकता। आज के जमाने में लडके इसे पहनना पसंद नहीं करते क्योंकि उन्हें लगता है कि यह उनके फैशन में बाधा डालता है। लेकिन इसे पहनने से हमारे शरीर को कई बडे फायदे होते हैं। वैज्ञानिक दृष्टि से जनेऊ पहनना बहुत ही लाभदायक है। यह केवल धर्माज्ञा ही नहीं, बल्कि आरोग्य का पोषक भी है, अत: इसको सदैव धारण करना चाहिए।

क्या है हिंदू धर्म जनेऊ पहनने का महत्व

चिकित्सकों अनुसार यह जनेऊ के हदय के पास से गुजरने से यह हृदय रोग की संभावना को कम करता है, क्योंकि इससे रक्त संचार सुचारू रूप से संचालित होने लगता है। ऐसे ही अनेको और भी बडे फायदे हैं जनेऊ धारण करने के जिसके बारे में आज हम आपको बताने जा रहे हैं, तो जरा ध्यान दें।

आइये जानें, क्या फायदे हैं जनेऊ पहनने के

यह बीमारियों से बचाता है

इसे पहनने वाले व्यक्ति को साफसफाई का काफी ध्यान रखना पडता है। अगर वह मल-मूत्र त्यागने गया है तो उसे जनेऊ को अपने कानों पर टांगना होगा और फिर हाथ पैर धो कर कुल्ला कर के ही जनेऊ को कानों से उतारता है। यह सफाई उसे दांत, मुंह, पेट, कृमि, जीवाणुओं के रोगों से बचाती है।

रक्त संचार बनें सुचारू

चिकित्सकों अनुसार यह जनेऊ के हदय के पास से गुजरने से यह हदय रोग की संभावना को कम करता है, क्योंकि इससे रक्त संचार सुचारू रूप से संचालित होने लगता है।

कान पर बांधने के फायदे

जब जनेऊ को कान पर बांधा जाता है, तो उससे स्मरण शक्ति बढती है। इसके अलावा ऐसा करने से कान के अंदर की नसें दबती हैं, जिनका संबंध सीधे आंतों से होता है।

नसों पर दबाव पडने से कब्जी की शिकायत नहीं होती और पेट अच्छे से साफहो जाता है।

बुरे कार्यो से बचाए

जनेऊ से पवित्रता का अहसास होता है। यह मन को बुरे कार्यों से बचाती है। कंधे पर जनेऊ है, इसका मात्र अहसास होने से ही मनुष्य भ्रष्टाचार से दूर रहने लगता है।

शुक्राणुओं की रक्षा होती है

जनेऊ को जब कान में लपेट जाता है तब कान की एक और नस दबती है, जिसका सीधा संबंध अंडकोष और गुप्तेंद्रियों से होता है। ऐसे में शुक्राणुओं की रक्षा होती है।

धर्म क्या है, क्या हम सब सही रूपों में इसे समझ पाए हैं

धर्म किसी एक या अधिक परलौकिक शक्ति में विश्वास और उसके साथ जुडी रिति, रिवाज, परम्परा, पूजा-पद्धति और दर्शन का समूह है। जिंदगी में हमें जो धारण करना चाहिए, वही धर्म है। नैतिक मूल्यों का आचरण ही धर्म है।

धर्म वह पवित्र अनुष्ठान है जिससे चेतना का शुद्धिकरण होता है। धर्म वह तत्व है जिसके आचरण से व्यक्ति अपने जीवन को चरितार्थ कर पाता है। यह मनुष्य में मानवीय गुणों के विकास की प्रभावना है, सार्वभौम चेतना का सत्संकल्प है। मध्ययुग में विकसित धर्म एवं दर्शन के परम्परागत स्वरूप एवं धारणाओं के प्रति आज के व्यक्ति की आस्था कम होती जा रही है। मध्ययुगीन धर्म एवं दर्शन के प्रमुख प्रतिमान थे- स्वर्ग की कल्पना, सृष्टि एवं जीवों के कर्ता रूप में ईश्वर की कल्पना, वर्तमान जीवन की निरर्थकता का बोध, अपने देश एवं काल की माया एवं प्रपंचों से परिपूर्ण अवधारणा।

उस युग में व्यक्ति का ध्यान अपने श्रेष्ठ आचरण, श्रम एवं पुरुषार्थ द्वारा अपने वर्तमान जीवन की समस्याओं का समाधान करने की ओर कम था, अपने आराध्य की स्तुति एवं जय गान करने में अधिक था। धर्म के व्याख्याताओं ने संसार के प्रत्येक क्रियाकलाप को ईश्वर की इच्छा माना तथा मनुष्य को ईश्वर के हाथों की कठपुतली के रूप में स्वीकार किया। दार्शनिकों ने व्यक्ति के वर्तमान जीवन की विपन्नता का हेतु कर्म-सिद्धान्त के सूत्र में प्रतिपादित किया। इसकी परिणति मध्ययुग में यह हुई कि वर्तमान की सारी मुसीबतों का कारण भाग्य अथवा ईश्वर की मर्जी को मान लिया गया। आज के युग ने यह चेतना प्रदान की है कि विकास का रास्ता हमें स्वयं बनाना है। किसी समाज या देश की समस्याओं का समाधान कर्म-कौशल, व्यवस्था-परिवर्तन, वैज्ञानिक तथा तकनीकी विकास, परिश्रम तथा निष्ठा से सम्भव है। आज के मनुष्य की रुचि अपने वर्तमान जीवन को सँवारने में अधिक है। उसका ध्यान भविष्योन्मुखी न होकर वर्तमान में है। वह दिव्यताओं को अपनी ही धरती पर उतार लाने के प्रयास में लगा हुआ है।

इस सत्य में छुपा है भगवान शिव की खंडित मूर्ति पूजा करने का रहस्य

शिव को सभी देवताओं में सबसे विशेष दर्जा दिया गया है क्योंकि सांसरिक मोह-माया से दूर शिव अपने तप में लीन रहते है। वे अपने उत्तरदायित्वों का निर्वाह करते हैं। इसके अलावा शिव को भौतिक नियमों से कोई सरोकार नहीं है।

हिंदू धर्म की मान्यता अनुसार किसी मूर्ति के खंडित होते ही उसे विसर्जित करने या किसी वटवृक्ष के पास रखा जाता है। ऐसा करने के पीछे सभी लोगों के अपने-अपने तर्क है। जहां एक ओर कुछ लोगों का मानना है कि भगवान की प्रतिमा में प्राण होते हैं इसलिए उनकी प्रतिमा टूट जाने पर उन्हें भी किसी भक्त की भांति ही पीडा होती है। दूसरी ओर कुछ लोगों का तर्क है कि यदि हमारे शरीर के किसी अंग में चोट लग जाए तो हम उस चोट को यूं ही नहीं छोड देते बल्कि उसका उपचार करवाते हैं तो भला भगवान की प्रतिमा को खंडित होने पर उन पर बिना कोई ध्यान दिए मंदिर में कैसे रख सकते है। हम में से कई लोग मूर्ति और प्रतिमा को एक समान ही समझते हैं। दोनों के अर्थ में कोई अधिक अंतर नहीं है लेकिन भगवान की मूरत को प्रतिमा कहा जाता है, क्योंकि लोगों को विश्वास होता है कि भगवान की मूर्ति सजीव होती है। जबकि किसी कला, जीव आदि की बनाई हुई छवि को मूर्ति कहा जाता है। लेकिन आधुनिक जीवनशैली में भगवान की मूरत को मूर्ति ही कहा जाता है। अब बात करें खंडित चीजों की तो, इनमें एक प्रकार की नकारात्मक ऊर्जा होती है। लेकिन इन सभी तर्कों से परे भगवान शिव एक ऐसे देवता हैं जिनकी खंडित मूर्ति की भी पूजा होती है।

इसलिए होती है शिव की खंडित मूर्ति की पूजा

शिव को सभी देवताओं में सबसे विशेष दर्जा दिया गया है क्योंकि सांसरिक मोह-माया से दूर शिव अपने तप में लीन रहते है। वे अपने उत्तरदायित्वों का निर्वाह करते हैं। इसके अलावा शिव को भौतिक नियमों से कोई सरोकार नहीं है। उनके लिए हर चीज की परिभाषा अलग है। शिव को निरंकारी माना जाता है। यानि शिव को वास्तव में किसी ने नहीं देखा है। तस्वीरों और मूर्तियों में उनका जो रूप दिखाई पडता है वो भक्तों की कल्पना मात्र है। इस प्रकार जिसका कोई आकार, रंग, रूप आदि न हो उसे भला क्या क्षति हो सकती है। महादेव का न तो आदि है और न ही अंत। इस प्रकार शिव की मूर्ति कितनी भी खंडित क्यों न हो जाए हमेशा पूज्यनीय होती है। साथ ही शास्त्रों के अनुसार शिवलिंग का पूजन किसी भी दिशा से किया जा सकता है लेकिन पूजन करते वक्त भक्त का मुख उत्तर दिशा होना सर्वश्रेष्ठ माना जाता है।

आइये जाने, हनुमानजी को खुश करके उनकी विशेष कृपा पाने के कुछ नियम

जब कोई भक्त हनुमानजी को सच्चे मन से समर्प्रित होकर याद करता है तब आसानी से हनुमानजी उस पर प्रसन्न हो जाते है । हम जानते है की वो राम के परम भक्त है और खुद वानर है अत: प्रभु राम की भक्ति और वानरों को गुड चन्ने और केले का प्रसाद खिलाना , अचूक उपाय है हनुमान जी को खुश करने का इसके अलावा हनुमान जी को सिंदूर लगाना भी सबसे प्रिय पूजा के भागो में से एक है। श्री हनुमान पूजा हनुमान जी अपने माँ पिता के बडे लाडले थे अत: माँ अंजना और पिता केसरी के जयकारे से भी हनुमान प्रसन्न होते है।

आइये जाने हनुमानजी को खुश करके उनकी विशेष कृपा पाने के कुछ नियम और कार्य

हर मंगलवार को अगर हो सके तो श्री हनुमान की मूर्ति का मंदिर में जा कर दर्शन कर। सुबह जगने के बाद और रात्रि में सोने से पहले हनुमान चालीसा या हनुमान मंत्र का जाप करे। दिन में कम से कम एक बार हनुमान चालीसा पूर्ण ध्यान से पढे। हनुमान भक्त के लिए राम और माँ जानकी की भी पूजा प्रसन्नता दायक है। हो सके तो मंगलवार और शनिवार को हनुमान जी का व्रत करना चाहिए। हर मंगलवार या शनिवार को हनुमान मंदिर में बालाजी की लाल मूर्ति पर सिंदूर चढाना चाहिए फिर उन्हें गुड चन्ना या केले का प्रसाद चढा कर हो सके तो वानरों को यह प्रसाद खिलाना चाहिए।

जो लोग अज्ञानी हैं, उनमें ही अहंकार जन्म लेता है

प्रकृतेः क्रियमाणानि गुणैः कर्माणि सर्वशः।
अहङ्कारविमूढात्मा कर्ताहमिति मन्यते॥

अर्थ : संपूर्ण कर्म सब प्रकार से प्रकृति के गुणों द्वारा किए जाते हैं। फिर भी जिसका अंत:करण अहंकार से मोहित हो रहा है, ऐसा अज्ञानी 'मैं कर्ता हूं' यह मानता है।

भावार्थ : जो लोग अज्ञानी हैं, उनमें ही अहंकार जन्म लेता है। उन्हें इस बात का ज्ञान नहीं होता कि सभी कर्म प्रकृति द्वारा ही किए जाते हैं। अज्ञानियों को यह भ्रम हो जाता है कि कोई कार्य उन्होंने स्वयं किया है। मान लें कोई मूर्तिकार सुंदर मूर्ति गढता है और उसमें यह अहंकार हो जाता है कि इस मूर्ति को मैंने रचा है।

दरअसल, मूर्तिकार ने जो संवेदना और कल्पना उस मूर्ति में डाली, वह उसकी भीतरी प्रकृति की देन थी। उसने जिन हाथों से उसे बनाया या जिन वस्तुओं को उसने प्रयोग किया, वे सब प्रकृति की ही देन हैं। फिर यह अहंकार करना कि यह मेरा है, व्यर्थ है। जिस क्षण यह अहंकार व्यक्ति के अंदर आ जाता है, उसकी कर्म की गुणवत्ता घटती जाती है। वह उतना दत्तचित्त होकर कर्म नहीं कर पाता, जितना अहंकार रहित कर्म करने से होता है। अहंकार से व्यक्ति कर्म पर अपना अधिकार जमाने लगता है और जब वह कर्म उससे विमुख होता है, तो उसे पीडा पहुंचती है। इसलिए अहंकार रहित कर्म ही श्रेष्ठ है। मौन मन की शक्ति है।

यह ध्यान की ऊर्जा और सत्य का द्वार है। दैनिक जीवन में मौन के महत्व को पहचानने का प्रयास करें। सिर्फ श्वासों के आवागमन पर ही अपना ध्यान केंद्रित करें। मौन अवस्था में अपने जीवन का सिंहावलोकन कर ही अपने भविष्य का चिंतन करें।

वचन

हम वर्षों से व्यर्थ की बातें बोलते आए हैं। हमारे बोलने से न देश बदलता है और न समाज। यहां तक कि हमारी बातों का असर बगल में बैठे व्यक्ति पर भी लेश मात्र नहीं पडता है। फिर क्यों हम बोलकर निरंतर अपनी ऊर्जा खर्च करते रहते हैं। यदि जरूरत पडने पर बोला जाए, तो उसका दूरगामी प्रभाव होता है, पर ध्यान रहे कि जो भी बोलें, सकारात्मक बोलें।

कर्म

किसी क्षण में मिली जय-पराजय से विचलित हुए बिना हमें अपना कर्म करते रहना चाहिए। पराजय से ही हमारे मन में उत्कृष्ट विचार जन्म लेते हैं। यह हमें दृढनिश्चयी बनाता है और सफलता के रास्ते पर चलने के लिए प्रेरित करता है।

सलाह

अच्छी बॉडी के लिए जरूरी है स्ट्रेंथ ट्रेनिंग

स्ट्रेंथ ट्रेनिंग एक भारी एक्सरसाइज है। जिसकी शुरुआत करने से पहले वेट लिफ्टिंग के कुछ नियम जान लेना बहुत जरूरी होता है, जिससे इसका कोई दुष्परिणाम न हो। स्ट्रेंथ ट्रेनिंग एक्सरसाइज के पहले पूरी तैयारी जरूरी है, कम से कम शुरुआती दौर में हफ्ते में एक से तीन दिन मांसपेशियों की एक्सरसाइज जरूर करें। स्ट्रेंथ ट्रेनिंग में सबसे आसान विकल्प वेट मशीन से एक्सरसाइज और डंबल करना होता है। स्ट्रेंथ ट्रेनिंग की मदद से पेट सहित पूरे शरीर के फैट को कम कर मसल्स को मजबूत बनाया जा सकता है। स्ट्रेंथ ट्रेनिंग न केवल वजन घटाने में मदद करता है, बल्कि इसका इस्तेमाल वजन बढ़ाने के लिए भी कर सकते हैं। हालांकि स्ट्रेंथ ट्रेनिंग के दौरान बढ़ने वाला वजन आपके लिए फायदेमंद है, नुकसानदेह नहीं। लंबे समय तक फिट रहने के लिए स्ट्रेंथ ट्रेनिंग बहुत जरूरी है।

स्ट्रेंथ ट्रेनिंग से कैसे बढ़ता है वजन

मांसपेशियों के लिए स्ट्रेंथ ट्रेनिंग करने के दौरान मसल्स फाइबर में छोटे टीयर्स बनते हैं। इस प्रक्रिया के दौरान मांसपेशियों में अतिरिक्त कोशिकायें जुड़ती हैं जो भविष्य में फायदेमंद साबित होती हैं। स्ट्रेंथ ट्रेनिंग के दौरान समुचित आराम और पोषण आपकी मांसपेशियों के निर्माण में मदद करती है जिससे इसकी क्षमता में ब?ावा होता है। मांसपेशियों का वजन लोगों में यह भ्रम होता है कि स्ट्रेंथ ट्रेनिंग के दौरान मांसपेशियों का वजन बढ़ना शरीर में अतिरिक्त चर्बी के बढ़ने के बराबर होता है। जबकि यह सच नही है, इसके विपरीत यदि मांसपेशियों का एक पाउंड वसा के एक पाउंड से कम जगह लेता है। इस दौरान आपके शरीर का आकार और वजन दोनों बढ़ेगा।

कैसे करें स्ट्रेंथ ट्रेनिंग

शुरूआत में स्ट्रेंथ ट्रेनिंग ट्रेनर की देखरेख में ही करना चाहिए। क्योंकि स्ट्रेंथ ट्रेनिंग करने में जहां फायदा है वही खतरा भी है। क्यों कि इससे आपकी मसल्स खिंच सकती हैं और चोट भी लग सकती है। अगर चोट से बचना है तो आप पहले ठीक तरह से स्ट्रेंथ ट्रेनिंग करना सीखे। इसमें सभी मसल्स ग्रुप की अपनी अहमियत है, उन लोगों के लिए भी यह बहुत फायदेमंद है, जिनके घुटनों में अर्थराइटिस है।

स्ट्रेंथ ट्रेनिंग में क्या-क्या होता है

इसके लिए सबसे ज्यादा आसान विकल्प वेट मशीन से एक्सरसाइज और डंबल उठाने होते हैं। मशीन से आपको सही मूवमेंट सीखने को मिलती है। आपको सही मूवमेंट सीखने को मिलती है। मशीन को आप अपने कद के हिसाब से ही एडजस्ट करें। अगर मशीन को ठीक से एडजस्ट न किया गया हो। तो आप गलत मूवमेंट में कसरत करेंगे, इससे चोट लगने की संभावनाएं बढ़ेंगी। अगर आप बहुत ज्यादा वजन उठाते हैं तो आपकी कमर पर बुरा असर पड़ सकता है। शरीर के सभी हिस्से के लिए अलग-अलग स्ट्रेंथ ट्रेनिंग होती है। चेस्ट के लिए बेंच प्रेस, चेस्ट प्रेस मशीन, पुश अप्स, पेक डेक मशीन आदि। बैक के लिए सीटेड रो मशीन, बैक एक्सटेंनशन, पुलडाउन। बाइसेप्स के लिए बाइसेप्स कर्ल, हैमर्ल, कनसेन्ट्रेशन कर्ल। ट्राइसेप्स के लिए ट्राइसेप्स एक्सटेंशन, डिप्स, किकबैक्स। पेट के लिए क्रंच, रीवर्स क्रंच, ऑब्लिक ट्विस्ट, पेल्विक टिल्ट आदि होते हैं।

बढ़ते बच्चे के लिए जरूरी पोषक तत्व

बच्चों को बड़ों के मुकाबले खाने में पोषक तत्वों की जरूरत ज्यादा होती है। यह उनके बढ़ने की उम्र होती हैं, इस समय उनका शारीरिक विकास हो रहा होता है। बच्चे सारा दिन वे उछलकूद मचाते रहते हैं। इसलिए उनके उचित विकास के लिए पर्याप्त पोषक तत्वों की दरकार होती है। पोषक तत्व बच्चों को कुछ बीमारियों, जैसे- मोटापा और हड्डियों को कमजोर होने से बचाने में सहायता करते हैं। इससे बच्चा पूरी क्षमता के साथ विकास करता है। एक बढ़ते हुए बच्चे को ब्रेकफास्ट, लंच और डिनर के साथ-साथ बीच में स्नैक्स की जरूरत होती है।

आवश्यक पोषक तत्व

» **प्रोटीन**- प्रोटीन शरीर के उत्तकों को बनाने, रख-रखाव और मरम्मत करने में सहायता करता है। प्रोटीन की ज्यादा मात्रा दूध और डेयरी प्रोडक्ट, दालें, अंडे, मछली और मांस में होती है। प्रोटीन से भरपूर खाद्य पदार्थों की आवश्यकता विशेषकर तेजी से बढ़ रहे बच्चों को होती है। रोजना अपने बच्चे को प्रोटीन से भरपूर पदार्थ खिलाएं।

» **विटामिन और खनिज**- विटामिन और खनिज शरीर को स्वस्थ बनाता है, साथ ही शरीर के विकास में सहायता करता हैं। बच्चों के लिए आयरन और कैल्शियम बहुत आवश्यक हैं। बढ़ रहे बच्चे को अपनी हड्डियां और दांत मजबूत करने के लिए कैल्शियम की जरुरत होती है। दूध, दूध से बने पदार्थ और हरी पत्तेदार सब्जियां कैल्शियम का अच्छा स्त्रोत है। किशोर अवस्था में बच्चों की कैल्शियम की आवश्यकता की पूर्ति केवल खाने से ही पूरी नहीं होती, बल्कि कुछ अतिरिक्त कैल्शियम सप्लिमेंट की जरुरत भी होती है।

» **कार्बोहाइड्रेट और वसा**- बच्चों में शारीरिक विकास के लिए जिस ऊर्जा और कैलोरी की जरुरत होती है उसकी पूर्ति कार्बोहाइड्रेट से होती है। स्कूल जाने की उम्र में बच्चे तेजी से विकास करते हैं, जिससे उनको भूख ज्यादा लगती है।

» **आयरन**- आयरन खून बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण खनिज है। आयरन खून बनाने के अलावा ध्यान और एकाग्रता को सुधारने में सहायता करता है। मांस, अंडा, मछली, हरी पत्तेदार सब्जियां, आयरन के अच्छे स्त्रोत हैं। जब विटामिन सी से भरपूर भोजन हम करते हैं तो उस शाकाहारी खाने में आयरन की मात्रा ज्यादा होती है।

» **फल और सब्जियां**- फल और सब्जियों में विटामिन और खनिज की मात्रा ज्यादा होती है। विटामिन और खनिज स्वस्थ त्वचा, अच्छी ग्रोथ, विकास और संक्रमण से लड़ने के लिए आवश्यक हैं। सब्जियों में फाइबर भरपूर मात्रा में होता है, जिसमें विटामिन ए और सी और सूक्ष्म पोषक जैसे मैग्नीशियम और पोटेशियम पाया जाता है। सब्जियों में एंटीऑक्सीडेंट भी पाया जाता है। एंटीऑक्सीडेंट जो बच्चों के शरीर को बीमारियों से लड़ने की शक्ति देता है। साथ ही बड़ी उम्र में कैंसर और दिल की बीमारियों के खतरे को कम करता है। साबुत अनाज, मांस और डेयरी प्रोडेक्टस में विटामिन डी की प्रचुरता होती है। फलों में भी फाइबर की मात्रा, विटामिन ए और सी और पौटेशियम होता है। सब्जियों की तरह फलों में भी एंटीऑक्सीडेंट होता है।

» **अनाज**- आप जितना अनाज खाते हैं, उसमें कम से कम आधा अनाज दलिया, आटा, मक्का, ब्राउन चावल और गेहूं की रोटियां होनी चाहिए।

सुझाव

फैट बर्निंग टिप्स बढ़ाएं आपकी फिटनेस

शरीर पर जमा अतिरिक्त चर्बी न सिर्फ आपकी सुंदरता को कम करती है बल्कि सेहत पर भी बुरा असर डालती है। मोटापा कई बीमारियों की जड़ है। क्या आप भी मोटापे के कारण बीमारियों के खतरों से घिरे रहना चाहते हैं या फिर कुछ फैट बर्निंग टिप्स की मदद से अपनी चर्बी कम करके फिट शरीर पाना चाहेंगे। कुछ लोगों की पहली पसंद फिट रहना होती है। वहीं कुछ लोग एक्सारसाइज करने या शरीर की चर्बी कम करने को प्राथमिकता नहीं देते। जो लोग नियमित व्यायाम करते हैं उनके शरीर पर चर्बी कम रहती है और उनका वजन भी संतुलित रहता है। ऐसे लोग बीमारियों से दूर रहने के साथ ही स्वथ्य और तंदुरुस्त भी रहते हैं। इस लेख के जरिए हम आपको बता रहे हैं किस तरह आप भी आसान फैट बर्निंग टिप्स की मदद से स्लिम और आकर्षक लग सकते हैं। हजार पुशअप्स या क्रंचेज मार लेने या कड़ी मेहनत वाली एक्सरसाइज करने से ही आपकी चर्बी कम नहीं होती। चर्बी कम करने और शरीर को मजबूत बनाने के लिए आपको भोजन व एक्सरसाइज का चुनाव सोचसमझकर करना चाहिए। ऐसी एक्सरसाइज करें, जिससे शरीर के सभी हिस्सों की मांसपेशियों में गतिविधि हो। पेट की चर्बी कम करने के लिए कार्डियोवस्कुलर एक्सरसाइज फायदेमंद रहती हैं।

खाने का रखें खास खयाल

खाने में गेहूं की बजाय जौ और चने के आटे की रोटी का सेवन करें। जौ और चने के सेवन से आप अतिरिक्त कॉर्बोहाइड्रेट लेने से बचेंगे। इससे आपके शरीर में अतिरिक्त कैलोरी जमा नहीं होगी। नारियल पानी का सेवन करें, यह शरीर को स्फूर्ति देता है और इसमें कैलोरी कम होती है। शक्कर कम मात्रा में लें, ग्लूकोज और कार्बोहाइड्रेट की जगह प्रोटीन ज्यादा से ज्यादा से मात्रा में लें। विटामिन सी युक्त आहार लें, इससे शरीर में कोर्टिसोल नियंत्रित रहेगा। विटामिन सी वाले पदार्थों में कार्निटाइन नामक तत्व होता है जो शरीर की अतिरिक्त फैट को बर्न करता है। संतरे, शिमला मिर्च, टमाटर और नींबू आदि साइट्रस फलों में विटामिन सी भरपूर मात्रा में होता है। अपने खाने में हरी सब्जियों, मेवे और लीन मीट को शामिल कीजिये।

फायदेमंद एक्सरसाइज

कार्डियो वर्कआउट्स फैट घटाने के लिए बेहतर विकल्प हैं। 500 क्रंच करने की बजाय ऐसे व्यायाम करें जिनसे ज्यादा मात्रा में फैट बर्न होता है। विंडमिल, टर्किश सिटअप्स और रस्सी कूदना आदि करें। एरोबिक एक्सरसाइज भी खुद को फिट रखने का बेहतर विकल्प है। हालांकि एरोबिक्स से वजन पर काबू पाना थोड़ा मुश्किल है। इससे शरीर लचीला और मजबूत बनता है। जिम जाने के साथ ही दिनभर में ऐसे काम भी कीजिये जिससे आप एक्टिव रहें। आप चाहे तो शाम के समय पार्क में जाकर दोस्तों या छोटे बच्चों के साथ खेल सकते हैं।

बेहतर होगा कि केवल एरोबिक्स करने के बजाय इसको अलग-अलग एक्सरसाइज के कांबिनेशन में करें। बहुत हेवी और स्ट्रेंथ ट्रेनिंग एक्सरसाइज वजन घटाने का सही तरीका नहीं हैं। इनकी मदद से आप मसल्स बना सकते हैं, शरीर को मजबूत कर सकते हैं लेकिन ज्यादा वजन नहीं घटा सकते। बेहतर तरीका है कि आप कार्डियो एक्सरसाइज के साथ इनका कांबिनेशन बनाएं।

उपरोक्त टिप्स अपनाकर आप भी अपने शरीर से फैट को कम कर सकते हैं, साथ ही आप फिट रहेंगे।

नेचुरल माउथ फ्रेशनर से इस तरह रखें बच्चों का ख्याल

जिस तरह बड़ो को मुंह की दुर्गंध को दूर करने के लिए माउथ फ्रेशनर की जरुरत पड़ती है, उसी तरह बच्चों को भी इसकी जरुरत होती है। पर आप उन्हें ऐसा माउथ फ्रेशनर देना चाहते है जो उनके लिए पूरी तरह सुरक्षित हो। बाजार से मिलने माउथ फ्रेशनर में इस तरह के तत्व होते है जो बच्चों की सेहत पर बुरा असर डालते है। इसके कारण बच्चों को मुंह से संबंधित कई तरह की प्रॉब्लम आ जाती है। ऐसे में आप घर पर बने माफथ फरेशनर का इस्तेमाल कर सकते है। इसका स्वाद कड़वा न होने के कारण बच्चे इसे अराम से यूस कर लेंगे।

1. अनार का छिलका

अनार का छिलका एंटी-ऑक्सीडेंट और एंटी-बैक्टीरियल के गुणों से भरपूर होता है। इस माउथ फ्रेशनर को बनाने के लिए अनार के छिलके निकाल कर धूप में अच्छी तरह सूखा लें। सूखने के बाद इसका पाउडर बना कर पानी में दो चम्मच उबाल लें। उबालने के बाद इसे ठंडा होने पर इसे छान कर दें। इसका स्वाद मिठा होने के कारण बच्चें इसका इस्तेमाल अराम से कर लेंगे।

2. अदरक

बच्चों की मुंह की दुर्गंध दूर करने के लिए ये एक बेहतरीन माउथ फ्रेशनर है। अदरक को कद्दूकस करके इसमें नमक और काली मिर्च को मिलाएं। इस मिश्रण को कम से कम तीन-चार दिनों तक सूखाएं। सूखने के बाद इसके डिब्बे में रख लें। इस माफथ फ्रेशनर से मुंह के दुर्गंध के अलावा मुंह के किटाणु भी दूर हो जाते है।

3. पुदीना

पुदीने से तो कई तरह की बीमारियां दूर हो जाती है लेकिन ये एक बहुत ही अच्छा माफथ फ्रेशनर भी है। पुदीने के पत्तों को धूप में अच्छी तरह सूखा कर पीस लें। खाना खाने के बाद बच्चों को कुल्ली करवाएं। अगर बच्चे इसे करने से मना करते है तो आप उन्हें ये ऐसे भी दें सकते है।

4. सौंफ

अगर बच्चें इन माफथ फरेशनर का इस्तेमाल नहीं करना चाहते तो आप उन्हें सौंफ से बना माउथ फ्रेशनर भी करवा सकते है। इसके लिए सौंफ में हरा धनियां, आधा कप तिल और आधा कप इलायची कर अच्छी तरह भूनने के बाद पीस लें। इसमें थोड़ी सी शक्कर डाल दें इससे बच्चों को ये टेस्टी लगेगा।

बच्चों को सुसाइड के लिए उकसाता है यह गेम

पेरेंट्स ना बरतें लापरवाही

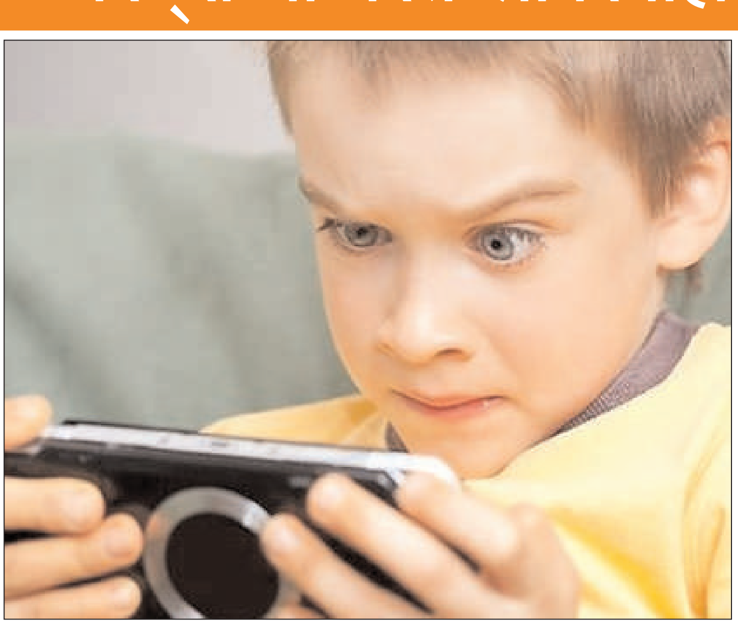

बच्चों से लेकर बड़ों तक ऐसा कोई नहीं जिसे गेम खेलना पसंद न हो। फ्री टाइम में चाहे घर पर हो या बाहर गेम खेलना बेस्ट टाइम पास माना जाता है। लेकिन देखा गया है कि बच्चे इन गेम्ज के ज्यादा आदी होते हैं। इसलिए माता-पिता को इस बात का खास ख्याल रखना चाहिए कि उनके बच्चे किसी ऐसे रास्ते पर न चले जाएं, जो उनके लिए जानलेवा हो सकता है। वर्किंग पेरेंट्स के लिए यह बात ज्यादा अहम हो जाती है, क्योंकि सारा दिन वह अपने बच्चे के साथ नहीं होते। ऐसे में उनका बच्चा क्या कर रहा है, इस बात की खबर उन्हें होनी चाहिए।

भारत में पहुंची दहशत

कुछ समय पहले पोकेमोन नाम की एक गेम काफी फेमस हुई थी, जिसने बड़ों से लेकर बच्चों तक पर अपना गहरा असर दिखाया था। सोते, उठते, जागते अधिकतर लोग इसी गेम को खेलने के आदी हो चुके थे। लेकिन अब एक ऐसी गेम चर्चा में है, जो बच्चों को सुसाइड के लिए उकसाती है। ब्लू व्हेल नाम की यह गेम अब तक दुनियाभर में करीब 250 से ज्यादा बच्चों की जान ले चुकी है। इसे 25 साल के फिलिप बुडेकिन ने साल 2013 में बनाया था। अब इस गेम की दहशत भारत में भी पहुंच चुकी है।

गेम से बाहर निकलना मुश्किल

यह गेम क्लोज्ड ग्रुप में खेला जाता है। फेसबुक, इंस्टाग्राम, ट्विटर, व्हाट्सएप जैसे साइट्स पर इंविटेशन के जरिए बच्चे इस गेम में शामिल होते हैं। इसमें 50 स्टेज को 50 दिनों में पूरा करना होता है। हर स्टेज पर यूजर को खुद को तकलीफ देते हुए एक तस्वीर ग्रुप पर भेजनी प?ती है। गेम की सबसे खतरनाक बात यह है कि जब भी बच्चे इस गेम से बाहर निकलने की कोशिश करते हैं तो गेम चलाने वाले आपके परिवार को नुकसान पहुंचाने की धमकी देते है। पुलिस की मानें तो माता-पिता को अपने बच्चों की तरफ खास ध्यान देना होगा, ताकि उन्हें इस खतरनाक गेम से बचाया जा सके।

शाकाहारियों के लिए डायट प्लान

शाकाहारियों के लिए डायट प्लान में सभी पोषक तत्व संतुलित मात्रा में होने चाहिये। इसे बनाते समय लिंग आयु और वजन के हिसाब से बनाना चाहिए। शाकाहारियों को हरी पत्तेदार सब्जियां और फलों का सेवन अधिक करें। प्रोटीन की जरूरतों को पूरा करने के लिए सोयाबीन, टोफू, सोया मिल्?क और टोंड अथवा डबल टोंड दूध लें। स्प्राउट्स, दालों आदि का सेवन करें। चपाती बनाने के लिए गेहूं के आटे में चना और सोया का आटा मिला लें।

रेसिपी

साबूदाने का चीला

सामग्री

1 कप साबूदाना, 2 बड़े आलू (उबले हुए), 2-3 हरी मिर्च (बारीक कटी हुई), 2 टे.स्पून बारीक कटा हरा धनिया, 1 टी स्पून जीरा, आधा कप मूंगफली भुनी हुई, 4-5 टी स्पून देसी घी, नमक स्वादानुसार।

विधि

साबूदाने को धोकर उस पर थोड़ा सा पानी छिड़क कर का 1 घंटे के लिए ढककर रख दें। भुनी हुई मूंगफली को कूट लें। साबूदाने को एक बाउल में डालकर उसमें उबले हुए आलू, हरी मिर्च, हरा धनिया, जीरा, नमक और कुटी हुई मूंगफली मिला दें। तवा गरम कर उसपर मिश्रण फैला दें। ऊपर से घी भी डाल दें, पलटकर दोनों तरफ से गोल्डन ब्राउन सेंक लें। हरी चटनी के साथ सर्व करें।

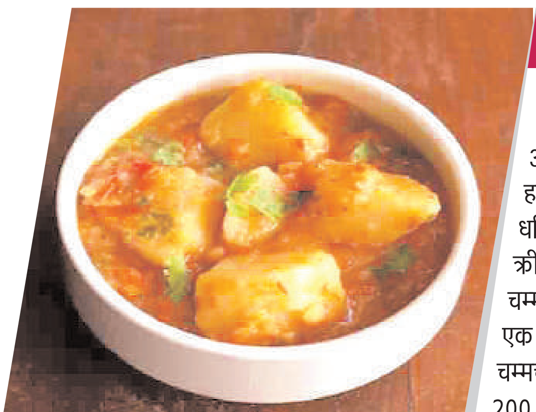

दही आलू टमाटर सब्जी

सामग्री

आलू- एक किलो, टमाटर- 100 ग्राम, हरी मिर्च- पांच, अदरक- डेढ़ इंच, हरी धनिया- डेढ़ बड़े चम्मच, दही- 100 ग्राम, क्रीम- 100 ग्राम, सिंघाड़े का आटा- दो बड़े चम्मच, सेंधा नमक- स्वादानुसार, जीरा- एक बड़ा चम्मच, गरम मसाला- डेढ़ बड़े चम्मच, लाल मिच- पांच साबुत, मक्खन- 200 ग्राम

विधि

आलू उबालकर फिर छीलकर इनके डेढ़ इंच चौकोर टुकड़े कर लें। टमाटर महीन काट लें। हरी मिर्च व अदरक काट लें। दही में एक चौथाई टी-कप पानी व सिंघाड़े का आटा मिलाकर फेंट लें। क्रीम छान लें। मक्खन गर्मकर साबुत लाल मिर्च, जीरा व हरी मिर्च का छौंक देकर आलू मिला दें। इसमें गरम मसाला, सेंधा नमक, टमाटर, दही, क्रीम व डेढ़ टी-कप पानी देकर उबाल आने तक करीब पांच मिनट पका लें। हरी धनिया व अदरक देकर उतार लें। स्वादिष्ट व पौष्टिक सब्जी सिंघाड़े के आटे से बनी पूड़ियों के साथ गरमागरम परोसें।

कुदरत का खूबसूरत अजूबा विक्टोरिया जलप्रपात

आकर्षक उद्यानों वाले पठार, ऊंची-ऊंची पर्वत श्रेणियां, रोमांचक वन्य जीवन, समुद्र जैसी विशाल झीलें और मनमोहक जलप्रपात, यह सब कुछ ऐसी विशेषताएं हैं जिनकी वजह से बार-बार अफ्रीका जाने को मन करता है। अफ्रीका की प्राकृतिक खूबसूरती में जो चीज सबसे अधिक हैरान करती है वह है भव्य विक्टोरिया जलप्रपात। इस जलप्रपात को कुदरत का खूबसूरत अजूबा ही कहा जा सकता है।

ऐसा अनुमान है कि प्रति मिनट जैंबेजी नदी का लगभग 55 लाख घन मीटर पानी घाटी में नीचे गिरता रहता है और इस घाटी के सामने के छोर से, जोकि नदी के तट जितना ही ऊंचा है, का आनंद आप ले सकते हैं। इस प्रपात को एक किनारे से दूसरे किनारे तक देखने के लिए आपको कार द्वारा या फिर पैदल पुल पार करके जिम्बाब्वे की सीमा में प्रवेश करना होगा। यह पुल जलप्रपात से 700 मीटर दक्षिण में स्थित है और इस पर खड़े होकर आप इसका पूरा नजारा देख सकते हैं।

विक्टोरिया जलप्रपात के आसपास लोग हजारों साल से रहते आ रहे हैं, लेकिन बाहरी दुनिया को प्रकृति के इस आश्चर्य से परिचित कराने का श्रेय एक स्काटिश मिशनरी डेविड लिविंग्सटन को जाता है। 1855 में एक छोटी सी नाव में बैठ कर वह यहां पहुंचा था। उसी ने उस समय की परंपरा के अनुसार इंग्लैंड की महारानी के नाम पर इसे विक्टोरिया जलप्रपात नाम दिया और उसके नाम पर इस शहर का नाम पड़ा लिविंग्सटन।

इस जलप्रपात का सबसे पुराना नाम शोंगवे था, जो इस क्षेत्र में बसे टोकलेया लोगों ने इसे दिया था। उसके बाद एंडेबेले लोग यहां आकर बसे और उन्होंने इसे बदल कर अमांजा थुंकुआयो कर दिया, जिसका अर्थ हुआ, धुएं में बदलता हुआ पानी। अंत में मकालोलो लोगों ने इसे एक नया नाम दिया मोस औ तुन्या, यानि गरजता हुआ धुआं। स्थानीय लोगों में आज भी यही नाम प्रचलित है। पिछले लगभग साढ़े पांच लाख वर्षों के दौरान यह जलप्रपात अपना स्थान बदलता रहा है। इस प्रक्रिया के दौरान नदी अब तक सात घाटियां पीछे छोड़ कर अपने वर्तमान स्थान पर पहुंची है। यहां आपको पानी तथा कीचड़ में अपने स्थूल शरीर को छिपाने का प्रयास करते हिप्पो भी देखने को मिल जाएंगे।

आसपास के वनों में आपको एक डाल से दूसरी डाल पर कूदते बंदर भी नजर आएंगे साथ ही अनेक प्रकार के पक्षियों का कलरव भी आपका मन मोह लेगा। यहां का विक्टोरिया राष्ट्रीय उद्यान हाथी, अफ्रीकी भैंस, शेर तथा अन्य वन्य पशुओं से भरा पड़ा है। नदी में बड़े-बड़े खतरनाक मगरमच्छ भी हैं इसलिए इसमें नहाना सुरक्षित नहीं है। यहां सूर्योदय तथा सूर्यास्त देखने का सबसे अच्छा समय अक्टूबर से दिसंबर के बीच ही होता है, उस समय नदी में पानी भी ज्यादा नहीं होता और आकाश भी साफ होता है। आधुनिक पर्यटकों के मनोरंजन के लिए यहां पैराशूटिंग और जैंबेजी पुल से बंजी जंपिंग जैसे रोमांचक खेलों की व्यवस्था है। मछली पकड़ने के शौकीनों के लिए कुछ विशेष नौकाएं भी यहां उपलब्ध हैं जो नदी के अंदर ले जाकर आपके इस शौक को पूरा करती हैं। विक्टोरिया जलप्रपात को देखने के बाद आप यह अवश्य ही महसूस करेंगे कि प्रकृति का इससे अधिक रोमांचक, नाटकीय, भव्य तथा विलक्षण रूप शायद ही कहीं अन्यत्र देखने को मिले।

क्या आप जानते हो

बहादुर बब्बर शेर

अगर यह प्रश्न पूछा जाए कि जंगल का राजा कौन है, तो शायद ही कोई ऐसा हो, जिसे मालून न हो कि शेर जंगल का राजा है। बहुत पुराने समय से उसे शक्ति और प्रभुत्व का प्रतीक माना जाता है। भारत ने भी उसे अपने राष्ट्रीय चिन्ह में स्थान दिया है। वह पशुओं में सबसे अधिक रोबीला और बहादुर है। बिल्ली जाति का वह एकमात्र पशु है, जिसके नर की गर्दन दर्शनीय अयाल से सुशोभित रहती है। शेर की शारीरिक गठन, बनावट और आदतें घरेलू बिल्ली के समान होती हैं।

एक समय था, जब शेर बब्बर उत्तरी भारत के अधिकांश मैदानी जंगलों में पाया जाता था, किंतु अब उनकी संख्या काफी कम हो गई है। अपनी निर्भीकता के कारण वह सरलता से मारा गया। भारत में उनके संरक्षण के लिए गिरनार में एक संरक्षित वन बनाया है जहां लगभग दो सौ शेर है।

भारतीय शेर की लंबाई 2.5 मीटर से 2.9 मीटर और वजन 200 से 250 किलोग्राम होता है। वह समाज प्रिय पशु है और झुंड बनाकर रहता है। एक झुंड में दो तीन शेर कुछ शेरनियां और बच्चे होते हैं। वे मिलकर शिकार करते हैं, जिसमें प्रमुख भाग शेरनियां लेती हैं। शिकार पर पहला अधिकार शेर का होता है, शेरनियां व बच्चे बाद में खाते हैं। तीन वर्ष से बड़े शेर अपना नया झुंड बनाते हैं। दिन के समय शेर किसी घनी झाड़ी में सोया रहता है, शाम होते ही उसे भोजन प्राप्त करने की चिंता होती है। प्राय: वह जलाशय को जाने वाले मार्ग के किनारे दुबककर बैठ जाता है।

जुगनू कैसे चमकते हैं ?

अंधेरी रातों में जुगनूओं को चमकते हुए तो आप सबने जरूर देखा होगा। यदि अंधेरा हो, तो जुगनू का बारी-बारी से चमकना और बंद होना रोमांचक और आर्कषक दिखता है। जुगनू लगातार नहीं चमकते, बल्कि एक निश्चित अंतराल में ही चमकते और बंद होते हैं। जुगनू के पेट में नीचे की ओर स्किन के ठीक नीचे कुछ हिस्सों में रोशनी पैदा करने वाले अंग होते हैं। इन अंगों में एक रसायन होता है। यह रसायन ऑक्सीजन के संपर्क में आकर रोशनी पैदा करता है। वहां एक और रसायन भी होता है, जो इस रोशनी पैदा करने की क्रिया को उकसाता है, हालांकि यह पदार्थ खुद क्रिया में भाग नहीं लेता है। पुराने जमाने में लोग रोशनी पैदा करने वाले कीटों को पकड़कर अपनी झोंपड़ियों में उजाले के लिए इस्तेमाल करते थे। ये लोग किसी छेद वाले बर्तन में जुगनूओं को पकड़ कर कैद कर लेते थे और रात को इन कीटों की रोशनी में अपना काम करते थे। दूसरे विश्व युद्ध में जापानी फौजी किसी संदेश या नक्शे को पढ़ने के लिए कीटों से निकलने वाली रोशनी की मदद लेते थे। जुगनूओं के अलावा और भी जीव हैं जो रोशनी पैदा करते हैं। कुछ बैक्टीरिया, कुछ मछलियां, कुछ किस्म के शैवाल, घोंघे और केकड़ों में भी रोशनी पैदा करने के गुण होते हैं। कुछ फफूंद भी चमकने की क्षमता रखती हैं और लगातार रोशनी पैदा कर कीटों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। कुकरमुत्ते की एक किस्म भी रात में बड़ी तेजी से चमकती है।

पृथ्वी जैसा एक ग्रह मौजूद है सौर मंडल में

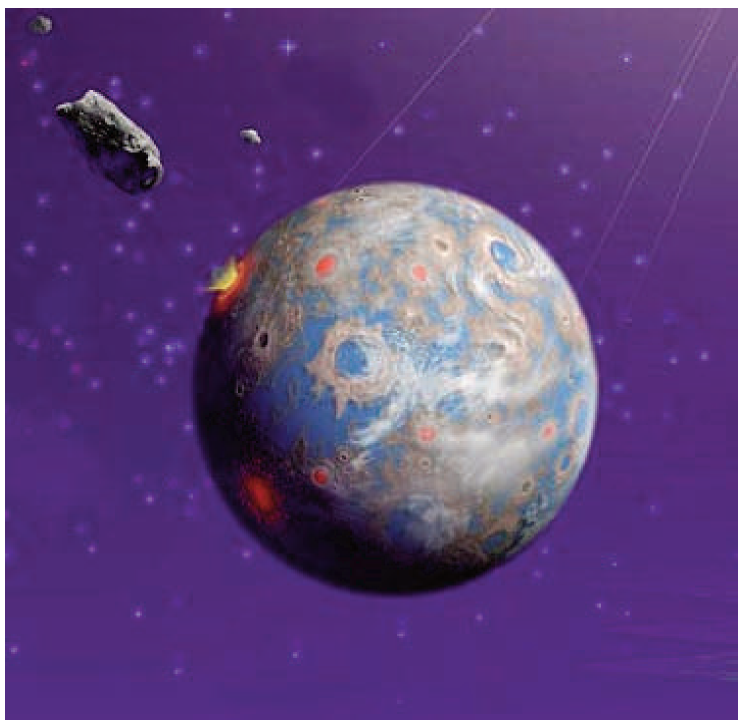

सौरमंडल में अनेक ग्रह, नक्षत्र उपस्थित हैं, इनके बारे में पता लगाने की लगातार कोशिशें चलती रही हैं। हाल ही में अमेरिका के वैज्ञानिकों ने पृथ्वी के सौरमंडल के बाहर पृथ्वी जैसे ही एक ग्रह की उपस्थिति का पता लगाया है जिसका आकार पृथ्वी जितना ही है। इस ग्रह का द्रव्यमान पृथ्वी के द्रव्यमान का 3 गुना है। वैज्ञानिकों का कहना है कि चूंकि इस ग्रह की बहुत सी विशेषताएं पृथ्वी से मिलती जुलती हैं; इसलिए इस पर जीवन की सम्भावनाओं से इंकार नहीं किया जा सकता।

वैज्ञानिकों ने 'गोल्डीलॉक्स जोन' नामक इस नए ग्रह में पानी होने की सम्भावना भी व्यक्त की है, उनका कहना है कि यह ग्रह जिस तारे की कक्षा में है उससे इसकी दूरी न तो बहुत कम ही है न ही बहुत ज्यादा इसलिए इस ग्रह पर पानी के तरल अवस्था में मौजूद होने की पूरी सम्भावना है। खोजे गए इस नए ग्रह की एक और विषेशता है जो हमारी पृथ्वी से मिलती-जुलती है वह ये कि वातावरण और गुरूत्व के लिए भी यह ग्रह न तो बहुत बड़ा है और न ही बहुत छोटा। पृथ्वी से 20 प्रकाशवर्ष दूर स्थित यह ग्रह 'ग्लीज 581' तारे की कक्षा में चक्कर लगा रहा है। सूर्य का चक्कर लगाने में इसे 37 दिनों का समय लगता है। इस ग्रह के एक भाग में अंधेरा है। इसके 'ग्रे' जोन में जीवन की सम्भावना है। खगोलविद स्टीवन का कहना है कि यदि खोजे गए इस नए ग्रह को अन्य वैज्ञानिकों द्वारा स्वीकृति मिल गई तो यह पृथ्वी से मिलता जुलता पहला ग्रह होगा।

नए ग्रह की यह खोज हवाई स्थित 'डब्ल्यूएम कैक ऑब्जरवेटरी' में किए 11 साल के अध्ययन का परिणाम है। इस नए ग्रह की खोज के साथ ही हमारे सौरमंडल के बाहर खोजे गए ग्रहों की संख्या 400 से भी अधिक हो गई है। गौरतलब है कि हाल ही में खगोलशास्त्रियों ने एक ऐसे आकाशीय पिंड की पहचान की थी जिसका आकार पृथ्वी से दोगुना था, किन्तु इस ग्रह का अपने तारे के बहुत निकट होने के कारण इस पर जीवन की संभावना नहीं की जा सकी। परन्तु अब इस नए ग्रह की खोज ने अवश्य ही हमारे अलग पृथ्वी बसाने की नई उम्मीदें जगा दी हैं।

नकली हीरा

एक दिन बादशाह अकबर के दरबार में एक हीरे का व्यापारी आया। उसने बादशाह के सामने सात हीरे रखे और कहा, 'हुजूर, ये दुनिया के सबसे महंगे हीरे हैं, लेकिन इनमें एक हीरा असली नहीं है, वो शक्कर से बना हुआ है। मैं सारी दुनिया घूम आया हूं, पर कोई भी व्यक्ति पहचान नहीं कर पाया है कि इनमें से नकली हीरा कौन-सा है। क्या आपके दरबार में ऐसा कोई बुद्धिमान व्यक्ति है जो शक्कर से बने हीरे को पहचान सकता हो?'

बादशाह ने तुरंत अपने दरबारियों को हुक्म दिया और उनसे मीठा हीरा पहचानने को कहा, लेकिन उनमें से कोई भी व्यक्ति मीठे हीरे को पहचान नहीं पाया। इस पर बादशाह ने बीरबल को बुलाया और उसे नकली हीरा ढूंढने को कहा। बीरबल ने हीरों को देखा और कहा, 'बादशाह सलामत, आप मुझे कल तक का समय दें, मैं इन हीरों में से नकली हीरे को पहचान सकता हूं।'

दूसरे दिन बीरबल जलेबी का एक टुकड़ा लिए दरबार में आया। जलेबी पर मक्खियां भिनभिना रही थीं। बीरबाल ने जलेबी का टुकड़ा खिड़की से बाहर फेंक दिया। बादशाह ने बीरबल को टोकते हुए कहा, 'यह क्या तमाशा है?'

बीरबल बोला, 'बस देखते जाइए। हुजूर मैं क्या करता हूं।' जलेबी बाहर फेंकते ही मक्खियां उड़कर शक्कर से बने हीरे पर जा बैठीं। बीरबल चिल्लाया, 'हजूर, यही है नकली मीठा हीरा।'

जौहरी ने कहा, 'सही हुजूर, यही है शक्कर से बना नकली हीरा। आप बहुत किस्मत वाले हैं कि आपके दरबार में बीरबल जैसा चतुर और बुद्धिमान मंत्री है। इसकी वजह से आप बड़ी से बड़ी समस्या तुरंत हल कर लेते हैं।'

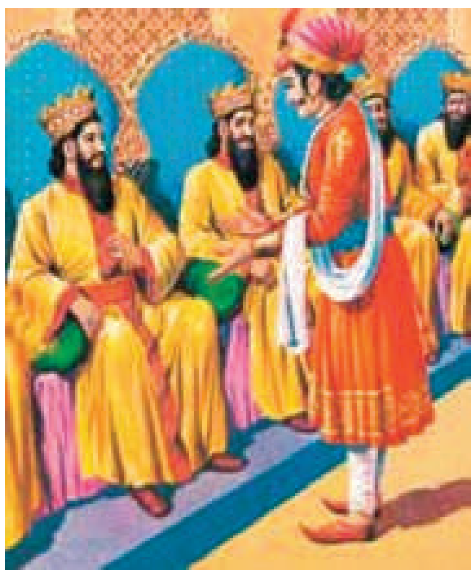

रंगोली के रंग

रंगोली धार्मिक और सांस्कृतिक आस्था का प्रतीक है। हमारे यहां त्योहार, व्रत, पूजा, उत्सव, विवाह आदि शुभ अवसरों पर रंगोली बनाने की परंपरा है। इनका उद्देश्य सजावट और सुमंगल है। रंगोली को द्वार की देहरी, आंगन के केंद्र या पूजा स्थल पर बनाया जाता है।

ऐसे हुई शुरुआत

प्राचीन काल में लोगों का विश्वास था कि कलात्मक चित्र बनाने से घर में धन-धान्य में वृद्धि होती है। ग्रामीण अंचलों में घर-आंगन बुहारकर लीपने के बाद रंगोली बनाने का रिवाज आज भी प्रचलित है।

रंगोली की आकृतियां

रंगोली को बनाने में नारियल का चूरा, चावल का आटा, सिंदूर, रोली, हल्दी, सूखा आटा और रंगोली के रंगो का प्रयोग किया जाता है। इसमें साधारण ज्यामितिक आकार हो सकते हैं या फिर देवी देवताओं की आकृतियां। विशेष अवसरों पर बनाई जाने वाली रंगोलियों में कुछ विशेष आकृतियां भी जुड़ जाती हैं, जैसे दिवाली की रंगोली में दीप, गणेश या लक्ष्मी।

आप भी बनाएं रंगोली

यदि आपको रंगोली बनाने की प्रैक्टिस नहीं है, तो भी मन खराब करने की जरूरत नहीं है। आप भी रंगोली से अपने घर के आंगन को सजा सकते हैं। रंगोली बनाने के लिए प्लास्टिक के स्टेंसिल्स का प्रयोग भी किया जाता है। 'रेडिमेड रंगोली स्टिकर' भी बाजार में उपलब्ध हैं, उन्हें साफ जमीन पर चिपका कर उस पर रंगोली का डिजाइन बनाया जा सकता है। रंगोली को झाड़ू या पैरों से नहीं हटाया जाता है, बल्कि इसे पानी से साफ किया जाता है। किसी सुंदर से कांच या क्रिस्टल के बर्तन में पानी डालें। इसमें फूलों की पंखुड़ियां सजाएं और फिर रंग-बिरंगी कैंडल्स को पानी पर छोड़ दें। यह खुशबूदार और जगमगाती रंगोली आपके घर आने वाले मेहमानों को यकीनन बहुत पसंद आएगी।

हसो हसाओ

टीचर (जय से)- बड़े होकर तुम क्या करोगे?
जय- सर, शादी
टीचर- मेरा मतलब है कि क्या बनोगे?
जय- जी, मैं दूल्हा बनूंगा।
टीचर- मेरा कहना चाह रहा हूं कि तुम क्या हासिल करोगे?
जय- दुल्हन।

— — — — — — — — — — — —

संता (दुकानदार से)- एक केला कितने का दिया?

दुकानदार- एक रुपए का एक।

संता- यह तो बहुत महंगा है, तुम मुझे 60 पैसे में दोगे क्या?

दुकानदार- इतने कम पैसों में तो सिर्फ केले का छिलका ही मिलेगा।

संता- तो ठीक है न, ये लो 40 पैसे और सिर्फ केला दे दो।

रंग भरो

समुद्र किनारे लाइब्रेरी

आईकिया कंपनी ने अपनी बीसवीं सालगिरह के उपलक्ष्य में सिडनी बाडी बीच में केवल एक दिन के लिए समुद्र के किनारे एक नायाब लाईब्रेरी पेश की थी। इसमें लाल रंग की 30 बुक शैल्फ रखी गई थीं।

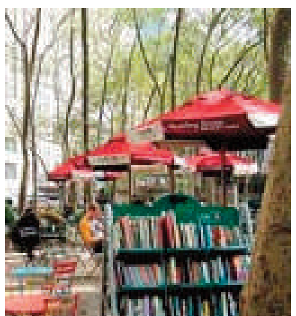

कारों से महंगे ऊंट

आबूधाबी में लगे एक ऊंट महोत्सव में ऊंटों की कीमत मर्सिडीज कारों से भी ज्यादा थी। हाल ही में हुए एक महोत्सव में ऊंट व्यवसायी हमदान बिन गानीम अल फलादी ने 3 ऊंट दो करोड़ चालीस लाख दिहराम (करीब 29 करोड़ रूपए) में खरीदे।

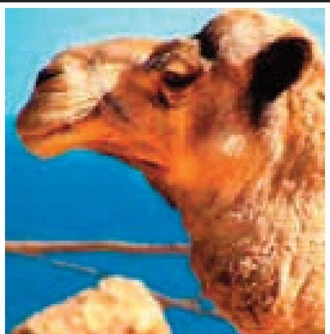

घोंसले वाला मेंढक

कर्नाटक में एक विशेष प्रजाति का मेंढक पाया जाता है, जो पक्षियों की तरह घोंसला बनाकर रहता है। परभक्षियों से आपने अंडों की हिफाजत करने के लिए वह पजे से अपना घोंसला बनाता है।

यूएस ओपनः सेरेना और वीनस विलियम्स की महिला युगल में वापसी हार के साथ खत्म

न्यूयार्क

टेनिस की दिग्गज बहनों सेरेना और वीनस विलियम्स ने यूएस ओपन की महिला युगल स्पर्धा में चार साल बाद वापसी की, लेकिन उन्हें चान हाओ-चिंग और माया जाइंट के खिलाफ तीन सेट के रोमांचक मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। आर्थर ऐश स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में चान और जाइंट ने अमेरिकी बहनों को 6-3, 6-7 (6-8), 7-6 (10-7) से हराया।

14 ग्रैंड स्लैम युगल खिताब जीत चुकीं सेरेना और वीनस की जोड़ी ने तीसरे सेट में एक समय पिछड़ने के बाद शानदार वापसी की। निर्णायक 10 अंक वाले टाइब्रेक में भी दोनों बहनों ने 5-0 की बढ़त बना ली थी, लेकिन चान और जाइंट ने जबरदस्त वापसी करते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया।

46 वर्षीय वीनस और 44 वर्षीय सेरेना ने 2022 यूएस ओपन के बाद पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम में महिला युगल मुकाबला खेला। दोनों बहनों ने आखिरी बार 2018 में फ्रेंच ओपन में साथ खिताब जीता था। उनकी 14 ग्रैंड स्लैम युगल ट्राफियों में दो यूएस ओपन खिताब भी शामिल हैं।

पहले सेट में चान और जाइंट ने 6-3 से जीत दर्ज की। इसके बाद सेरेना और वीनस ने दूसरे सेट में जोरदार वापसी की। उन्होंने इस सेट में 20 विनर्स लगाए और अपनी सर्विस पूरे सेट में बरकरार रखी। टाइब्रेक में जीत हासिल कर उन्होंने मुकाबले को निर्णायक सेट तक पहुंचाया। माया जाइंट के ओवरहेड शाट के लंबा बाहर जाने के साथ ही अमेरिकी बहनों ने सेट अपने नाम किया और स्टेडियम में मौजूद दर्शकों ने जोरदार स्वागत किया।

तीसरे सेट में चान और जाइंट ने 4-2 की बढ़त हासिल कर ली, लेकिन विलियम्स बहनों ने फिर वापसी की। निर्णायक टाइब्रेक में उन्होंने 5-0 की बढ़त बनाकर जीत की उम्मीद जगा दी थी, लेकिन ताइवान की चान और जाइंट ने शानदार खेल दिखाते हुए लगातार अंक हासिल किए और 10-7 से टाइब्रेक जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया।

23 बार की ग्रैंड स्लैम एकल चैंपियन सेरेना के लिए फ्लशिंग मीडोज में यह लंबे अंतराल के बाद वापसी थी। चार साल पहले खेल से दूरी बनाने के बाद उन्होंने विंबलडन में वाइल्ड कार्ड के जरिए प्रमुख एकल प्रतियोगिता में वापसी की थी, जहां सेंटर कोर्ट पर उनका मुकाबला माया जाइंट से हुआ था।

हालांकि, आर्थर ऐश स्टेडियम का माहौल जाइंट के लिए भी खास अनुभव रहा। मुकाबले से पहले दोनों बहनों के कोर्ट पर उतरते ही दर्शकों ने जोरदार तालियों के साथ उनका स्वागत किया। उनके हर शानदार वाली और ओवरहेड शाट पर स्टेडियम गूंज उठा।

जाइंट ने कहा, माहौल अवास्तविक था। टेनिस की ऐसी दिग्गज खिलाड़ियों के खिलाफ खेल पाना बेहद खास है।

न्यूज ब्रीफ

यूएस ओपनः अल्कराज ने वू यीबिंग को हराकर चौथे दौर में बनाई जगह

न्यूयार्क। गत चैंपियन स्पेन के कार्लोस अल्कराज ने चीन के वू यीबिंग को सीधे सेटों में 6-3, 6-4, 6-1 से हराकर यूएस ओपन के चौथे दौर में जगह बना ली है। इस जीत के साथ अल्कराज ने फ्लशिंग मीडोज में अपने तीसरे खिताब की दावेदारी को और मजबूत कर दिया। इस जीत के साथ ग्रैंड स्लैम मुकाबलों में अल्कराज की लगातार जीत का सिलसिला 17 मैचों तक पहुंच गया है। उन्होंने पिछले साल यूएस ओपन का खिताब जीता था और इस साल फरवरी में आस्ट्रेलियन ओपन भी अपने नाम किया था। आस्ट्रेलियन ओपन की जीत के साथ वह करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाले सबसे कम उम्र के पुरुष खिलाड़ी बने थे ।कलाई की चोट के कारण करीब पांच महीने तक प्रतिस्पर्धी टेनिस से दूर रहने के बाद न्यूयार्क पहुंचे अल्कराज हर दौर के साथ बेहतर लय में नजर आ रहे हैं। हालांकि पहले सेट में वू यीबिंग ने एक समय उनका ब्रेक वापस हासिल कर शुरुआती दबाव को कुछ देर के लिए कम किया, लेकिन अल्कराज ने जल्द ही नियंत्रण अपने हाथों में ले लिया। विश्व रैंकिंग में 113वें स्थान पर काबिज वू यीबिंग पेशेवर युग में किसी ग्रैंड स्लैम के अंतिम-16 में पहुंचने वाले पहले चीनी पुरुष खिलाड़ी बनने की कोशिश में थे।

ला लीगाः रियल बेटिस ने मैड्रिड को 1-0 से हराया, एमबापे पेनल्टी से भी नहीं दिला सके बराबरी

सेविले। रियल बेटिस ने रियल मैड्रिड की ला लीगा में लगातार जीत की शुरुआत पर विराम लगा दिया। घरेलू टीम ने रोमांचक मुकाबले में मैड्रिड को 1-0 से हराया। ट्राय पैराट ने 81वें मिनट में निर्णायक गोल किया, जबकि गोलकीपर अल्वारो वालेस ने इंजरी टाइम में किलियन एमबापे की पेनल्टी रोककर बेटिस की जीत सुनिश्चित की। मुकाबले की शुरुआत तेज गति से हुई, लेकिन सेविले की गर्मी में दूसरे हाफ के बाद खेल की रफ्तार कुछ धीमी पड़ गई। 68वें मिनट में मैदान पर उतरे पैराट ने 81वें मिनट में बेटिस को बढ़त दिलाई। रियल मैड्रिड के गोलकीपर थिबो कूर्तुआ ने एक हेडर को रोकने की कोशिश की, लेकिन गेंद पैराट के सामने आ गई और उन्होंने तुरंत उसे गोल में पहुंचा दिया। मैड्रिड ने बराबरी की कोशिश की। एमबापे ने चार मिनट बाद गेंद को क्रासबार पर दे मारा। इसके बाद विनिसियस जूनियर के क्रास पर स्थानापन्न खिलाड़ी कार्लोस एस्पी ने शानदार साइकिल किक से गेंद को गोल में पहुंचाया, लेकिन वीडियो सहायक रेफरी की समीक्षा के बाद आफसाइड के कारण गोल को रद्द कर दिया गया। बेटिस की ओर से नेल्सन डिओसा ने भी लंबी दूरी से गोल करने का प्रयास किया। उन्होंने कूर्तुआ को गोल से बाहर देखा और दूर से शाट लगाया, लेकिन मैड्रिड के गोलकीपर ने समय रहते वापसी करते हुए शानदार बचाव किया। मैच के इंजरी टाइम में मैड्रिड को बराबरी का सबसे बड़ा मौका मिला। नातान ने पेनल्टी क्षेत्र के अंदर विनिसियस को गिरा दिया, जिसके बाद मैड्रिड को पेनल्टी मिली।

यूएस ओपनः त्सित्सिपास ने लेहेका को हराया, दो साल बाद ग्रैंड स्लैम के अंतिम-16 में पहुंचे

न्यूयार्क। यूनान के स्तेफानोस त्सित्सिपास ने चेक गणराज्य के 18वीं वरीयता प्राप्त जिरी लेहेका को हराकर यूएस ओपन के चौथे दौर में जगह बना ली। त्सित्सिपास ने खेले गए मुकाबले में लेहेका को 2-6, 6-1, 7-6 (7-3), 6-1 से हराया। यह पहली बार है जब उन्होंने यूएस ओपन के चौथे दौर में प्रवेश किया है। त्सित्सिपास ने लेहेका की तुलना में चार गुना ज्यादा ऐस लगाए और मुकाबले का अंत शानदार सर्विस विनर के साथ किया। इस जीत के साथ वह दो साल से अधिक समय बाद किसी ग्रैंड स्लैम में अंतिम-16 में पहुंचे हैं। जीत के बाद त्सित्सिपास ने दर्शकों का अभिवादन करते हुए कहा, आपने इस मुकाबले में मेरा साथ दिया और मुझे जीत तक पहुंचाया। यह प्रतिक्रिया न्यूयार्क में बड़ी संख्या में मौजूद यूनानी-अमेरिकी प्रशंसकों के समर्थन के संदर्भ में थी। त्सित्सिपास ने पहले दौर में उभरते हुए खिलाड़ी आर्थर फिल्स को हराकर उलटफेर किया था। इसके बाद लेहेका के खिलाफ भी उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया। दोनों खिलाड़ियों ने शुरुआती दो सेट बांटे, लेकिन तीसरे सेट का टाइब्रेक मुकाबले का निर्णायक मोड़ साबित हुआ। त्सित्सिपास ने लगातार दो ऐस लगाए, जबकि पिछले साल न्यूयार्क में क्वार्टर फाइनल तक पहुंचे लेहेका ने डबल फाल्ट किया और कुछ ग्राउंड स्ट्रोक में गलतियां कीं। त्सित्सिपास ने मुकाबले में कुल 34 विनर्स लगाए, जबकि लेहेका 22 विनर्स ही लगा सके। यूनानी खिलाड़ी ने 30 अनफोर्स्ड एरर किए, जबकि चेक खिलाड़ी से 41 गलतियां हुईं। पीठ की समस्या के कारण 2025 का सत्र प्रभावित होने के बाद त्सित्सिपास ने कहा कि अब वह दर्द से मुक्त हैं। उन्होंने कहा, यह सत्र शायद मेरे लिए सबसे अच्छा नहीं रहा है, लेकिन कम से कम मैं हर दिन उठता हूं और खुश होता हूं कि मुझे कोई दर्द नहीं है।

महिला एशिया कप में भारत का धमाल, पाकिस्तान 55 रन पर ढेर, टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे छोटा स्कोर

दुबई। महिला एशिया कप में भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने पाकिस्तान को महज 55 रन पर ऑलआउट कर दिया। यह महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पाकिस्तान का अब तक का सबसे छोटा स्कोर है। दुबई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। कप्तान फातिमा सना का यह फैसला टीम के लिए भारी पड़ा।

पाकिस्तान को मुनीबा अली और शवाल जुल्फिकार ने अच्छी शुरुआत दिलाई। पांचवें ओवर में एक समय पाकिस्तान का स्कोर बिना किसी नुकसान के 27 रन था, लेकिन इसके बाद विकेटों का पतन शुरू हो गया। पाकिस्तान की पूरी टीम 19वें ओवर में 55 रन पर सिमट गई।

पाकिस्तान के सबसे छोटे महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय स्कोर

पाकिस्तान के महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे छोटे स्कोर इस प्रकार हैं

55 रन बनाम भारत, दुबई (2026)
56 रन बनाम न्यूजीलैंड, दुबई (2024)
60 रन बनाम इंग्लैंड, टॉनटन (2009)
63 रन बनाम भारत, ग्वांगझू (2012)
65 रन बनाम वेस्टइंडीज, सेंट एंड्रयूज (2011)

8 रन बनाने में पाकिस्तान ने गंवाए 6 विकेट, भारतीय स्पिनरों का कहर

पाकिस्तान का स्कोर 35 रन पहुंचते-पहुंचते उसके छह विकेट गिर चुके थे। शेफाली वर्मा ने पांचवें ओवर में मुनीबा अली को बोल्ड कर पाकिस्तान को पहला झटका दिया। इसके बाद विकेट गिरने का सिलसिला शुरू हो गया।

गुल फिरोज अगले ओवर में श्री चरणी की गेंद पर खाता खोले बिना पवेलियन लौट गईं। इसी ओवर की आखिरी गेंद पर दूसरी सलामी बल्लेबाज शवाल जुल्फिकार 14 रन बनाकर एलबीडब्ल्यू हो गईं। श्री चरणी ने ही आयशा जफर को 2 रन के निजी स्कोर पर आउट किया।

प्रेमा रावत ने सदफ शमस को 3 रन पर और दीप्ति शर्मा ने कप्तान फातिमा सना को बिना खाता खोले पवेलियन भेज दिया। फातिमा के आउट होते ही पाकिस्तान का स्कोर 35 रन पर छह विकेट हो गया।

उम्म-ए-हानी और इमान फातिमा के बीच सातवें विकेट के लिए 10 रन की साझेदारी हुई। दोनों ने 24 गेंदों का सामना किया। यह साझेदारी रन आउट के कारण टूटी। भारती फुलमाली ने इमान फातिमा को रन आउट किया।

18 गेंदों पर 6 रन बनाने वाली उम्म-ए-हानी को प्रेमा रावत ने पवेलियन भेजा। इसके बाद दीप्ति शर्मा ने तुबा हसन को आउट कर पाकिस्तान की पारी समेट दी।

भारत के सभी 10 विकेट स्पिन गेंदबाजों के नाम

भारत की ओर से पाकिस्तान के सभी 10 विकेट स्पिन गेंदबाजों ने हासिल किए। श्री चरणी ने चार ओवर में केवल 7 रन देकर 3 विकेट लिए, जबकि प्रेमा रावत ने चार ओवर में 9 रन देकर 3 विकेट झटके। दीप्ति शर्मा को 2 विकेट मिले, जबकि शेफाली वर्मा ने एक विकेट हासिल किया।

मैच के बाद हरमनप्रीत कौर ने गेंदबाजों की जमकर सराहना की

हरमनप्रीत कौर ने मैच के बाद कहा, यह हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण मुकाबला था। हम आक्रामक रवैया अपनाने की बात करते हैं, इसलिए मैं बहुत खुश हूं। सभी गेंदबाज शानदार रहे। उन्होंने योजनाओं पर अमल किया, पिच को अच्छी तरह पढ़ा और उसी के अनुसार गेंदबाजी की।

उन्होंने कहा, अपने स्तर को ऊंचा रखना बहुत जरूरी है। मुझे पता है कि यह टीम क्या कर सकती है। जहां तक तीन विकेट गंवाने की बात है तो ऐसा हो सकता है। पाकिस्तान के पास अच्छा गेंदबाजी आक्रमण है।

150वें टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच पर हरमनप्रीत ने कहा- 'मैं आभारी हूं'

पाकिस्तान के खिलाफ हरमनप्रीत कौर ने बतौर कप्तान अपना 150वां टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेला। वह पुरुष और महिला क्रिकेट में इस उपलब्धि तक पहुंचने वाली दुनिया की पहली क्रिकेटर बन गईं।

इस उपलब्धि पर हरमनप्रीत ने कहा, मैं आभारी हूं। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं यहां तक पहुंचूंगी। इसी तरह समर्थन करते रहिए। उम्मीद है कि मैं आगे भी अच्छा काम जारी रखूंगी।

भारत की महिला टीम ने अब तक 228 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं, जिनमें हरमनप्रीत 205 मुकाबलों का हिस्सा रही हैं।

रांची के मोरहाबादी मैदान में 13 से 20 सितंबर तक होगी चैलेंजर ट्राफी फुटबाल प्रतियोगिता

रांची

राजधानी रांची के मोरहाबादी मैदान में पिछले 31 वर्षों से लगातार आयोजित हो रही चैलेंजर ट्राफी फुटबाल प्रतियोगिता इस वर्ष 13 से 20 सितंबर तक होगी। प्रतियोगिता का आयोजन क्रीड़ा केन्द्र की ओर से किया जाएगा। प्रतियोगिता के संयोजक डा. प्रणव कुमार बब्बू ने बताया कि चैलेंजर ट्राफी की पहचान रांची के साथ आसपास के जिलों में भी प्रतिष्ठित फुटबाल प्रतियोगिता के रूप में बनी हुई है।

फुटबाल प्रेमियों, खिलाड़ियों और क्लबों को हर वर्ष इस प्रतियोगिता का इंतजार रहता है।

31 वर्षों से लगातार हो रहा आयोजन, विजेता को 71 हजार और उपविजेता को 51 हजार रुपये की पुरस्कार राशि

उन्होंने बताया कि सामाजिक-वैचारिक संगठन रांची रिवोल्ट जन मंच और लक्ष्य डिफेंस अकादमी के सदस्य भी आयोजन में सक्रिय सहयोग करेंगे।

डा. बब्बू ने कहा कि झारखंड में खेल और खिलाड़ियों के लिए फुटबाल संजीवनी के समान है। यह युवाओं को प्रोत्साहित करने के साथ मनोरंजन का भी सशक्त माध्यम है।

उन्होंने बताया कि इस वर्ष प्रतियोगिता की विजेता टीम को 71 हजार रुपये और उपविजेता टीम को 51 हजार रुपये की पुरस्कार राशि दी जाएगी। इसके अलावा मैन आफ द मैच, मैन आफ द सीरीज, सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर सहित विभिन्न श्रेणियों में भी पुरस्कार दिए जाएंगे।

प्रतियोगिता को लेकर रांची और आसपास के क्षेत्रों के फुटबाल खिलाड़ियों, क्लबों और खेलप्रेमियों में उत्साह है। आयोजन की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं।

लंदन स्क्वैश क्लासिकः अनाहत सिंह क्वार्टर फाइनल में सिवासंगरी से हारीं

लंदन। भारतीय युवा स्क्वैश खिलाड़ी अनाहत सिंह को पीएसए गोल्ड स्तर के लंदन स्क्वैश क्लासिक के क्वार्टर फाइनल में मलेशिया की विश्व नंबर पांच खिलाड़ी सिवासंगरी सुब्रमण्यम के खिलाफ सीधे गेमों में हार का सामना करना पड़ा। तीसरी वरीयता प्राप्त सिवासंगरी ने 17 मिनट में अनाहत को 11-4, 11-4 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। 27 वर्षीय सिवासंगरी ने शुरुआत से ही मुकाबले पर नियंत्रण बनाए रखा। उन्होंने भारतीय खिलाड़ी को अपनी लय हासिल करने का मौका नहीं दिया और आसान जीत दर्ज की। सेमीफाइनल में उनका सामना दूसरी वरीयता प्राप्त मिस्र की मौजूदा विश्व चैंपियन अमीना ओर्फी से होगा। विश्व रैंकिंग में 20वें स्थान पर काबिज 18 वर्षीय अनाहत ने क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के लिए बेल्जियम की आठवीं वरीयता प्राप्त नेले गिलिस को तीन गेम के रोमांचक मुकाबले में हराया था।

प्रतिस्पर्धा आपको बेहतर बनने के लिए प्रेरित करती हैः आर्यना सबालेंका

नई दिल्ली

दो बार की चैंपियन बेलारूस की आर्यना सबालेंका ने यूएस ओपन 2026 में अपने खिताब बचाने के अभियान की शानदार शुरुआत की है। विश्व नंबर एक सबालेंका ने तीसरे दौर में कामिला राखिमोवा को 6-3, 6-4 से हराकर अंतिम-16 में जगह बना ली है।

न्यूयार्क में अपने अभियान के दौरान सबालेंका ने टेनिस की प्रतिस्पर्धात्मक प्रकृति और मजबूत प्रतिद्वंद्वियों से मिलने वाली चुनौती पर बात की।

जियोस्टार को दिए गए एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा कि कड़ी प्रतिस्पर्धा उन्हें लगातार बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करती है।

सबालेंका ने कहा, प्रतिस्पर्धा हमेशा आपको बेहतर बनने के लिए प्रेरित करती है। मुझे टेनिस की यही बात पसंद है कि कोई आपका पीछा कर रहा हो या आप किसी का पीछा कर रहे हों। यह आपको भूखा रखती है और अपना स्तर बढ़ाने के लिए मजबूर करती है। यह दबाव आपको मजबूत बनाता है और और भी कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित करता है। यह लगातार बनी रहने वाली चुनौती है और यही मेरे लिए खेल को इतना रोमांचक बनाती है।

विश्व नंबर एक ने पेशेवर और निजी जीवन के बीच संतुलन बनाए रखने के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि कोर्ट पर खेल की तीव्रता और आक्रामकता के बीच पूरी तरह केंद्रित रहना पड़ता है, इसलिए कोर्ट के बाहर आराम करना और अपनी पसंद की चीजों का आनंद लेना जरूरी है।

उन्होंने कहा, मैंने हमेशा माना है कि कोर्ट के अंदर और बाहर की जिंदगी के बीच संतुलन होना जरूरी है। कोर्ट पर खेल बेहद तीव्र और आक्रामक होता है। आपको हर समय मजबूत और केंद्रित रहना पड़ता है। वहां खुद को ढीला छोड़ने की कोई जगह नहीं होती, लेकिन कोर्ट के बाहर स्थिति अलग होती है। वहां आप आराम करते हैं, मौज-मस्ती करते हैं और अपनी पसंद की चीजों का आनंद लेते हैं। यही संतुलन मुझे फिर से ऊर्जा हासिल करने और अगले मैच के लिए तरोताजा रहने में मदद करता है।

अंतिम-16 में सबालेंका का सामना टेलर टाउनसेंड से होगा। यह मुकाबला जियोहाटस्टार और स्टार स्पोर्ट्स पर प्रसारित किया जाएगा।

सबालेंका ने यूएस ओपन में न्यूयार्क के माहौल को भी खास बताया। उन्होंने कहा कि दर्शकों का उत्साह उन्हें अतिरिक्त ऊर्जा देता है और शहर की ऊर्जा भी कोर्ट पर बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करती है।

उन्होंने कहा, यहां मुझे बहुत कुछ पसंद है। सबसे पहले तो यहां के दर्शक शानदार हैं। जब वे आपका उत्साह बढ़ाते हैं तो आपको बहुत ऊर्जा मिलती है। मुझे न्यूयार्क में रहना पसंद है। जब मौका मिलता है तो खरीदारी करना और अच्छे रेस्तरां में खाना भी पसंद है। इस शहर में दो या तीन सप्ताह बिताना हमेशा खास होता है। मुझे लगता है कि शहर की ऊर्जा आपको कोर्ट पर और कड़ी मेहनत करने और प्रेरित बने रहने के लिए प्रेरित करती है।

एएचएफ जूनियर एशिया कपः भारत ने इंडोनेशिया को 14-0 से रौंदकर किया शानदार आगाज

मोक्वी, चीन

भारतीय जूनियर पुरुष हाकी टीम ने एएचएफ जूनियर एशिया कप 2026 में अपने खिताब बचाने के अभियान की धमाकेदार शुरुआत की है। पूल ए के शुरुआती मुकाबले में भारत ने इंडोनेशिया को एकतरफा मुकाबले में 14-0 से रौंद दिया। पांच बार की चैंपियन भारतीय टीम ने पूरे मुकाबले में अपना दबदबा कायम रखा।

भारत की ओर से प्रभदीप सिंह सबसे सफल रहे। उन्होंने पांच गोल दागे और उन्हें मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। कप्तान अनमोल एक्का ने चार गोल किए, जबकि अजीत यादव ने हैट्रिक पूरी की। हरपाल और आशु मौर्य ने एक-एक गोल किया।

भारत ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। प्रभदीप ने पांचवें मिनट में गोल कर भारत का खाता खोला, जबकि हरपाल ने आठवें मिनट में बढ़त दोगुनी कर दी। पहले क्वार्टर के अंत तक भारत 2-0 से आगे था।

दूसरे क्वार्टर में अनमोल ने 16वें मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में बदलकर स्कोर 3-0 किया। अजीत यादव ने 20वें मिनट में एक और गोल दागा। इसके बाद प्रभदीप ने 26वें और 30वें मिनट में गोल कर अपनी हैट्रिक पूरी की और भारत को मध्यांतर तक 6-0 की मजबूत बढ़त दिला दी। तीसरे क्वार्टर में भी भारत का दबदबा जारी रहा। अनमोल ने 35वें और 42वें मिनट में पेनल्टी कार्नर को गोल में बदला। इसके बाद प्रभदीप ने क्वार्टर समाप्त होने से पहले एक और गोल दागकर भारत की बढ़त 9-0 कर दी। अंतिम क्वार्टर में भारतीय टीम ने पांच और गोल किए। अनमोल ने 51वें मिनट में अपना चौथा गोल किया, जबकि प्रभदीप ने अगले ही मिनट में पांचवां गोल दाग दिया। अजीत यादव ने 53वें मिनट में दो गोल कर अपनी हैट्रिक पूरी की। आशु मौर्य ने 59वें मिनट में पेनल्टी कार्नर पर गोल कर भारत को 14-0 की शानदार जीत दिलाई। भारत ने कुल नौ मैदानी गोल किए, जबकि चार गोल पेनल्टी कार्नर और एक गोल पेनल्टी स्ट्रोक से आया। अनमोल ने तीन पेनल्टी कार्नर और एक पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में बदला, जबकि मौर्य ने एक पेनल्टी कार्नर पर गोल किया। इंडोनेशिया की यह लगातार दूसरी हार है। उसे दक्षिण कोरिया के खिलाफ 0-9 से शिकस्त मिली थी। पूल ए में वह पांचवें स्थान पर है। वहीं, चीनी ताइपे जापान के खिलाफ 0-7 से हारकर चौथे स्थान पर है। भारत इस जीत से तीन अंक लेकर जापान और दक्षिण कोरिया के साथ बराबरी पर है, लेकिन बेहतर गोल अंतर के कारण पूल ए में शीर्ष पर पहुंच गया है।

किनवट डिपो में पांच नई बीएस-6 बसों का शुभारंभ

किनवट, 5 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम के किनवट डिपो में हाल ही में शामिल की गई पांच अत्याधुनिक राजमाता जिजाऊ (बीएस-6) बसों का उद्घाटन समारोह 4 सितंबर को उत्साहपूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन किनवट-माहुर विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक भीमराव केराम ने रिबन काटकर एवं हरी झंडी दिखाकर किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता किनवट डिपो प्रमुख अशोक चव्हाण ने की। इस अवसर पर बाबूराव केंद्र, नगराध्यक्ष के प्रतिनिधि एवं पार्षद प्रशांत कोरडे, पूर्व नगराध्यक्ष आनंद मच्छेवार, पार्षद श्रीनिवास नेम्मानिवार, भाजपा मंडल अध्यक्ष स्वागत आयनेनीवार, पार्षद संतोष मर्सकोले, बालाजी बामने, प्रवासी संगठन के अध्यक्ष विजय कन्नालवार सहित किनवट डिपो के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में शीलरत्न ढगे (एटीएस), बालाजी केंद्र (निरीक्षक), गजेंद्र दासरवार, वरिष्ठ लिपिक सुवर्णा खोकले, राजकिरण नेम्मानिवार (नियंत्रक), अंकुश चव्हाण, वसंत पितलेवाड, गजानन चंद्रे, अतिथि रमेश बद्दीवार, अश्विन पवार, प्रो. विश्वास कोल्हारिकर, आशिष देशपांडे, साजीद बडगुजर सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

प्रारंभ में डिपो प्रबंधक अशोक चव्हाण ने सभी गणमान्य व्यक्तियों का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। अपने प्रस्तावना भाषण में उन्होंने कहा कि बीएस-6 बसों के संचालन से यात्रियों की यात्रा अधिक सुरक्षित, आरामदायक एवं प्रदूषणमुक्त होगी।

उन्होंने यात्रियों से एसटी की सेवाओं का अधिकाधिक लाभ उठाने का आह्वान किया।

विधायक भीमरावजी केराम ने अपने संबोधन में कहा कि एसटी किनवट जैसे आदिवासी एवं दूरदराज के क्षेत्रों के लोगों के लिए जीवनरेखा है। नई बसों के आने से यात्रियों का सफर अधिक आरामदायक होगा। उन्होंने कहा कि वे किनवट डिपो के विकास के लिए हमेशा प्रयासरत रहेंगे।

कार्यक्रम का संचालन पंढरी कोंकेवाड ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन मारोती जाधव ने किया। इस दौरान डिपो के सभी चालक, मालवाहक, यांत्रिक कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में यात्री उपस्थित रहे।

आर्य कन्या विद्यालय हाई स्कूल में हर्षोल्लास से मनाया गया शिक्षक दिवस

हैदराबाद, 5 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। आर्य कन्या विद्यालय हाई स्कूल, देवीदीन बाग, सुल्तान बाजार में शिक्षक दिवस हर्षोल्लास एवं गरिमापूर्ण वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं के प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता व्यक्त की गई।

कार्यक्रम में विशेष अतिथि श्रुतिकांत भारती उपस्थित रहे। विद्यालय की मुख्याध्यापिका श्रीमती उमा तिवारी सहित सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं ने समारोह में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

शिक्षक दिवस के अवसर पर विद्यालय के विद्यार्थियों ने स्वशासित कक्षाएं संचालित कीं और अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत विभिन्न कार्यक्रमों ने उपस्थित सभी लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

आर्य कन्या विद्यालय शिक्षण समिति के मंत्री प्रदीप जाजू ने सभी अध्यापक-अध्यापिकाओं का स्वागत करते हुए शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि शिक्षक विद्यार्थियों के जीवन को सही दिशा देने के साथ-साथ उनके व्यक्तित्व निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में शिक्षकों का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है।

इस अवसर पर विद्यालय की मुख्याध्यापिका श्रीमती उमा तिवारी, वाई. पदमा, वीणा शुक्ला, मालिनी, चित्रा,

अनुराधा, ललिता, गौतम, ममता जैन, राजलक्ष्मी, भवानी एवं सुधा ठाकुर को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में डॉ. प्रताप रूद्र, प्रधान, शिक्षक समिति, सरिता तिवारी, उपप्रधान, भक्त राम, कोषाध्यक्ष एवं सत्यनारायण शर्मा, अंतरंग सदस्य, अशोक जाजू सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे और समारोह में सहभागिता की।

कार्यक्रम के अंत में विद्यालय परिवार की ओर से सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं को शिक्षक दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दी गईं तथा उनके समर्पण, परिश्रम एवं विद्यार्थियों के प्रति सेवाभाव के लिए आभार व्यक्त किया गया।

श्रावण मास में धार्मिक अनुष्ठानों के साथ सेवा कार्यों की अनूठी मिसाल

किनवट, 5 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पावन श्रावण मास के निमित्त किनवट स्थित श्री साईबाबा श्री नर्मदेश्वर महादेव मंदिर संस्थान द्वारा तीन दिवसीय विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों एवं सेवा-सामाजिक उपक्रमों का आयोजन किया गया। इस दौरान मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर रहा। संस्थान की ओर से आयोजित निःशुल्क स्वास्थ्य शिविरों में गरीब एवं जरूरतमंद लोगों ने लाभ उठाया।

धार्मिक आयोजनों के अंतर्गत 5 हजार दीपों का भव्य दीपोत्सव विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। इसके साथ रक्षाबंधन, जन्मोत्सव एवं भव्य पालखी शोभायात्रा का आयोजन श्रद्धापूर्वक किया गया। भक्तों ने श्री साईबाबा एवं श्री नर्मदेश्वर महादेव के दर्शन कर पूजा-अर्चना की तथा सुख-समृद्धि एवं परिवार की खुशहाली की कामना की। साई दीक्षा धारण किए लगभग 200 भक्तों ने भगवान से अच्छी बारिश के लिए विशेष प्रार्थना भी की।

शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए पालखी मंदिर पहुंची। मंदिर में आरती के पश्चात धार्मिक उत्सव के समापन अवसर पर महाप्रसाद का वितरण किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया।

मंदिर संस्थान की मानवता सेवा भावना के तहत नांदेड लायन्स नेत्रालय एवं किनवट मंदिर संस्थान के तत्वावधान में निःशुल्क नेत्र जांच एवं मोतियाबिंद सर्जरी शिविर आयोजित किया गया। शिविर में 100 लोगों का पंजीयन किया गया, जिनमें से मोतियाबिंद पाए गए 40 मरीजों को सर्जरी के लिए लायन्स नेत्रालय की वाहन से नांदेड ले जाया गया। वहां निःशुल्क ऑपरेशन के बाद मरीजों को वाहन से वापस किनवट लाया जाएगा। नेत्र विशेषज्ञ डॉ. राजकुमार पवार ने मरीजों की आंखों की जांच की।

रक्तदान शिविर में गुरु गोबिंदसिंहजी ब्लड सेंटर, नांदेड की टीम ने सेवाएं प्रदान कीं। डॉ. दिलीप सोनटक्के, पीआरओ राहुल वाघमारे, कपिल वाढवे एवं उनकी टीम ने 75 भक्तों से रक्त संकलित किया।

दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. बालाजी धर्मकारे एवं विशेषज्ञ डॉ. दृष्टि धर्मकारे ने 32 दंत रोगियों की जांच की। इसके अलावा कान रोग विशेषज्ञ डॉ. बालाजी सुरनर ने कान संबंधी समस्याओं से पीड़ित 20 मरीजों की जांच की। वात रोग संबंधी मरीजों की विशेषज्ञ डॉ. मंथन भंडारे ने जांच की। शिविर में स्वास्थ्य, शुगर एवं बीपी की जांच भी की गई।

शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। इस दौरान अभिजीत ठाकूर, अंशु उमडवार के साथ अशोक गाडेकर ने भी सहयोग किया।मंदिर संस्थान के सच्चिदानंद पवार गुरु स्वामी ने बताया कि प्रत्येक माह के पहले गुरुवार को निःशुल्क नेत्र जांच एवं मोतियाबिंद सर्जरी शिविर आयोजित किया जाएगा।

फीलखाना स्थित श्री रामपालजी चैम्बर्स में श्री रामपाल जी कन्हैयालाल जी व्यास, बड़ा बास, बलुंदा वाले के निवास पर जन्माष्टमी के पावन अवसर पर भव्य रूप से श्रीकृष्ण जन्मोत्सव आयोजित किया गया। इस अवसर पर भगवान श्रीकृष्ण की मनमोहक एवं आकर्षक झांकी सजाई गई, जिसके दर्शन के लिए सैकड़ों श्रद्धालु पहुंचे। श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण की सुंदर झांकी के दर्शन कर पुण्य लाभ प्राप्त किया।

हिमायत नगर स्थित ब्लू बेसिल होटल में माथुर वैश्य समाज महिला मंडल द्वारा श्रीकृष्ण जन्माष्टमी उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। अध्यक्ष नीलम विशाल गुप्ता, मंत्री पिंकी श्याम गुप्ता, उपाध्यक्ष श्वेता गुप्ता, उपमंत्री शालिनी गुप्ता, कोषाध्यक्ष अंजली गुप्ता, मीनू गुप्ता, कार्यकारिणी सदस्य कंचन गुप्ता सहित समाज की महिलाओं एवं सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी ने भक्ति में झूमते-नाचते हुए नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की का जयघोष किया और श्रीकृष्ण जन्मोत्सव की खुशियां मनाईं।

बीएनआई हैदराबाद 21वें चैप्टर विक्ट्री ने बंजारा हिल्स में अपनी 9वीं वर्षगांठ का जश्न मनाया।

राजस्थानी सेवा समाज द्वारा संचालित मारवाड़ी नवयुवक गणेश मंडल के तत्वावधान में स्थानीय राजस्थान भवन में गणेश उत्सव 2026 के आयोजन की तैयारियों के तहत शुक्रवार को प्रातः 9:11 बजे भगवान श्रीगणेश की विधिवत पूजा-अर्चना एवं भूमि पूजन संपन्न हुआ। इस अवसर पर गणेश उत्सव समिति के संयोजक सतीश व्यास, श्याम तिवारी, सुनील मुंडेल, राजस्थानी सेवा समिति के अध्यक्ष लक्ष्मण जाजू, मंत्री प्रवीण व्यास, उपाध्यक्ष बाल किशन बंग, कोषाध्यक्ष जुगल जाजू सहित विभिन्न समितियों के संयोजक एवं सदस्य उपस्थित रहे।

प्रथम पृष्ठ का शेष

नाराज़...

प्रधानमंत्री ने कहा कि जैसे ही उन्होंने यह गोली दी, सारे दिमागी नक्सल बाहर आने लगे और जनता उनका असली रंग देख रही है।

भारतीय युवा अब बड़े सपने देख रहा

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज भारतीय युवा बड़े सपने देख रहा है। आज का नौजवान कहता है कि वह स्टार्टअप बनाएगा, यूनिकॉर्न खड़ा करेगा और अंतरिक्ष से जुड़ा स्टार्टअप शुरू करेगा। उन्होंने कहा कि वर्ष 2013 से पहले विद्यार्थियों की सोच में ऐसे सपने देखने का आत्मविश्वास कम था।

उन्होंने कहा कि हम गर्व से कहते हैं कि भारतीय दुनिया की शीर्ष कंपनियों का नेतृत्व कर रहे हैं, लेकिन सवाल यह है कि वे कंपनियां भारतीय क्यों नहीं हैं। उन्होंने युवाओं से देश में ही विश्वस्तरीय कंपनियां खड़ी करने का आह्वान किया।

युवाओं को दिलाया आत्मनिर्भर भारत का संकल्प

प्रधानमंत्री मोदी ने युवाओं से कहा कि नाव हमारी हो और नाविक भी हमारा हो। लहरों पर विजय लिखने का हौसला हमारा हो। उड़ान हमारी हो और हवाओं से टकराने का जज्बा हमारा हो। उन्होंने युवाओं से कहा कि सपना हमारा हो, संकल्प हमारा हो, आत्मनिर्भर भारत का संकल्प हमारा हो और विकसित भारत की राह में उठता हर कदम हमारा हो।

सत्यवादी...

बताया गया है कि वित्त वर्ष 2022-23 में भी पार्टी को 85 करोड़ 67 हजार रुपये का चंदा मिला था।

जब टीम पार्टी की अध्यक्ष स्वातीबेन के घर पहुंची तो उन्होंने बताया कि वे केवल नाम मात्र की अध्यक्ष हैं। स्वातीबेन का कहना है कि पार्टी को वर्ष 2024-25 में बंद कर दिया गया था और उन्हें इसके बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है। उनके मुताबिक, इस पार्टी से बहुत सारे लोग जुड़े हुए थे।

330 करोड़ रुपये के चंदे को लेकर पूछे जाने पर स्वातीबेन ने कहा, इसमें अब क्या है, मुझे नहीं पता। जो चंदा आया, वो हमने किसी को दान दिया होगा। हम पैसा खा थोड़ी गए हैं।

इस मामले में पार्टी की अध्यक्ष स्वातीबेन ने पूरे मामले से अनभिज्ञता जताई है। हालांकि, यह पैसा कहां से आया और इसका इस्तेमाल कहां किया गया, इसका पता जांच एजेंसियों की जांच के बाद ही चल सकेगा।

25 पाकिस्तानी...

हालांकि, इन हमलों में हुई मौतों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो पाई है। रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान की ओर से भी हमलों को लेकर तत्काल कोई विस्तृत जानकारी जारी नहीं की गई। सोशल मीडिया पर पत्रकारों की ओर से साझा किए गए कुछ वीडियो में पाकिस्तानी सेना के जवानों के शवों को अंधेरे की आड़ में उनके परिवारों तक पहुंचाए जाने का दावा किया गया है।

पिछले महीने भी 36 अभियानों का दावा

बीएलए ने पिछले महीने दावा किया था कि उसने पाकिस्तानी सेना के खिलाफ अलग-अलग इलाकों में कुल 36 अभियान चलाए, जिनमें 33 से अधिक जवान मारे गए। हाल के महीनों में बढ़ी हिंसा ने बीएलए के वर्ष 2024 में शुरू किए गए ऑपरेशन हेरोफ की यादें ताजा कर दी हैं।

बीएलए ने इस अभियान के दौरान परिवहन से जुड़े महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने का दावा किया था। इसमें कराची-क्वेटा राजमार्ग के कुछ हिस्से और मस्तुंग का एक रेलवे स्टेशन भी शामिल था, जिसे काफी नुकसान पहुंचा था। इस अभियान में 25 से अधिक पाकिस्तानी सैनिकों के मारे जाने और कई अन्य के घायल होने का दावा किया गया था।

पाकिस्तान का पलटवार

पाकिस्तानी सेना ने जवाबी कार्रवाई करते हुए दावा किया कि बलूचिस्तान के मस्तुंग, सिबी, क्वेटा और कलात जिलों में संदिग्ध ठिकानों पर छापेमारी के दौरान करीब 50 उग्रवादियों को मार गिराया गया है।

पाकिस्तानी सेना के अनुसार, मारे गए लोग प्रतिबंधित उग्रवादी संगठनों से जुड़े थे। सेना ने दावा किया कि इनमें बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) और तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के सदस्य शामिल थे।

बलूचिस्तान में बढ़ी हिंसा

एक-दूसरे के खिलाफ हो रही इन कार्रवाइयों के बीच पाकिस्तान के सबसे बड़े प्रांत बलूचिस्तान में हिंसा बढ़ गई है। यह क्षेत्र दशकों से विद्रोह और अलगाववादी गतिविधियों से जूझ रहा है।

पिछले कुछ महीनों में पूरे बलूचिस्तान में हिंसा फिर बढ़ी है। बीएलए और अन्य विद्रोही समूहों ने पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों और सुरक्षा काफिलों पर हमले तेज किए हैं। बलूच समूह लंबे समय से पाकिस्तान पर मानवाधिकारों के उल्लंघन का आरोप लगाते रहे हैं। इनमें लोगों को कथित तौर पर जबरन गायब करना और प्रांत में राजनीतिक कार्यकर्ताओं के खिलाफ कार्रवाई जैसे आरोप शामिल हैं।

नौकरी गई बने ...

हालांकि, आदेश के बाद भी उन्हें तत्काल सेवा में नहीं लिया गया। इसके बाद उन्होंने अधिकारियों को कानूनी नोटिस भेजकर नियुक्ति की मांग जारी रखी।

जिस दिन का गिरवर सिंह वर्षों से इंतजार कर रहे थे, वह आखिरकार अगस्त 2026 में आया। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल में उनकी वापसी हुई और उन्हें छत्तीसगढ़ के बीजापुर में तैनाती दी गई। नियुक्ति आदेश मिलने के बाद वह बीजापुर पहुंचे और ड्यूटी ज्वाइन कर ली।

एक समय जिस वर्दी को उनसे छीन लिया गया था, 26 साल बाद उन्होंने वही वर्दी दोबारा पहन ली। यह उनके लिए केवल नौकरी की वापसी नहीं, बल्कि वर्षों के संघर्ष, इंतजार और उम्मीद की जीत भी थी।

संत से फिर बने जवान

गिरवर सिंह की कहानी इसलिए भी खास है क्योंकि नौकरी जाने के बाद उन्होंने जिंदगी का बिल्कुल अलग रास्ता चुना। वह करीब दो दशक तक मंदिर में संत के रूप में रहे और गिरवर दास महाराज के नाम से पहचाने गए। इसके बावजूद उन्होंने अपने पुराने अधिकार की लड़ाई नहीं छोड़ी।

मुरैना के छिछावली गांव से शुरू हुआ उनका सफर वर्ष 1991 में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल में हवलदार बनने से लेकर वर्ष 1999 में बर्खास्तगी, मंदिर में साधना, लंबी अदालत की लड़ाई और फिर अगस्त 2026 में नौकरी की बहाली तक पहुंचा।

करीब 26 वर्षों तक अपनी वर्दी वापस पाने का इंतजार करने वाले गिरवर सिंह ने इस दौरान संत का जीवन भी जिया और अदालत में अपना संघर्ष भी जारी रखा। आखिरकार उनकी मेहनत रंग लाई और वह फिर उसी बल का हिस्सा बन गए, जिसमें कभी उन्होंने देश की सेवा शुरू की थी।

अब गिरवर सिंह तोमर एक बार फिर केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की वर्दी में देश की सेवा कर रहे हैं। उनके लिए यह केवल नौकरी में वापसी नहीं, बल्कि उस उम्मीद की जीत है जिसे उन्होंने इतने लंबे समय तक अपने भीतर जीवित रखा। मंदिर के संत गिरवर दास महाराज से फिर केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवान बने गिरवर सिंह की यह कहानी लंबे संघर्ष के बाद मिली मंजिल की मिसाल बन गई है।

भूपेश बघेल...

संगठनात्मक बदलाव के तहत रणदीप सिंह सुरजेवाला को गुजरात के महासचिव प्रभारी के साथ-साथ कर्नाटक के महासचिव प्रभारी की अतिरिक्त जिम्मेदारी भी दी गई है। वहीं, पार्टी ने स्पष्ट किया है कि मुकुल वासनिक अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव के पद पर पहले की तरह अपनी सेवाएं जारी रखेंगे।

क्या है पंजाब कांग्रेस में विवाद?

पंजाब कांग्रेस में पिछले कई महीनों से गहरा आंतरिक कलह और गुटबाजी चल रही थी। मुख्य रूप से पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के खेमे और प्रदेश अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग के समर्थकों के बीच टकराव की स्थिति बनी हुई थी।

जुलाई 2026 में कांग्रेस आलाकमान ने राजा वड़िंग को प्रदेश अध्यक्ष पद पर बरकरार रखा और चरणजीत सिंह चन्नी को अभियान समिति का अध्यक्ष बनाया। इसके बाद चन्नी खेमे की ओर से खुले तौर पर नाराजगी जताई गई।

पार्टी की बैठकों में ङ्गचन्नी जिंदाबादफ और ङ्गबघेल गो बैकफ जैसे नारे भी लगे। इस दौरान धक्का-मुक्की और कार्यकर्ताओं के बीच हाथापाई तक की स्थिति बनी।

भूपेश बघेल कई बार पंजाब के दौरे पर गए और दोनों गुटों के नेताओं से बातचीत कर विवाद सुलझाने का प्रयास किया, लेकिन अंदरूनी कलह पूरी तरह समाप्त नहीं हो सकी। ऐसे में कांग्रेस आलाकमान ने अब पंजाब की जिम्मेदारी सचिन पायलट को सौंपकर संगठन को मजबूत करने की दिशा में कदम उठाया है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, रविवार, 06 सितंबर, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

अग्रवाल समाज तेलंगाना की पांचवीं केंद्रीय समिति की बैठक आयोजित

महाराजा अग्रसेन जयंती सहित आगामी सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों पर लिए महत्वपूर्ण निर्णय

हैदराबाद, 05 सितम्बर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की पांचवीं केंद्रीय समिति की बैठक शनिवार को सायं 7 बजे समाज के सभागृह, 10वीं मंजिल, राघवरत्ना टावर, चिराग अली लेन में आयोजित की गई। समाज के मीडिया, प्रचार व प्रसार चेयरमैन मुकुंद लाल अग्रवाल ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से जानकारी देते हुए बताया कि सर्वप्रथम महाराजा अग्रसेनजी की पूजा-अर्चना के पश्चात सभा का शुभारंभ हुआ।

कार्यक्रम सूची के अनुसार अध्यक्ष श्री अनिरुद्ध गुप्ता ने स्वागत संबोधन में उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत किया। उन्होंने पिछले कुछ समय से समाज द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं कार्यों के लिए कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र कुमार गोयल का आभार प्रकट किया। इसके बाद पिछली सभा की कार्यवाही एवं मिनट्स को पारित किया गया।

बैठक में आगामी महाराजा अग्रसेन जयंती 11 अक्टूबर को बड़ी धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया गया। इसके साथ ही सिटाडेल में म्यूजिकल तंबोला आयोजित करने का निर्णय लिया गया। महिला उत्सव का कार्यक्रम निःशुल्क रखा गया है।

इसी कड़ी में 1 अक्टूबर को होटल ताज कृष्णा, बंजारा हिल्स में दम्पती सम्मेलन आयोजित करने का निर्णय लिया गया। आगामी नवरात्रि के अवसर पर 11 अक्टूबर से 19 अक्टूबर तक नौ रात डांडिया कार्यक्रम क्लासिक कन्वेंशन-3, शमशाबाद में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में मुंबई के कलाकारों द्वारा गीत-संगीत प्रस्तुत किया जाएगा तथा कई फिल्मी हस्तियों के आगमन की भी संभावना रहेगी। कार्यक्रम में इस्कॉन द्वारा धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसके अलावा ट्रेजर हंट एवं बॉक्स क्रिकेट का भी आयोजन किया जाएगा।

बैठक में सिकंदराबाद स्थित बैंक्वेट हॉल के नवीनीकरण के लिए नए ट्रस्टी बनाने का निर्णय लिया गया। साथ ही समाज के सभागृह में प्रत्येक माह राशन एवं अन्य जीवनोपयोगी वस्तुओं के वितरण की व्यवस्था करने का निर्णय लिया गया।

चुनाव आयोग द्वारा एसआईआर फॉर्म भरवाने के कार्य में भगवती शाखा की अध्यक्ष नीरज केडिया एवं मंत्री डॉ. सरिता गर्ग द्वारा अभूतपूर्व सेवा प्रदान करने पर उनका सम्मान किया गया। परिचय सम्मेलन के आयोजन के लिए 20 सितंबर को समाज के सभागृह में कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया गया।

अन्य विषयों पर अध्यक्ष की अनुमति से सहमंत्री प्रतीक नर्सरिया ने जानकारी देते हुए बताया कि समाज के सदस्य अपने मोबाइल से ही अपना प्रिविलेज कार्ड निकाल सकते हैं। उन्होंने इसका व्यावहारिक प्रदर्शन भी करके दिखाया। उन्होंने बताया कि इसी माध्यम से समाज द्वारा आयोजित किए जाने वाले सभी आगामी कार्यक्रमों की जानकारी भी प्राप्त की जा सकती है।

उन्होंने बताया कि प्रिविलेज कार्ड के माध्यम से डायग्नोस्टिक सेंटर, अस्पताल, मेडिकल शॉप, होटल एवं कई व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में मिलने वाली छूट तथा अन्य सुविधाओं की जानकारी भी संबंधित लिंक के माध्यम से प्राप्त की जा सकती है।

बैठक में अध्यक्ष श्री अनिरुद्ध गुप्ता, कार्यकारी अध्यक्ष श्री नरेंद्र कुमार गोयल, उपाध्यक्ष सीए हरिगोविंद प्रसाद अग्रवाल, मंत्री डॉ. सीमा जैन, सहमंत्री प्रतीक नर्सरिया, कोषाध्यक्ष सीए राजगोपाल अग्रवाल, परामर्शदाता गोपाल मोर, सुरेश कुमार टंडन, मुकुंद लाल अग्रवाल, महेंद्र अग्रवाल, सुरेश अग्रवाल, नवल किशोर बंसल, सुरेश कुमार अग्रवाल, राजकुमार अग्रवाल, रमेश चंद्र अग्रवाल, राजेंद्र कुमार अग्रवाल, संतोष कुमार टंटिया, अशोक कुमार बंसल, जनार्दन सुरेका, उमाशंकर गोयंका, मुकेश केडिया, सुनील अग्रवाल, मुकेश अग्रवाल, राम प्रकाश अग्रवाल, अशोक जिंदल, रमेश गुप्ता, डॉ. स्वाती गोयल, शशि सिंघल, मनोज मित्तल, सुशील जेजानी, संजय भालवाले, डॉ. प्रशांत देव गुप्ता, दिनेश सराफ, अनिल कुमार गर्ग, श्रीमती कमलेश अग्रवाल, राजेंद्र शशि, विपिन कुमार अग्रवाल, शीतल रुंगटा, निश्चिन्त अग्रवाल, रोहित जैन, विनोद अग्रवाल, हेमचंद गुप्ता, दीपक अग्रवाल, रमेश गुप्ता, शिव शंकर भगेरिया, पंकज संघी, दीपक अग्रवाल, दीपा गर्ग, सुनील अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, सुनील कुमार अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

कार्यक्रम का संचालन सहमंत्री प्रतीक नर्सरिया ने किया। अंत में सहमंत्री के धन्यवाद ज्ञापन के साथ सभा का समापन हुआ। बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों के लिए भोजन की व्यवस्था भी की गई थी।

अग्रवाल समाज का परिचय सम्मेलन 20 को

हैदराबाद, 5 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा विवाह-योग्य युवक-युवतियों के लिए परिचय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है।

आगामी 20 सितंबर 2026 को समाज के मीटिंग हॉल, राघव रत्या टावर्स की 10वीं मंजिल पर आयोजित होने वाले इस समारोह में विवाह-योग्य युवक-युवतियों का आपसी परिचय कराया जाएगा।

मैरेज डाटा कमिटी के चेयरमैन महेंद्र अग्रवाल एवं संयोजक अशोक जिंदल ने विवाह-योग्य युवकों एवं युवतियों के माता-पिता से निवेदन किया है कि वे अपने बच्चों के बायोडाटा लेकर समाज कार्यालय में पंजीकरण करवाएं तथा समारोह में पहुंचकर कार्यक्रम का लाभ उठाएं।

25 वर्ष बाद अग्रवाल समाज का दम्पती सम्मेलन 1 अक्टूबर को

हैदराबाद, 05 सितम्बर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा 25 वर्ष के अंतराल के बाद पुनः दम्पती सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। यह भव्य कार्यक्रम 1 अक्टूबर को बंजारा हिल्स स्थित होटल ताज कृष्णा में सायं 7 बजे से आयोजित होगा।

समाज के मीडिया, प्रचार व प्रसार चेयरमैन मुकुंद लाल अग्रवाल ने आज यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में जानकारी देते हुए बताया कि अग्रवाल समाज द्वारा पूर्व में दम्पती सम्मेलन का आयोजन स्वर्गीय श्री अशोक कुमारजी टिबरेवाला की अध्यक्षता में किया गया था, जिसके चेयरमैन श्री सुनील पाटोडिया थे। उसी आयोजन की पुनरावृत्ति 25 वर्ष बाद समाज के अध्यक्ष श्री अनिरुद्ध गुप्ता, कार्यकारी अध्यक्ष श्री नरेंद्र कुमार गोयल एवं उनकी टीम द्वारा की जा रही है।

गीत-संगीत, प्रतियोगिताओं सहित होंगे मनोरंजक कार्यक्रम

उन्होंने बताया कि 1 अक्टूबर को आयोजित होने वाले सम्मेलन में गीत, संगीत, विभिन्न प्रतियोगिताएं एवं अन्य मनोरंजक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। प्रतियोगिताओं में विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया जाएगा। कार्यक्रम के पश्चात स्वादिष्ट भोजन की व्यवस्था भी रखी गई है।

कार्यक्रम में केवल 200 दम्पती ही भाग ले सकेंगे। प्रवेश पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर प्रवेश पत्र के माध्यम से दिया जाएगा।

आयोजन में यह टीम रहेगी सक्रिय

कार्यक्रम के आयोजकगण की टीम में सुरेश कुमार अग्रवाल दिल्लीवाले, राजेंद्र कुमार अग्रवाल, सुनील पाटोडिया, बद्रीविशाल बंसल, गोपाल मोर, चिमन लाल, सुरेश कुमार, संदीप पटवारी, सुरेश कुमार टंडन, मुकुंद लाल अग्रवाल, मुन्ना लाल अग्रवाल, सुभाष कुमार अग्रवाल दिल्लीवाले, ताराचंद बंसल, सुरेश जगनानी, सुनील कुमार गुप्ता, मनोज कुमार टिबरेवाला, आनंद नरेड़ी, महेश कुमार डाकोतिया, सतीश कुमार भगेरिया, विमल कुमार सोंथालिया, मनोज कुमार अग्रवाल (लालाजी), विनोद कुमार डाकोतिया, शीनाथ अग्रवाल, शंकर लाल अग्रवाल, सुरेंद्र कुमार मोर, किशन लाल अग्रवाल (क्लासिक गार्डन), घनश्याम अग्रवाल (डी.बी.), सुनील चोखानी, अशोक केडिया, अशोक गुप्ता, कैलाश गुप्ता, गोविंद दोचानिया, विनय नरेड़ी, विनोद कुमार मोर, कन्हैया लाल दादरीवाले आदि शामिल रहेंगे।

200 दम्पतियों को मिलेगा प्रवेश

मुकुंद लाल अग्रवाल ने बताया कि सम्मेलन में सीमित संख्या में दम्पतियों को ही प्रवेश दिया जाएगा। अधिकतम 200 दम्पती इसमें शामिल हो सकेंगे और प्रवेश पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर होगा।

विस्तृत जानकारी एवं प्रवेश के लिए सुरेश कुमार अग्रवाल दिल्लीवाले से 9440009883 पर संपर्क किया जा सकता है।

अग्रवाल समाज की ओर से सभी महानुभावों से आग्रह किया गया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में दम्पती सम्मेलन में सम्मिलित होकर कार्यक्रम को सफल बनाएं।

कोरेमुला श्री आई माता मंदिर में जन्माष्टमी महोत्सव हर्षोल्लास से मनाया

हैदराबाद, 5 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

कोरेमुला स्थित श्री आई माता मंदिर में जन्माष्टमी महोत्सव हर्षोल्लास एवं भक्तिमय वातावरण में आयोजित किया गया। महोत्सव के दौरान भजन संध्या का आयोजन हुआ, जिसमें भजन गायक टीलाराम परिहारिया तथा मोहनलाल एंड पार्टी द्वारा प्रस्तुत भजनों एवं धार्मिक गीतों ने उपस्थित श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

भजन गायक टीलाराम परिहारिया, मोहनलाल एंड पार्टी द्वारा प्रस्तुत गीतों का उपस्थित समाजबंधुओं एवं श्रद्धालुओं ने आनंद लिया।

इस अवसर पर मंदिर एवं समाज के पदाधिकारी तथा समाजबंधु उत्साहपूर्वक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में संरक्षक प्रभुराम परिहारिया, अध्यक्ष कालूराम काग, उपाध्यक्ष वगताराम पंवार, उपाध्यक्ष राजाराम पंवार, सचिव डायाराम लचेटा, सह सचिव राजाराम गहलोत, कोषाध्यक्ष पोकरराम पंवार, पूनाराम हाम्बड़, ताराराम भायल, पुनाराम चोयल, देवाराम परिहार, पाबुराम परिहारीया, देवाराम परिहार सहित समाजबंधु उपस्थित रहे। सभी ने भक्तिमय प्रस्तुतियों का आनंद लेते हुए जन्माष्टमी महोत्सव में सहभागिता निभाई।

शिवानी गुप्ता ने कहासेवा कार्य में राधे-राधे ग्रुप का योगदान अद्भुत

हैदराबाद। हैदराबाद राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में शनिवार को नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265 ए के पास नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान जरूरतमंद एवं बेसहारा लोगों को भोजन वितरित किया गया। ग्रुप के सदस्यों ने सेवा भाव के साथ अन्नदान करते हुए मानवता और सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश दिया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए शिवानी गुप्ता ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप जिस प्रकार निरंतर और नियमित रूप से सेवा कार्य कर रहा है, वह वास्तव में अद्भुत एवं प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि किसी जरूरतमंद व्यक्ति को भोजन उपलब्ध कराना सबसे बड़ी मानवीय सेवाओं में से एक है। राधे-राधे ग्रुप द्वारा बिना किसी भेदभाव के जरूरतमंदों तक भोजन पहुंचाने का कार्य समाज के लिए प्रेरणादायी उदाहरण है।

शिवानी गुप्ता ने कहा कि सेवा केवल एक दिन या किसी विशेष अवसर तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि इसे निरंतरता के साथ आगे बढ़ाना चाहिए। राधे-राधे ग्रुप इसी भावना के साथ नियमित रूप से अन्नदान कर रहा है और सेवा के माध्यम से समाज में संवेदना, सहयोग और अपनत्व की भावना को मजबूत कर रहा है। उन्होंने कहा कि समाज के सक्षम लोगों को भी आगे आकर ऐसे सेवा कार्यों में अपना योगदान देना चाहिए, ताकि जरूरतमंदों को सहायता मिल सके।

उन्होंने कहा कि अन्न का दान केवल भोजन देना नहीं, बल्कि किसी जरूरतमंद के जीवन में राहत और सम्मान पहुंचाना है। राधे-राधे ग्रुप के सदस्यों द्वारा मिल-जुलकर किए जा रहे सेवा कार्य से समाज में सकारात्मक संदेश जा रहा है। उन्होंने ग्रुप के सभी सदस्यों की सेवा भावना की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यों को निरंतर जारी रखना ही सच्ची मानव सेवा है।

कार्यक्रम में राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, जगन गुप्ता, दत्ता, नंद गोपाल, भगत राम गोयल, संजय गोयल, किरण गोयल, भाकर राम कुमावत, कमला कुमावत, प्रीतिका अग्रवाल, मनीष चिंडालिया, कैलाश केडिया, निर्मला केडिया, युवान केडिया, विशाल अग्रवाल एवं शिवानी गुप्ता सहित राधे-राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित रहे। सभी सदस्यों ने सेवा कार्य में सक्रिय सहयोग करते हुए जरूरतमंदों को भोजन वितरित किया और नियमित अन्नदान की इस सेवा परंपरा को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

श्री आईमाताजी मंदिर में जन्माष्टमी महोत्सव हर्षोल्लास से मनाया

हैदराबाद, 5 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जीडिमेट्ला स्थित श्री आईमाताजी मंदिर (बडेर) में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव श्रद्धा एवं भक्तिमय वातावरण में हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। इस अवसर पर भजन गायक सोहनलाल गेहलोत एवं वेनाराम परमार एंड पार्टी, हैदराबाद द्वारा भजन एवं भक्ति गीतों की प्रस्तुति दी गई। भक्तिमय प्रस्तुतियों से मंदिर परिसर गूंज उठा और उपस्थित समाजबंधुओं ने भजनों का आनंद लिया।

महोत्सव के अवसर पर संरक्षक मांगीलाल काग, अध्यक्ष रावतराम बर्फा, उपाध्यक्ष सोहनलाल परिहार, सचिव प्रेम पंवार, कोषाध्यक्ष भंवरलाल काग सहित समाज के पदाधिकारी एवं समाजबंधु उपस्थित रहे।इस दौरान मुलाराम पंवार, जयराम परिहार, उदाराम काग, भुड़ाराम बर्फा, सोहनलाल हाम्बड़, जीवाराम हाम्बड़, मोहनलाल मुलेवा, चन्द्रप्रकाश बर्फा, रतनाराम भायल, मोहनलाल काग, चंदनाराम चोयल, महेन्द्र देवड़ा, अर्जुनलाल बर्फा, राजुराम लचेटा, सेसाराम परिहारिया, राजेश मुलेवा एवं समाजबंधुओं ने उपस्थित होकर जन्माष्टमी महोत्सव की खुशियों में सहभागिता निभाई।

एनकेएस ग्रुप ऑफ कंपनीज का 31वां स्थापना दिवस

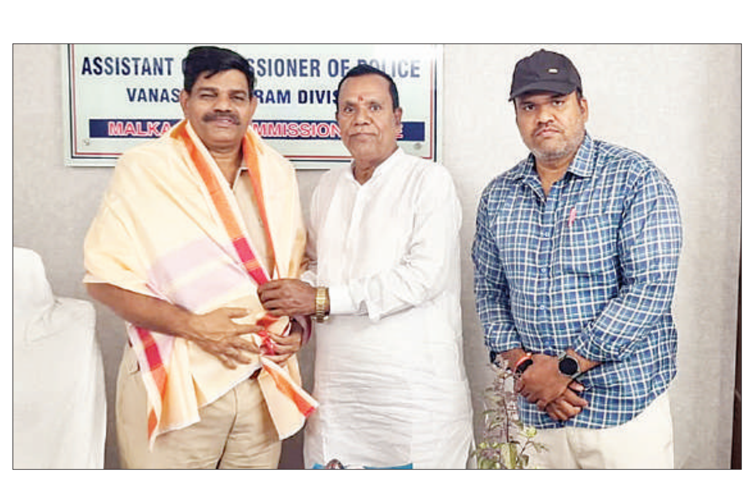

हैदराबाद, 5 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। एनकेएस ग्रुप ऑफ कंपनीज के 31वें स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर रविवार, 6 सितंबर 2026 को विशेष पूजा एवं सेवा कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर वनस्थलीपुरम के सहायक पुलिस आयुक्त श्री पी. कासी रेड्डी को मुख्य अतिथि तथा भाजपा नेता एवं एपी महेश को-ऑपरेटिव बैंक के वाइस चेयरमैन श्री गोविंद राठी को विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है। एनकेएस ग्रुप ऑफ कंपनीज के चेयरमैन एन.के. सिंह एवं निदेशक नंदकिशोर सिंह ने दोनों अतिथियों से मुलाकात कर उन्हें कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। स्थापना दिवस के अवसर पर वनस्थलीपुरम स्थित नरसिम्हाराव नगर कॉलोनी में एनकेएस ग्रुप के कार्यालय में विशेष पूजा का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का शुभारंभ सर्वप्रथम श्री गणेशजी की पूजा से होगा। इसके पश्चात श्री बालाजी की पूजा, श्री सत्यनारायण व्रत कथा एवं हवन का आयोजन किया जाएगा।

इसके बाद शाम 6:30 बजे साहेब नगर स्थित शांति निकेतन अनाथ आश्रम में अनाथ बच्चों के लिए भोजन की व्यवस्था की जाएगी। स्थापना दिवस के अवसर पर धार्मिक आयोजन के साथ सेवा कार्य भी किया जाएगा।

2028 तक हैदराबाद में बनेगा भारत का सबसे बड़ा एआई डेटा सेंटर

हैदराबाद, 05 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना में देश का सबसे बड़ा कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) डेटा सेंटर परिसर स्थापित किया जाएगा। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) की सहायक कंपनी हाइपरवॉल्ट और उसके साझेदार फ्यूचर सिटी में 250 एकड़ से अधिक क्षेत्र में एक गीगावाट (1,000 मेगावाट) क्षमता वाली इस सुविधा के निर्माण पर 70,000 करोड़ रुपये तक का निवेश करेंगे। यह राज्य के कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डेटा सेंटर बुनियादी ढांचा क्षेत्र में अब तक का सबसे बड़ा एकल निवेश होगा। इस परियोजना से करीब 7,000 प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार पैदा होने की उम्मीद है। इसका उद्घाटन 2 जून 2028 को तेलंगाना गठन दिवस के अवसर पर करने की योजना है।

मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने शनिवार को यहां टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और हाइपरवॉल्ट के वरिष्ठ प्रतिनिधियों के साथ बैठक के बाद इस बड़े निवेश की घोषणा की। इस दौरान सरकार और कंपनी के बीच परिसर के विकास के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। रेवंत रेड्डी ने समयसीमा तय करते हुए कहा कि सरकार चाहती है कि देश के सबसे बड़े कृत्रिम बुद्धिमत्ता डेटा सेंटर का उद्घाटन शनिवार से ठीक 21 महीने बाद, 2 जून 2028 को तेलंगाना गठन दिवस के अवसर पर किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा, यह परियोजना केवल तेलंगाना ही नहीं, बल्कि भारत के लिए भी ऐतिहासिक है। उन्होंने इस घोषणा को कृत्रिम बुद्धिमत्ता और फ्यूचर सिटी में होने वाले सबसे बड़े निवेशों में से एक बताया। उन्होंने कहा कि हैदराबाद अब वैश्विक कृत्रिम बुद्धिमत्ता क्रांति में अग्रणी भूमिका में है और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के मॉडलों तथा कंप्यूटिंग क्षमता तक पहुंच तेजी से सार्वजनिक बुनियादी ढांचे का रूप ले रही है। तेलंगाना में ऐसी कंप्यूटिंग क्षमता उपलब्ध होने से राज्य को महत्वपूर्ण रणनीतिक लाभ मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने 50 किलोमीटर लंबे रेडियल रोड-1 का भी उल्लेख किया, जो कोन्गराकलान के रास्ते आउटर रिंग रोड को फ्यूचर सिटी से जोड़ेगा। उन्होंने कहा कि यह सड़क भारत की बेहतरीन सड़कों में शामिल होगी और संभावित रूप से आपातकालीन हवाई पट्टी के रूप में भी इस्तेमाल की जा सकती है। उन्होंने बताया कि इस सड़क का नाम भारत रत्न रतन टाटा के नाम पर रखा गया है। मुख्यमंत्री ने याद किया कि वर्ष 2025 में आयोजित तेलंगाना राइजिंग ग्लोबल समिट में उन्होंने घोषणा की थी कि तेलंगाना में एक लाख करोड़ रुपये का निवेश करने वाले संगठन के नाम पर एक प्रमुख सड़क समर्पित की जाएगी।

बैठक में टीसीएस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के. कृतिवासन, मुख्य परिचालन अधिकारी आरती सुब्रमण्यम, हाइपरवॉल्ट के अध्यक्ष वी. राजन्ना तथा हाइपरवॉल्ट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक दीपेश नंदा शामिल हुए। ओपनएआई के मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी उदय रुद्राजू ने अमेरिका से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बैठक में हिस्सा लिया।इस अवसर पर सूचना प्रौद्योगिकी एवं उद्योग मंत्री डी. श्रीधर बाबू, मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी, कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी और अदलूरी लक्ष्मण कुमार, मुख्य सचिव संजय जाजू तथा सरकार के सलाहकार के. रामकृष्ण राव सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

रेवंत रेड्डी ने जनवरी में दावोस में विश्व आर्थिक मंच के दौरान टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन के साथ हुई मुलाकात को याद करते हुए कहा कि उन्होंने चंद्रशेखरन से तेलंगाना के लिए निवेश के लिहाज से बड़ी खबर लाने को कहा था। मुख्यमंत्री के मुताबिक, चंद्रशेखरन मुस्कुराए और इस पर सहमति जताई। उन्होंने जल्द ही इसकी घोषणा करने का वादा किया था।

रेवंत रेड्डी ने बताया कि राज्य सरकार ने जानबूझकर इस निवेश की घोषणा तब तक नहीं की, जब तक टाटा समूह ने औपचारिक रूप से इसकी घोषणा नहीं कर दी।

मुख्यमंत्री ने निवेशकों को यह भरोसा दिलाने का भी प्रयास किया कि सरकार में बदलाव के बावजूद तेलंगाना में नीतियों की निरंतरता बनी रहेगी। उन्होंने अविभाजित आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में लगातार सरकारों द्वारा अपनाई गई निवेश नीतियों का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकारों ने मौजूदा नीतियों में सुधार किया है, उन्हें खत्म नहीं किया।

उन्होंने कहा, मेरे राज्य में नीतिगत ठहराव नहीं है। मैं कोई भ्रम पैदा नहीं करना चाहता। मैं आपको अधिक से अधिक भरोसा देना चाहता हूं। राजनीतिक और वैचारिक मतभेद निवेश नीति को प्रभावित नहीं करेंगे।

टीसीएस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के. कृतिवासन ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता को केवल तकनीकी बदलाव नहीं, बल्कि सभ्यतागत बदलाव बताया। उन्होंने कहा कि यह समाज के काम करने के तरीके को बदल देगा। उनके अनुसार, जो देश और समाज सफलतापूर्वक कृत्रिम बुद्धिमत्ता की ओर बदलाव करेंगे, वे अग्रणी भूमिका में होंगे। उन्होंने कहा कि भारत के पास आगे बढ़ने का बड़ा अवसर है।कृतिवासन ने कहा कि हाइपरवॉल्ट, टीसीएस की बुनियादी ढांचे से बुद्धिमत्ता रणनीति को आगे बढ़ाता है।

खूबसूरती के साथ प्रतिभा और सामाजिक सेवा का हुनर, जोहेरी मोला बनीं मिस वर्ल्ड 2026

नई दिल्ली। वियतनाम के न्हा ट्रांग शहर में आयोजित मिस वर्ल्ड 2026 के ग्रैंड फिनाले में डोमिनिकन रिपब्लिक की जोहेरी मोला ने मिस वर्ल्ड का ताज अपने नाम कर लिया। प्रतियोगिता में 110 देशों की प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। सभी को पीछे छोड़ते हुए जोहेरी ने विश्व सुंदरी का खिताब हासिल किया। स्पेन की एलिजाबेथ रेन्स प्रथम उपविजेता, मलेशिया की तानूसिया चेट्टी रहीं द्वितीय उपविजेता

मिस वर्ल्ड 2026 की प्रथम उपविजेता स्पेन की एलिजाबेथ रेन्स रहीं, जबकि मलेशिया की तानूसिया चेट्टी द्वितीय उपविजेता बनीं। जोहेरी मोला को मिस वर्ल्ड का ताज पूर्व मिस वर्ल्ड ओपाल सुचाता चुआंगस्री ने पहनाया, जिन्होंने वर्ष 2025 में यह खिताब अपने नाम किया था। जोहेरी मोला जितनी खूबसूरत हैं, उतनी ही प्रतिभाशाली भी हैं। वह शिक्षिका, सामुदायिक हितों की पैरोकार, संचार विशेषज्ञ और पेशेवर मॉडल हैं। मिस वर्ल्ड की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, उन्होंने यूनिवर्सिडाड इबेरोअमेरिकाना से व्यवसाय प्रबंधन एवं प्रशासन में डिग्री हासिल की है।सामाजिक कार्यों में भी उनकी गहरी रुचि है। वह वॉइसेस ऑफ टुमारो की संस्थापक और अध्यक्ष हैं। यह संस्था पिछड़े समुदायों के बच्चों को अंग्रेजी सिखाने का काम करती है।

निकिता पोरवाल थीं भारत की प्रतिनिधि

मिस वर्ल्ड 2026 के मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व मध्य प्रदेश की निकिता पोरवाल ने किया। हालांकि, वह शीर्ष 40 तक पहुंचने में सफल रहीं, लेकिन शीर्ष 20 में अपनी जगह नहीं बना पाईं। इस संबंध में मिस इंडिया संगठन ने इंटरनेट मीडिया मंच पर लिखा कि निकिता पोरवाल ने शीर्ष 40 में पहुंचकर मिस वर्ल्ड के 73वें सफर का समापन किया। उन्होंने मिस वर्ल्ड के लगातार पांच संस्करणों में भारत को शीर्ष स्थान तक पहुंचाने के शानदार रिकॉर्ड को बरकरार रखा।

तेरापंथ महिला मंडल ने परीक्षार्थियों को पुरस्कार व प्रमाण-पत्र किए वितरित

हैदराबाद, 5 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के दिशा-निर्देशन में संचालित आचार्य श्री तुलसी शिक्षा परियोजना के तहत तत्व ज्ञान, तत्व विज्ञ एवं तेरापंथ दर्शन की परीक्षाएं आयोजित की जाती हैं। इन परीक्षाओं में भाग लेने वाले भाई-बहनों को तेरापंथ महिला मंडल हैदराबाद की ओर से पुरस्कार तथा अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की ओर से प्राप्त प्रमाण-पत्र वितरित किए गए।

सम्मान समारोह का आयोजन मुनि श्री दीप कुमार जी ठाणा-2 के पावन सान्निध्य में तेरापंथ भवन, डीवी कॉलोनी, सिकंदराबाद में किया गया। मंडल की अध्यक्ष श्रीमती नमिता सिंघी ने समारोह में उपस्थित सभी श्रावक-श्राविकाओं एवं समाजबंधुओं का स्वागत किया।

परीक्षा व्यवस्थापिका श्रीमती मंजू दुगड़ ने सभा को संबोधित करते हुए अधिक से अधिक भाई-बहनों को इस आध्यात्मिक प्रवृत्ति से जुड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ऐसी परीक्षाएं ज्ञानवर्धन के साथ आध्यात्मिक विकास का भी माध्यम हैं।तेरापंथ दर्शन भाग-3 में राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान तथा तत्व विज्ञ भाग-3 में राष्ट्रीय स्तर पर चतुर्थ स्थान प्राप्त करने वाली श्रीमती रंजूबैद को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। वहीं राष्ट्रीय स्तर पर स्थान प्राप्त करने वाली श्रीमती रेखा संकलेचा को भी विशेष सम्मान प्रदान किया गया।

कार्यक्रम का कुशल संचालन मंत्री श्रीमती निशा सेठिया ने किया।

बेगम बाजार में राधे-राधे ग्रुप का अन्नदान

हैदराबाद राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने शनिवार को नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान जरूरतमंदों एवं राहगीरों को भोजन वितरित कर मानव सेवा का संदेश दिया गया। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद की ओर से नियमित रूप से संचालित अन्नदान कार्यक्रमों के माध्यम से जरूरतमंदों तक भोजन पहुंचाने का निरंतर प्रयास किया जा रहा है। ग्रुप का उद्देश्य सेवा कार्यों के माध्यम से समाज में करुणा, सहयोग और मानवता की भावना को मजबूत करना है। कार्यक्रम में पन्नालाल अग्रवाल, शिव भगवान अग्रवाल, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, महेश गोयल, लता गोयल, मीना अग्रवाल एवं ज्योति अग्रवाल सहित राधे-राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित रहे। सदस्यों ने सेवा कार्य में सहयोग करते हुए जरूरतमंदों को भोजन कराया। ग्रुप के सदस्यों ने कहा कि किसी भूखे व्यक्ति को भोजन कराना मानवता की महत्वपूर्ण सेवा है। नियमित अन्नदान के माध्यम से राधे-राधे ग्रुप सेवा, संस्कार और समर्पण की भावना को समाज में आगे बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

कांग्रेस अल्पसंख्यक नेताओं ने मंत्री मो. अज़हरुद्दीन को सौंपा ज्ञापन

अल्पसंख्यक कल्याण कोष और संस्थानों के प्रभावी संचालन हेतु वरिष्ठ अधिकारी की नियुक्ति की मांग

हैदराबाद, 05 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना राज्य कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठतम अल्पसंख्यक नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने सचिवालय में माननीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री श्री मोहम्मद अज़हरुद्दीन जी से मुलाकात की और अल्पसंख्यक कल्याण से जुड़े प्रमुख मुद्दों को उनके समक्ष उठाया।

प्रतिनिधिमंडल ने अल्पसंख्यक कल्याण कोष के समुचित उपयोग, निधियों के प्रभावी प्रबंधन व अल्पसंख्यक संस्थानों के सही संचालन के लिए एक वरिष्ठ खअड अधिकारी की नियुक्ति, और समुदाय की समस्याओं पर चर्चा हेतु अल्पसंख्यक नेताओं के साथ मासिक बैठकें आयोजित करने का अनुरोध किया। इसके अतिरिक्त, नेताओं ने न्यूनतम बैंकिंग हस्तक्षेप के साथ प्रत्यक्ष लाभार्थी सहायता को बढ़ाकर 2 लाख करने की भी मांग रखी।

प्रतिनिधिमंडल ने माननीय मंत्री को अपना बहुमूल्य समय देने और उनकी चिंताओं को पूरे ध्यान से सुनने के लिए सहृदय धन्यवाद दिया।

मंत्री जी ने उठाए गए मुद्दों पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी और प्रतिनिधिमंडल के विचारों व सुझावों की सराहना की।

प्रतिनिधिमंडल ने आशा व्यक्त की कि माननीय मंत्री इन चिंताओं के समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाएंगे और पूरे तेलंगाना में अल्पसंख्यकों के कल्याण और विकास को और अधिक मजबूती प्रदान करेंगे।

शिक्षक स्वयं आदर्श प्रस्तुत कर छात्रों को श्रेष्ठ व्यक्ति बनाने का प्रयास करें : बंडारू दत्तात्रेय

हैदराबाद, 05 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

पूर्व राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय ने तिलक नगर, नल्लाकुंटा, हैदराबाद स्थित केयर मॉडल हाई स्कूल में आयोजित टीचर्स डे समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।

इस अवसर पर श्री दत्तात्रेय ने डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की तथा शिक्षकों का अभिनंदन किया।

श्री बंडारू दत्तात्रेय ने डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को एक महान शिक्षाविद् एवं राजनेता तथा नैतिकता, ईमानदारी, आध्यात्मिकता और धर्मनिष्ठा के प्रतीक के रूप में सराहा। उन्होंने कहा कि डॉ. राधाकृष्णन का मानना था कि समाज के सर्वोच्च मूल्यों की रक्षा होनी चाहिए तथा शिक्षा का उद्देश्य छात्रों में अनुशासन, देशभक्ति और राष्ट्रीय भावना का विकास करना होना चाहिए।

इस अवसर पर श्री दत्तात्रेय ने शिक्षकों को सलाह दी कि वे स्वयं आदर्श प्रस्तुत करें तथा छात्रों को उत्कृष्ट एवं श्रेष्ठ व्यक्ति बनाने का प्रयास करें। उन्होंने कहा कि शिक्षकों की जिम्मेदारी है कि वे छात्रों को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में मजबूत ज्ञान और कौशल प्रदान करें, ताकि वे आधुनिक विश्व की चुनौतियों का सामना कर सकें।

कार्यक्रम में केयर मॉडल हाई स्कूल की संवाददाता श्रीमती आवुला पद्मा, डॉ. आवुला रामचंदर, पूर्व कॉर्पोरेटर श्रीमती वाई. अमृता एवं श्री वनम रमेश के साथ स्कूल के शिक्षक एवं छात्र उपस्थित थे।

शैफरोन शोरूम में सपना गुप्ता ने अपना जन्मदिन हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित सभी लोगों को भोजन की सेवा प्रदान की। जन्मदिन के अवसर पर उपस्थित लोगों ने सपना गुप्ता को शुभकामनाएं एवं बधाई दी।

पूर्व विधायक शिवलाल जी की 44वीं पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करती हुईं पूर्व पार्षद परमेश्वरी सिंह एवं अन्य।

विकास और जनकल्याण कांग्रेस सरकार का एजेंडा : विजयरामन राव

पेद्दापल्ली, 05 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राज्य में कांग्रेस सरकार के एक हजार दिन पूरे होने के अवसर पर राज्य सरकार के व्हिप एवं पेद्दापल्ली विधायक चिंताकुंटा विजयरामन राव के नेतृत्व में शनिवार को चीकुराई रोड से जेंडा चौरास्ता तक रैली निकाली गई। बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने रैली में शामिल होकर सरकार की उपलब्धियों का जश्न मनाया।

इस अवसर पर विजयरामन राव ने कहा कि कांग्रेस सरकार 200 यूनिट तक निःशुल्क बिजली, महिलाओं के लिए निःशुल्क बस यात्रा, 500 रुपये में गैस सिलेंडर, राशन कार्ड पर गुणवत्तापूर्ण चावल, किसानों के लिए बोनस एवं कर्जमाफी जैसी योजनाएं लागू कर रही है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.